नई दिल्ली
बुधवार, 16 अप्रैल 2025
वैशाख मास कृष्ण पक्ष,
तृतीया वर्ष : 29, अंक : 01
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 39
न्यून. 23

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

150 रुपए प्रति पंजीयन शुल्क निर्धारित किया गया

इस साल 3 जुलाई से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा

अमरनाथ यात्रा के लिए देशभर में 533 बैंक शाखाओं में शुरू हो गई पंजीकरण की प्रक्रिया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए पंजीकरण प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है। देशभर के 533 बैंक शाखाओं में लोग बड़ी संख्या में पंजीकरण कराने पहुंच रहे हैं। इन शाखाओं में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), जे एंड के बैंक और यस बैंक शामिल हैं। अकेले पीएनबी की 309 शाखाओं में पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है।

पंजीकरण के लिए आधार आधारित ई-केवाईसी और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त डॉक्टर या अस्पताल से जारी स्वास्थ्य प्रमाणपत्र अनिवार्य है। प्रत्येक रजिस्ट्रेशन के लिए 150 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है। यात्रा की तारीख से आठ दिन पहले तक उस दिन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। हर दिन के लिए यात्रियों की संख्या सीमित रखी गई है, तय संख्या पूरी होने के बाद उस दिन का पंजीकरण बंद कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर ⏩ शेष पेज 5 पर

अच्छी खबर : मानसून को लेकर मौसम विभाग ने बड़ी भविष्यवाणी की

भारतीय मौसम विभाग ने कहा- अल नीनो नहीं, सामान्य से अधिक बारिश होगी, 1 जून के आसपास आएगा मानसून

इस बार बारिश का आंकड़ा 87 सेंटीमीटर के दीर्घकालिक औसत का 105% रहेगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मानसून को लेकर मौसम विभाग ने बड़ी भविष्यवाणी की है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक भारत में मानसून के दौरान सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है। इस बार अल नीनो की स्थिति बनने की आशंका नहीं है। आईएमडी के प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा के मुताबिक जून से सितंबर तक, इस बार जमकर बारिश का आसार जताया गया है।

इससे किसानों को बड़ी राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस बार बारिश का आंकड़ा 87 सेंटीमीटर के ⏩ शेष पेज 5 पर

अभी गर्मी से ऐसी बेहाली

हर जगह और हर समय एक जैसी बारिश नहीं

अच्छा मानसून रहना भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बहुत जरूरी है। लगभग 42.3 फीसदी आबादी की आजीविका इसी पर निर्भर है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 18.2 फीसदी का योगदान करता है। देश के 52 फीसदी कृषि क्षेत्र में बारिश से ही सिंचाई होती है। यह देशभर में पीने के पानी और बिजली उत्पादन के लिए जलाशयों को भरने के लिए भी महत्वपूर्ण है। हालांकि, सामान्य बारिश का मतलब यह नहीं है कि देश में हर जगह और हर समय एक जैसी बारिश होगी। मौसम विभाग के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश में बदलाव हो रहा है। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश के दिनों की संख्या कम हो रही है। लेकिन कम समय में भारी बारिश की घटनाएं बढ़ रही हैं। इससे बार-बार सूखा और बाढ़ आ रही है।

यह औसत पिछले 50 सालों के आंकड़ों पर आधारित

आईएमडी के अनुसार सामान्य बारिश का मतलब है कि चार महीने के मानसून सीजन में 87 सेंटीमीटर की औसत बारिश का 96 फीसदी से 104 फीसदी तक बारिश होना। यह औसत पिछले 50 सालों के आंकड़ों पर आधारित है। हालांकि, हमें जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले बदलावों के लिए तैयार रहना होगा। बारिश कभी भी एक जैसी नहीं होती, इसलिए हमें पानी का सही तरीके से इस्तेमाल करना होगा।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
दिल्ली - राजस्थान
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

राहतः मार्च में खुदरा महंगाई दर घटी

नई दिल्ली। लोगों को महंगाई से राहत मिली है। देश की खुदरा महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है।

नेशनल स्टैटिकल ऑफिस की ओर से जारी डेटा के मुताबिक, मार्च में भारत की खुदरा महंगाई दर 3.34%पर आ गई। महंगाई मार्च में घटकर 67 महीने के निचले स्तर पर आ गई।

बाजार में तेजी, सेंसेक्स 1500 अंकों से पार

मुंबई। शेयर मार्केट में मंगलवार को तूफानी तेजी देखने को मिली। निफ्टी 50 इंडेक्स 500 अंकों या

2.19 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी के साथ 23,328.55 के लेवल पर बंद हुआ, जबकि संसेक्स 1,577.63 अंक या 2.09% उछाल के साथ 76,734.89 के लेवल पर क्लोजिंग दी।

आरोप पत्र दायर,सोनिया राहुल की बढ़ी मुश्किलें

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने पूर्व कांग्रेस

अध्यक्ष सोनिया गांधी और सांसद राहुल गांधी पर शिकंजा कसते हुए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोप पत्र दायर किया है। जांच एजेंसी की ओर से दिल्ली की राउज कोर्ट में पत्र दाखिल किया है।

तेजस्वी यादव ने कुल 247 सीटों में से 150+ सीटों की मांग रखी

तेजस्वी की खड़गे, राहुल के साथ मुलाकात चुनाव में सीट बंटवारे पर अंतिम निर्णय जल्द

बिहार विधानसभा चुनाव में गठबंधन के साथ कैसे लडना है, सीट बंटवारा और मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर मैदान में जाना चाहिए ऐसे अनेक मसलों पर खुलकर विमर्श किया

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में राजद नेता तेजस्वी यादव ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ बिहार विधानसभा चुनाव में गठबंधन के साथ कैसे लडना है, कितने सीटों पर कौन लडेगा, मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर मैदान में जाना चाहिए ऐसे अनेक मसलों पर खुलकर विमर्श किया। इसी साल के अंत में बिहार विधानसभा चुनाव होना है। लगातार तीन बार भाजपा,जदयू मूल गठबंधन की सरकार गद्दीनशीं है। विपक्षी गठबंधन को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबियत नासाज रहने की वजह से नेतृत्व का एक बडा खालीपन आगामी चुनाव में राजग गठबंधन में सामने आएगा। ऐसे में कांग्रेस, राजद, वामदलों को एकजुटता के साथ बेहतर तालमेल में चुनावी रण में जाना है। राजद की ओर से कोशिश है कि पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा घोषित कर विपक्षी गठबंधन मैदान में उतरे। जिस पर अभी कोई एकराय नहीं बन पायी है। सीट बंटवारे पर जरूर एक फार्मूला तय कर हो गया है। उस पर अंतिम मुहर पटना में इंडिया गठबंधन के अन्य दलों से बातचीत के लिए गुरुवार, शुक्रवार बैठक आहूत की गई है। पिछले लोकसभा चुनावों में मजबूत प्रदर्शन के आधार पर तेजस्वी यादव ने कुल 247 सीटों में से 150+ से सीटों की मांग रखी है। कांग्रेस 50-60 सीटों पर लड सकती है। पिछली बार कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन केवल 17 पर जीत हासिल की थी। तेजस्वी ने बैठक के बाद कहा कि सीट बंटवारे पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है, लेकिन सभी सहयोगी दलों के साथ उचित संवाद के बाद सामूहिक निर्णय लिया जाएगा।

> ■ कांग्रेस 50-60 सीटों पर लड़ सकती है पिछली बार कांग्रेस 70 पर लड़ी थी

> सीट बंटवारे पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है

राजद ने तेजस्वी यादव को पहले ही अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित किया है, और लालू प्रसाद यादव ने भी कहा है कि तेजस्वी को सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। हालांकि, कांग्रेस ने अभी तक तेजस्वी को औपचारिक रूप से सीएम चेहरा स्वीकार नहीं किया है। बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि सीएम का फैसला चुनाव परिणामों के बाद सहमति से होगा। तेजस्वी ने इस मुद्दे पर सवालों का जवाब देते हुए कहा, हम चर्चा करेंगे और सर्वसम्मति से सीएम का चेहरा तय करेंगे। इसमें परेशान होने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने बताया, बैठक में महागठबंधन के कॉमन मिनिमम प्रोग्राम और संयुक्त प्रचार रणनीति पर विचार किया गया। बिहार में राजग सरकार की कथित विफलताओं, जैसे गरीबी, पलायन, और कम प्रति व्यक्ति आय, को प्रमुख मुद्दा बनाने की योजना पर चर्चा हुई। तेजस्वी ने कहा, 20 साल बाद भी बिहार सबसे गरीब राज्य है। हम मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अगली बैठक 17 अप्रैल को पटना में होगी, जिसमें महागठबंधन के अन्य सहयोगी दल, जैसे सीपीएम और सीपीआई-एमएल, भी शामिल होंगे।

तेजस्वी यादव के साथ उनके खास सिपहसालार राज्यसभा सांसद संजय यादव, मनोज झा भी बातचीत में शामिल थे। कांग्रेस की ओर से अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, गुरूदीप सप्पल विमर्श का हिस्सा बने।

केंद्र सरकार ने दिया था दखल

हज यात्रियों के लिए खुशखबर बढ़ाया गया भारत का 'कोटा'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हज यात्रा को लेकर बहुत बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। भारत सरकार ने हज यात्रा 2025 के लिए

हज कोटा बढ़ाए जाने की घोषणा की है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने इस बारे में जानकारी शेयर किया है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने ⏩ शेष पेज 5 पर

हज 4 जून से 9 जून के बीच संभावित

मंत्री किरेन रिजिजू ने लिखा हज यात्रा को सुविधाजनक बनाना नीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, यह जिम्मेदारी का विषय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम प्रत्येक तीर्थयात्री के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सहयोग ⏩ शेष पेज 5 पर

इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट का फूटा गुस्सा

न्यायपालिका इस तरह की भाषा के इस्तेमाल से 'बचे'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की, जिसमें कहा गया था कि ब्रेस्ट छूना और कपड़े फाड़ना, रेप या रेप की कोशिश नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने हाई कोर्ट की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें रेप पीड़िता के लिए कहा गया था कि उसने खुद मुसीबत को न्योता दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ⏩ शेष पेज 5 पर

> ■ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद स्वत संज्ञान लिया

द्विपक्षीय सहयोग के अलावा लाल सागर, पश्चिमी आईओआर में बने हुए हालात पर हुई चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह का इटली का दो दिवसीय (14 से 15 अप्रैल तक) दौरा संपन्न हो गया है। जिसमें उन्होंने दोनों देशों के बीच 11वीं वार्षिक द्विपक्षीय संयुक्त रक्षा समिति की अहम बैठक में भाग लिया। भारत ने इसकी सह-अध्यक्षता की और रक्षा सचिव एक विस्तृत प्रतिनिधिमंडल के साथ इसमें

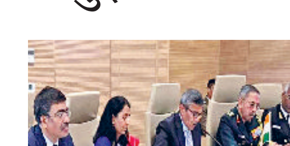

शामिल हुए। जबकि इटली का प्रतिनिधित्व सेकेट्री जनरल ऑफ डिफेंस लुईसा रिकार्डी ने किया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, बैठक में दोनों पक्षों के बीच रक्षा, सुरक्षा, औद्योगिक सहयोग, समुद्री ⏩ शेष पेज 5 पर

तारिणी पोत से दुनिया का चक्कर लगाकर स्वदेश लौटतीं नौसेना की दो जांबाज महिलाएं

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पिछले साल 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती से तारिणी पोत के जरिए दुनिया का चक्कर लगाने का सपना संजोए गोवा से निकलीं नौसेना की दो बहादुर महिला

अधिकारियों, लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना.के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा.ए का समुद्री सफर अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। जिसमें वह सोमवार दोपहर 1 बजे दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन से भारत वापसी के लिए निकल गई हैं। नौसेना ने बताया कि देश में इनका पड़ाव गोवा होगा। जहां यह दोनों कुल करीब डेढ़ महीने के बाद मई महीने के अंत में पहुंचेंगी। यह वो क्षण ⏩ शेष पेज 5 पर

गडकरी का ऐलान- 15 दिनों में नई टोल नीति भी

मुंबई-गोवा के बीच हाईवे जून तक हो जाएगा पूरा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि मुंबई-गोवा हाईवे का निर्माण कार्य जून तक पूरा हो जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि मैं अभी ज्यादा नहीं

कहूंगा, लेकिन अगले 15 दिनों में नई टोल नीति का ऐलान होगा और उसके बाद किसी को टोल को लेकर कोई शिकायत नहीं रहेगी। गडकरी ने दोहराया कि जल्द ही पूरे देश से फिजिकल टोल बूथ हटाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार एक नई टोल नीति पर काम कर रही है, जिसे जल्द लागू किया जाएगा। गडकरी ने देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि ⏩ शेष पेज 5 पर

अमेरिका के विदेश मंत्री की दो टूक...

अमेरिका का वीजा 'अधिकार नहीं, केवल विशेषाधिकार है'

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका को फिर से महान बनाने के नाम पर वीजा नियमों में सख्ती के साथ अवैध प्रवासियों को बाहर का रास्ता दिखाने की कवायद के बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को

रुबियो का एक ताजा-तरीन बयान मीडिया की सुर्खियों में छाया हुआ है। जिससे भारत के माथे पर भी चिंता की लकीरें पड़ना तय है। रुबियो ने कहा है कि अमेरिका का वीजा 'अधिकार नहीं,' 'केवल विशेषाधिकार है'। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासन में हम वीजा कानून का सख्ती से पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सभी वीजा धारकों को योग्यता ⏩ शेष पेज 5 पर

बच्चों की तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट सख्तः यूपी सरकार और इलाहाबाद हाईकोर्ट को फटकार

अदालत ने बच्चों की तस्करी को रोकने और बाल तस्करी अपराधों से जुड़े मामलों से निपटने के लिए राज्य सरकारों के लिए व्यापक दिशा-निर्देश निर्धारित किए

नवजात की 'चोरी' पर रद्द हो अस्पताल का लाइसेंस

सुप्रीम कोर्ट ने तस्करी करके लाए गए बच्चे को उत्तर प्रदेश के दंपती को सौंपने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बच्चों की तस्करी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। अदालत ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर यूपी सरकार और इलाहाबाद हाईकोर्ट को फटकार लगाई है।

अदालत ने बच्चों की तस्करी को रोकने और बाल तस्करी अपराधों से जुड़े मामलों से निपटने के लिए राज्य सरकारों के लिए व्यापक दिशा-निर्देश निर्धारित किए। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई नवजात शिशु चोरी होता ⏩ शेष पेज 5 पर

पीठ ने कहा

- सभी राज्य सरकारें हमारी विस्तृत सिफारिशों पर गौर करें और भारतीय संस्थान द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट का अध्ययन करें तथा उसे जल्द से जल्द लागू करें।
- हम पूरी तरह से निराश हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले को कैसे संभाला और कोई अपील क्यों नहीं की गई। कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई

समाज के लिए गंभीर खतरा पैदा होगा

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाई कोर्ट को बाल तस्करी के मामलों में लंबित मुकदमों की स्थिति जानने का निर्देश दिया है। इसके बाद 6 महीने में मुकदमे को पूरा करने और दिन प्रतिदिन सुनवाई करने का निर्देश दिया जाएगा। गौर हो कि कोर्ट ने यह आदेश उस मामले की सुनवाई के दौरान दिया जिसमें तस्करी करके लाए गए एक बच्चे को उत्तर प्रदेश के एक दंपति को सौंप दिया गया था, जो बेटा चाहते थे। पीठ ने ⏩ शेष पेज 5 पर

राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले से किया गया गिरफ्तार

फर्जी निवेश योजना के जरिए 150 लोगों को ठगने वाला पहुंचा सलाखों के पीछे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मध्य जिले की साइबर पुलिस ने ऑनलाइन पोंजी स्कीम घोटाले को अंजाम देने के आरोप में राजस्थान के 31 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस घोटाले में फर्जी निवेश पर अधिक मुनाफे का वादा करके कम से कम 150 लोगों को ठगा गया था। आरोपी का नाम विनोद कुमार बताया गया है। इसे सोमवार को राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले से गिरफ्तार किया गया।

डीसीपी एम. हर्षवर्धन के अनुसार शिकायतकर्ता ने बताया कि 'डॉलर विन एक्सचेंज' नामक एक फर्जी निवेश मंच ने उसके साथ 19 लाख रुपये की ठगी की है। शिकायतकर्ता को सोशल मीडिया वीडियो के जरिए इस योजना की जानकारी मिली थी, जिसमें हर महीने 28 प्रतिशत तक मुनाफे का वादा किया गया था।

इसके बाद उन्हें और उनकी पत्नी को 'मैसेजिंग ग्रुप' में जोड़ा गया और शुरुआत में उन्हें छोटे-छोटे मुनाफे दिये गये, जिससे वे बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रोत्साहित हो गये। हालांकि, जल्द मुनाफा मिलना बंद हो गया और उन्हें धोखाधड़ी का शिकार बनाये जाने का पता चला। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू की और बैंक खाते के लेन-देन और कॉल रिकॉर्ड का विश्लेषण किया। जांच के दौरान कुमार के दो बैंक खातों का पता चला, जहां पीड़ितों से लिए गए पैसे जमा किए गए थे। पूछताछ के दौरान कुमार ने कबूल किया कि उसने सहकारी समिति में अपनी पिछली नौकरी और मल्टी-लेवल मार्केटिंग के अनुभव का इस्तेमाल करके फर्जी निवेश मंच की शुरुआत से किया था। 'क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग' में नुकसान उठाने के बाद उसने इस घोटाले की योजना बनाई और प्रिंस नाम के एक व्यक्ति के साथ मिलकर एक फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगी को अंजाम दिया। डीसीपी ने कहा कि आरोपी ने धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए कई मोबाइल नंबरों और ऑनलाइन समूहों का इस्तेमाल किया।

ठगी के पैसे को क्रिप्टोकरेंसी में फिर से निवेश किया। ठगी से संबंधित आपत्तिजनक चैट और वीडियो वाले दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि अधिक से अधिक पीड़ितों का पता लगाने और जालसाज के अन्य संभावित साथियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

जीटीबी एंक्लेव में महिला की गोली मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शाहदरा जिले के जीटीबी एंक्लेव थाना इलाके में एक महिला का शव पाया गया। महिला को गोली मारी गई थी। पुलिस को सोमवार देर रात इस संबंध में पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना मिलते ही जीटीबी एंक्लेव थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां महिला मृत अवस्था में पाई गई। 20 वर्षीय मृतका की अभी पहचान नहीं हो पाई है।

पुलिस के अनुसार महिला के शरीर पर दो गोलियों के निशान मिले है। महिला की उम्र लगभग 20 वर्ष प्रतीत होती है। उसकी पहचान की कोशिश की जा रही है। घटनास्थल की जांच के लिये क्राइम और फॉरेंसिक जांच टीमें भी बुलाई गई थी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि हत्यारों के बारे में सुराग मिल सकें। पुलिस द्वारा हत्या का मामला दर्ज कर शव को जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। महिला का शव सुंदर नगरी के सामने एमआईजी फ्लैट सर्विस रोड पर पाया गया।

द्वारका में पकड़ा गया अंतर्राज्यीय हथियार सप्लायर

दिल्ली एनसीआर के बदमाशों को करने जा रहा था सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ पांच देशी कट्टे और कई कारतूस बरामद

द्वारका जिले की स्पेशल स्टाफ ने 'नो गन-नो गैंग' अभियान के तहत राजस्थान के एक अंतर्राज्यीय हथयार सप्लायर गैंग के सरगना को गिरफ्तार किया है। आस मोहम्मद उर्फ बहरा के पास से जब्त की गई हथियारों की खेप दिल्ली एनसीआर के बदमाशों को डिलीवर होनी थी। इसके पास से .315 बोर के पांच देशी कट्टे और इतने ही कारतूस बरामद हुये हैं। डीसीपी अंकित सिंह के अनुसार आस मोहम्मद हथियार सप्लाई से संबंधित आठ मामलों में शामिल रह चुका है। ये सभी केस राजस्थान और हरियाणा में दर्ज हैं। हाल ही में स्पेशल स्टाफ की टीम को इसकी धरपकड़ के लिए लगाया गया था। एसीपी ऑपरेशन राम अवतार की देखरेख में इंस्पेक्टर विश्वेंद्र ढाका, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर रश्मुद्दीन, हेड कांस्टेबल बच्चू सिंह, देव प्रकाश, अजय और कांस्टेबल परमिंदर की टीम ने टेक्निकल सर्विलांस और लोकल इंटेलीजेंस की मदद से इसके बारे में सूचना हासिल की थी। इसके बाद गंदा नाला, मधु विहार के पास से इसे गिरफ्तार किया गया। तलाशी में इसके पास से पांच देशी कट्टे और पांच कारतूस बरामद हुये। पूछताछ में बदमाश ने खुलासा किया कि वह दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में कई गिरोह को हथियार सप्लाई करता था। वह हरियाणा और राजस्थान में आठ बार गिरफ्तार भी हो चुका था। पुलिस हथियार सप्लायर से पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य लोगों के बारे में सूचना हासिल करने का प्रयास कर रही है।

भलस्वा लैंडफिलः एमसीडी अधिकारियों ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ 90 प्रतिशत से अधिक बांस के पौधों में नई पत्तियां आई : एमसीडी

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को भलस्वा लैंडफिल स्थल पर लगाए गए बांस के पौधों की स्थिति की समीक्षा के लिए निरीक्षण किया।

निगम प्रशासन ने बताया कि निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की टीम ने पाया कि स्थल पर लगाए गए 90 प्रतिशत से अधिक बांस के पौधों में नई पत्तियों के निकलने के संकेत मिले हैं, जो पौधों के स्वस्थ विकास का प्रमाण हैं। हालांकि कुछ पौधे सूखे प्रतीत हो रहे हैं, लेकिन उनके शीघ्र ही नई पत्तियाँ निकालने की संभावना है। अधिकांश पौधे जीवित हैं और उनकी नियमित निगरानी की जा रही है। सिंचाई और देखभाल के लिए विभाग द्वारा आवश्यक बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराया गया है। इसमें तीन पानी के टैंकर, तीन वाटर गन, और नियमित रखरखाव व हरियाली सुनिश्चित करने के लिए माली की एक टीम तैनात की गई है। भलस्वा लैंडफिल स्थल पर बांस के पौधों की खराब स्थिति को लेकर कुछ समाचार रिपोर्टों के संदर्भ में यह स्पष्ट किया जाता है कि अधिकांश पौधे जीवित हैं और स्वस्थ विकास के संकेत दे रहे हैं।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उदघोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विक्रम उर्फ विक्की, पुत्र :** श्री जगदीश, **पताः** मकान नं. एम–281, मंगोलपुरी, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 1947/2014 U/s 392/34 IPC, थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्रम उर्फ विक्की** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्रम उर्फ विक्की** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 1947/2014 U/s 392/34 IPC, थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विक्रम उर्फ विक्की** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **15.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री रितिका जैन
न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी (उत्तर–पश्चिम)
कमरा नं. 105, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/4666/OD/2025
(Court Matter)

ऑनलाइन क्रिकेट बैटिंग रैकेट का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मालवीय नगर के खिड़की गांव में संचालित ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा रैकेट का भंडाफोड़ एएटीएस, दक्षिण जिला द्वारा किया गया है। इस सिलसिले में चार सट्टेबाजों को पकड़ा गया है। इनसे सट्टेबाजी सॉफ्टवेयर के साथ एक लैपटॉप, नौ मोबाइल फोन, तीन नोटबुक और सट्टेबाजी के रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। आरोपी मौजूदा आईपीएल सीजन के दौरान 17 लाख का सट्टा लगा चुके हैं। पुलिस के अनुसार इस मामले में पकड़े गये चारों आरोपियों के नाम विशाल चौहान, नितिन कुमार, सुमित कुमार और महबूब हैं। इनके बारे में 12/13 अप्रैल की मध्य रात्रि हेड कांस्टेबल कमल प्रकाश को सूचना मिली थी। सूचना सीनियर अफसरों के संज्ञान में लाकर छापा मारा गया। चार व्यक्ति ऑनलाइन माध्यम से सट्टेबाजी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल पाए गए।

रकाबगंज साहिब में शुरू हुई संगतें

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी दिवस के चलते मंगलवार से रकाबगंज साहिब में संगत सहज पाठों की श्रृंखला की शुरुआत कर दी। इस श्रृंखला का समापन आगामी 25 नवंबर 2025 को गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी दिवस पर संपन्न होगी। इस अवसर पर गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका के अलावा महासचिव जगदीप सिंह काहलों, धर्म प्रचार कमेटी के मुखी जसप्रीत सिंह करमसर सहित संगत मौजूद थे। इस बारे मे अध्यक्ष कालका ने बताया कि सहज पाठों की शुरुआत हो गई है। कमेटी ने नौवें पातशाह गुरु तेग बहादुर साहिब और उनके साथ शहीद हुए भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दियाला के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के सहज पाठों की श्रृंखला में संगत की भीड़ रही। उन्होंने बताया कि 25 नवंबर को शहादत की 350वीं वर्षगांठ पर इस सहज पाठ का समापन उसी लाल किले पर होगा जहां गुरु साहिब को शहीद किया गया था। इस बात की भी खुशी है कि अखंड कीर्तन जत्थे, सिंह सभाएँ और अन्य सिख संस्थाओं ने इस मुहिम में बढ़-चढ़ कर सहयोग दिया और बड़ी संख्या में संगत ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। हमारी संगत से अपील की कि जो पाठ के लिए सैंचियों की जरूरत महसूस करती हैं, वे अपनी-अपनी रजिस्ट्रेशन दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के पास करवाएं। संगत से यह भी अपील है की 18 अप्रैल को गुरु तेग बहादुर साहिब जी के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा शीशगंज साहिब में दोपहर 3 बजे से देर रात तक रूहानी कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। इसी प्रकार 19 और 20 अप्रैल को दिल्ली फतेह दिवस मनाया जाएगा। इसके अलावा 19 अप्रैल को लाल किले पर कीर्तन दीवान सजाया जाएगा और 20 अप्रैल को जर्नैली मार्च होगा जो लाल किले पर जाकर समाप्त होगा।

देहात की खाली भूमि पर डाला जा रहा है भलस्वा लैंडफिल साइट का कचरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ पीड़ित ग्रामीणों ने लिखा एलजी और पर्यावरण मंत्री को पत्र

दिल्ली देहात की खाली भूमि पर भलस्वा लैंडफिल साइट का कचरा डाले जाने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है और इसके लिए पीड़ित ग्रामीणों ने दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना, दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, दिल्ली नगर निगम आयुक्त, राजस्व विभाग के डिविजनल कमिश्नर, क्षेत्रीय डीएम और एसडीएम को पत्र लिखा है।

चौगामा विकास समिति (मुबारिकपुर डबास, मदनपुर डबास, रानीखेडा, रसूलपुर) में महासचिव विजेंद्र सिंह डबास ने बताया कि पिछले 15-20 दिनों से दिल्ली नगर निगम के ट्रकों द्वारा गांव गुबारकपुर डबास एवं मोहम्मदपुर मजरी की डीडीए द्वारा अधिग्रहण की गई खाली भूमि पर भलस्वा लैंडफिल साइट का कचरा डाला जा रहा है जिससे मुबारकपुर डबास, मोहम्मदपुर मजरी, रामा विहार, रूप विहार, सूरत बिहार, शर्मा एनक्लेव, मीर विहार विद्यापति नगर आदि आसपास की आबादी को भयंकर बदबू, सड़ांध आने के कारण यहां रहना दूभर ही गया है। ग्रामीणों ने आशा व्यक्त करते हुए कहा है कि हमारी परेशानियों को देखते हुए यहां पर कचरा डलवाना बन्द करवाएं। ताकि लोगों को विश्व की सबसे प्रदूषित राजधानी को और प्रदूषित बनाने से रोका जाए।

इलाके में बन रहा है बदबूदार वातावरण

महासचिव डबास ने बताया कि यहां पर जो कचरा लाया जा रहा है उसमें मवेशियों की हड्डियों का हिस्सा मांस आदि खुले में डाला जा रहा है। यह कचरा डालने के बाद ना तो इसके ऊपर मिट्टी डाली जा रही है और ना ही कोई केमिकल ताकि इलाके में बदबू वाला वातावरण न बना रहे। उन्होंने कहा कि यहां भी शहरी क्षेत्र की तरह इंसान ही रहते हैं, मवेशी नहीं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गुरप्रीत सिंह पुत्र श्री एस. जसवंत सिंह निवासी क्यू–27, साउथ सिटी– I, गुरुग्राम, हरियाणा** ने केस **सी.सी. नं. 11956/2017 अन्तर्गत धारा 138 एनआई एक्ट, थाना साउथ रोहिणी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गुरप्रीत सिंह** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गुरप्रीत सिंह** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **सी.सी. नं. 11956/2017 अन्तर्गत धारा 138 एनआई एक्ट, थाना साउथ रोहिणी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गुरप्रीत सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.05.2025** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
इब्बानी अग्रवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
कमरा नं. 107, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/4712/RD/2025
(Court Matter)

सूरज के बिगड़ते तेवरों से तपने लगी दिल्ली, पारा पहुंचा 38 डिग्री पार

नई दिल्ली। कई दिनों की राहत के बाद मंगलवार से एक बार फिर सूरज के तेवर तीखे हो गए और दिल्ली तपने लगी है। चटक सूरज की वजह से दिल्ली का अधिकतम तापमान बढ़कर 38 डिग्री सेल्सियस पार पहुंच गया है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली के आया नगर में अधिकतम तापमान बढ़कर 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जबकि दिल्ली का औसत अधिकतम तापमान 37.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 1.8 डिग्री ज्यादा है। जबकि न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा, जो कि सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा है। मौसम सुबह से ही साफ सुथरा रहने की वजह से सूरज की किरणें सीधे जमीन पर पहुंचती रही। दोपहर के करीब तेज हवाएं भी चली, लेकिन सूरज की तपिश में कोई कमी नहीं हुई। आईएमडी ने अनुमान जताया है कि बुधवार को सूरज और लाल होने की संभावना है जिससे पारे में दो डिग्री तक की बढ़त हो सकती है।

एलजी ने हिमाचल दिवस और वेस्ट बंगाल के नववर्ष पर लोगों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने देवभूमि हिमाचल के स्थापना दिवस और बंगाली नव वर्ष के अवसर पर दोनों राज्यों के नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। राजनिवास के अनुसार एलजी ने हिमाचल दिवस पर कहा कि भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध देवभूमि हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर राज्य के सभी लोगों हार्दिक शुभकामनाएँ। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बसे हिमाचल प्रदेश के सभी भाई-बहन अपनी कर्मठता, सरलता और प्रगतिशील सोच से हमारी राजधानी को और समृद्ध बनाते हैं। एलजी ने कहा कि आप सभी को हिमाचल दिवस पर सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की हार्दिक शुभकामनाएँ। इसके अलावा बंगाली नववर्ष के अवसर पर एलजी ने समाज के लोगों से कहा कि बंगाल, समृद्धि और रचनात्मकता का प्रतीक है। बंगाल साहित्य, संगीत, कला और सामाजिक समरसता में अपनी अनूठी छाप छोड़ता आया है। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में बसे बंगाली समुदाय ने यहां की विविधता में अपनी विशेष पहचान बनाते हुए, प्रगतिशील मूल्यों को आगे बढ़ाया है। उनकी परंपराएं और योगदान दिल्ली को एक जीवंत सांस्कृतिक केन्द्र बनाने में सहायक रहे हैं। एलजी ने कहा कि पूरे बंगाली समाज को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जीन्द

मुकदमा नम्बर- 24, दिनांक- 20.01.2025, धारा- 127 (6) बीएनएस, थाना शहर, जीन्द ।

गुमशुदा की तलाश

नाम- निशा
पिता का नाम शीशपाल
पता - शिव पुरी कालोनी नरवाना रोड, जींद
उम्र- 21 साल
कद- 5 फुट 2 इंच
हुलिया- रंग गेहुआ, लम्बूतरा चेहरा, हष्ट-पुष्ट शरीर, लाल रंग का सुट-सलवार पहने हुए है। जो घर से बिना किसी को बताए दिनांक 20.01.2025 से गायब है। यदि किसी को पता चले तो मोबाइल नं० 8814011511 प्रबन्धक अफसर थाना शहर जीन्द व 01681-245711 कंट्रोल रुम जीन्द से सम्पर्क करे।

प्रबन्धक अफसर
थाना शहर, जीन्द

पीआरडीएच 1084/11/3268/2026/33855/88/7 दि. 15.04.2025

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, सोनीपत।

मु.न. 82 दिनांक 04/04/2025 धारा 127 (6) बी.एन.एस. थाना HSIIDC BARHI जिला सोनीपत।

गुमशुदा की पहचान

नाम- रविन्द्र ।
पिता का नाम - बलजौर ।
पत्ता- वासी बेगा रोड गन्नौर नजदीक शिव मन्दिर सोनीपत
उम्र 35 वर्ष।
कद-05 फुट 07 इन्च ।
हुलियाः- रंग गोरा, गोल चेहरा, काले बाल, हष्ट-पुष्ट शरीर।
पहनावा पीले रंग की गोल गले की टी-शर्ट व नीली जीन्स पहने हुए हैं।

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि रविन्द्र पुत्र बलजौर बासी रोड गन्नौर नजदीक शिव मन्दिर जिला सोनीपत हरियाणा। बिना किसी को कुछ भी बताए घर से कही चला गया है जो अब तक घर वापिस नहीं आया है। जिस सम्बन्ध में उपरोक्त मुकदमा थाना में दर्ज रजिस्टर है। अगर किसी को उपरोक्त गुमशुदगी बारे कोई सूचना मिलती है तो निम्नलिखित नंबरों पर सुचित करे।

प्रबन्धक थाना मो. नं. :-7419410541,
अनुसंधानकर्ता मो. नं. :- 8168240834,
कन्ट्रोल रूम सोनीपत :- 0130-2222903,100

हस्ता/-अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त।,
मुख्यालय, सोनीपत

पीआरडीएच-1084/11/3273/2026/33869/88/7 दि. 15.04.2025

मॉडल टाउन थाने का एएसआई सुदेश कुमार यादव रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

रिटायर्ड इंस्पेक्टर से एएसआई ने मांगी चार लाख की रिश्वत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ स्थानीय थानाध्यक्ष पवन मीणा लाइन हाजिर

दिल्ली पुलिस की विजिलेंस यूनिट ने रिश्वत मांगने के आरोप में मॉडल टाउन थाने के सहायक उपनिरीक्षक को गिरफ्तार किया है। रिश्वतखोर पुलिसकर्मी का नाम सुदेश कुमार बताया गया है। इसे दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर से छत पर मरम्मत कार्य की अनुमति देने के लिए दो लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया है। उधर स्थानीय थानाध्यक्ष पवन मीणा की मिलीभगत भी इसमें सामने आई है। उसे लाइन हाजिर किया गया है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार भ्रष्ट पुलिसकर्मियों के खिलाफ शून्य सहनशीलता की अपनी नीति को जारी रखते हुए एएसआई सुदेश कुमार यादव को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। बाराखंभा रोड स्थित विजिलेंस यूनिट द्वारा यह कार्रवाई अमल में लाई गई। शिकायतकर्ता महेंद्रू एन्क्लेव, मॉडल टाउन के रहने वाले सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर है। 14 अप्रैल को उन्होंने शिकायत दी कि आवासीय परिसर में मरम्मत कार्य करने की अनुमति के बदले एएसआई सुदेश चार लाख रुपये की डिमांड कर रहा है। बाद में सौदा दो लाख में तय हुआ था। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में आगे बताया कि काम रुकवाने के संबंध में अपनी शिकायत लेकर वह थाने के एसएचओ से भी मिले थे, लेकिन एसएचओ ने उन्हें एएसआई सुदेश से मिलने के लिए कहा। शिकायतकर्ता ने एक पेन ड्राइव भी विजिलेंस यूनिट के अफसरों को उपलब्ध कराई, जिसमें रिश्वत की मांग के संबंध में मॉडल टाउन थाने के विभिन्न पुलिस अधिकारियों के साथ उनकी बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग है। विजिलेंस थाने में भ्रष्टाचार निवारण (पीओसी) अधिनियम, 1988 (वर्ष 2018 में संशोधित) की धारा 7 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में एएसआई सुदेश को गिरफ्तार कर लिया गया और उसे राउज एवेन्यू कोर्ट में पीसी एक्ट के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपी एएसआई सुदेश वर्ष 1995 में दिल्ली पुलिस में शामिल हुआ था।

न्यूनतम मजदूरी की बढ़ी दरें एक अप्रैल से होंगी लागू : दिल्ली सरकार

श्रमिकों के लिए खुशखबरी, अब मिलेगी 24,356 रुपए न्यूनतम मजदूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने सभी अनुसूचित रोजगारों में कार्यरत श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की अधिसूचित दरों में घोषणा की है। इसके तहत स्नातक और उससे ऊपर शिक्षित श्रमिक को न्यूनतम मजदूरी 24 हजार 356 रुपए मिलेगी। जबकि पिछले साल यह न्यूनतम मजदूरी 23 हजार 836 रुपए थी। इसी प्रकार मैट्रीकुलेट लेकिन स्नातक नहीं होने वाले मजदूरों को अब न्यूनतम मजदूरी 22 हजार 411 रुपए मिलेगी जबकि पिछले साल तक उन्हें 21 हजार 917 रुपए न्यूनतम मजदूरी मिलती थी। वहीं गैर मैटिकुलेट को अब 19 हजार 929 रुपए की जगह 20 हजार 371 रुपए न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। कुशल श्रमिकों को 21 हजार 917 रुपए की जगह अब 22 हजार 411 रुपए न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। वहीं अर्ध कुशल श्रमिकों को 19 हजार 929 रुपए की जगह अब 20 हजार 371 रुपए न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। वहीं अकुशल श्रमिकों को 18 हजार 66 रुपए की जगह अब 18 हजार 456 रुपए न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। गौरतलब है कि श्रमिकों के लिए बढ़ी न्यूनतम दरें 1 अप्रैल 2025 से देय हैं। दिल्ली सरकार का मानना है कि वेतन में यह वृद्धि न केवल मुद्रास्फीति की दर को बेअसर करेगी बल्कि दिल्ली में काम करने वाले बड़ी संख्या में श्रमिकों को राहत देगी। जिन श्रमिकों को सरकार से घोषित न्यूनतम मजदूरी दरों से कम भुगतान किया जाता है, वे संबंधित जिले के संयुक्त श्रम आयुक्त और उप श्रम आयुक्त के समक्ष अपना दावा दायर कर सकते हैं, जिन्हें न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के तहत प्राधिकारी के रूप में अधिसूचित किया गया है और जो कि अधिसूचित मजदूरी दरों से कम मजदूरी के भुगतान से संबंधित दावों की सुनवाई और निर्णय करने के लिए हैं।

■ कम भुगतान पाने वाले श्रमिक कर सकते हैं संयुक्त श्रम आयुक्त और उप श्रम आयुक्त में दावा दायर

फीस बढ़ोतरी को लेकर सीएम हुईं सख्त, दिए स्कूलों को नोटिस जारी करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

जनसंवाद कार्यक्रम में प्राइवेट स्कूलों द्वारा गलत तरीके से फीस बढ़ाने की शिकायत मिलने पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। साथ ही ऐसे सभी स्कूलों की पहचान कर उनके विरुद्ध तुरंत नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए हैं। सीएम ने कहा कि कई अभिभावकों ने मुझसे मिलकर अपनी समस्याएं साझा की हैं। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है कि कोई भी स्कूल किसी भी अभिभावक या बच्चे को मानसिक रूप से प्रताड़ित करे, स्कूल से निकालने की धमकी दे या बिना नियमानुसार फीस वृद्धि करे। सीएम ने कहा कि दिल्ली सरकार का सबसे बड़ा संकल्प है कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा मिले। हम शिक्षा को केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली माध्यम मानते हैं। हमारी सरकार दिल्ली में ऐसी शिक्षा व्यवस्था स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो छात्रों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन कौशल, सोचने की स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता भी दे। चाहे स्मार्ट क्लासरूम हों, प्रशिक्षित शिक्षक हों, या स्किल डेवलपमेंट की योजनाएं, हम हर स्तर पर शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने का कार्य कर रहे हैं ताकि दिल्ली का हर बच्चा अपने सपनों को साकार कर सके।

सीएम को क्वीन मैरी स्कूल, मॉडल टाउन के संबंध में मिली शिकायतें

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि मॉडल टाउन के मैरी क्वीन स्कूल की गंभीर शिकायतें भी आईं हैं और इस मामले को पूरी संवेदनशीलता से लिया जा रहा है। यह स्पष्ट है कि किसी भी स्कूल को यह अधिकार नहीं है कि वह बच्चों या उनके अभिभावकों को परेशान करे, स्कूल से निकालने की धमकी दे या मनमानी तरीके से फीस बढ़ाए। इस संबंध में कानून और नियम तय हैं, और उनका पालन करना अनिवार्य है। यदि कोई स्कूल इन नियमों का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे।

बच्चों और उनके अभिभावकों को परेशान करने वाले स्कूलों की रद्द होगी मान्यता

सीएम ने चेतावनी दी कि यदि कोई स्कूल अपनी मनमानी जारी रखता है और बच्चों या उनके परिवारों को मानसिक रूप से परेशान करता है, तो ऐसे संस्थानों को नतीजे भुगतने पड़ेंगे और दोषी पाए जाने पर ऐसे स्कूलों की मान्यता रद्द की जाएगी। दिल्ली सरकार बच्चों और अभिभावकों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दिल्ली सरकार ने ईवी नीति को तीन महीने बढ़ाया, बिजली सब्सिडी रहेगी जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने मंगलवार को अपनी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को तीन महीने के लिए बढ़ाने और राष्ट्रीय राजधानी में बिजली सब्सिडी जारी रखने को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में चार श्रेणियों के लिए मौजूदा बिजली सब्सिडी जारी रखने को भी मंजूरी दी गई। ये चार श्रेणियां हैं- घरेलू उपभोक्ता, किसान, चैंबर वाले वकील और वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित। कैबिनेट की बैठक के बाद परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि तिपहिया या किसी अन्य श्रेणी के वाहनों पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार अपने निवासियों के लिए कई चीजें करना चाहती है, और हम उन्हें संशोधित ईवी नीति में शामिल करेंगे। मंत्री पंकज ने स्पष्ट किया कि तिपहिया पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा, न ही किसी भी श्रेणी के वाहनों पर प्रतिबंध लगाने का कोई प्रस्ताव है। मौजूदा ईवी नीति लगभग अगले तीन से चार महीनों तक जारी रहने की उम्मीद है। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने बिजली सब्सिडी बंद करने के बारे में फैल रही गलत सूचना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मंत्रिमंडल ने किसानों और वकीलों को लाभ पहुंचाने वाली सब्सिडी बढ़ाने के लिए एक विशेष प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, साथ ही दंगा पीड़ितों को निरंतर सहायता सुनिश्चित की है।

वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र की स्थापना के लिए निगम ने त्रिपक्षीय समझौते पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने नरेला- बवाना में वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र की स्थापना के लिए मंगलवार को त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस व्यवस्था को औपचारिक रूप देने के लिए दिल्ली नगर निगम पॉवरग्रिड और डीटीएल के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आयुक्त अश्वनी कुमार, अतिरिक्त आयुक्त जितेन्द्र यादव, प्रमुख अभियंता पी सी मीणा और निगम, डीटीएल और पावरग्रिड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। निगम प्रशासन ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि निगम ने सतत अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक कदम आगे बढ़ाते हुए नरेला- बवाना में एक अत्याधुनिक वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र की स्थापना की प्रक्रिया शुरू की है। बताया गया कि यह संयंत्र प्रतिदिन 3,000 टन ठोस कचरा अपशिष्ट का प्रसंस्करण करेगा, जिससे शहर के कचरे के बोझ को कम करने और स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। यह पहल स्वच्छ और हरित दिल्ली के लिए आधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन समाधान लागू करने के निगम के निरंतर प्रयासों को आगे बढ़ाएगा।

अपनी मांगों को लेकर धरने पर निगम शिक्षक, मुख्यालय पर की नारेबाजी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के शिक्षकों ने मंगलवार को दिल्ली नगर निगम मुख्यालय सिविक सेंटर पर जोरदार प्रदर्शन किया। शिक्षक न्याय मंच नगर निगम के अध्यक्ष कुलदीप खत्री ने बताया कि निगम के बड़ी संख्या में शिक्षकों को मनबूरन अपनी मांगों को लेकर यहां प्रदर्शन करना पड़ा है। शिक्षकों ने बताया कि वे अपने बकाया वेतन और लाखों रुपए के बकाया एरियर्स की मांग के साथ मेंटर्स शिक्षक पॉलिसी को बंद करने के लिए एकजुट होकर निगम प्रशासन का विरोध कर रहें हैं। अध्यक्ष कुलदीप खत्री ने निगम के शिक्षा विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि निगम में वर्तमान शिक्षा निदेशक की मनमानी चल रही है जिसके चलते निगम में फिर से भ्रष्टाचार फल फूलने लगा है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की एकजुटता के चलते शिक्षा विभाग डर गया।

ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट बनने पर रोक लगाना सीधा गरीब छात्रों से शिक्षा छीनने का काम : यादव

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भाजपा सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा है कि धांधली के नाम पर ईडब्लूएस सर्टिफिकेट बनने पर रोक लगाना सीधा सीध गरीब छात्रों से उनकी शिक्षा छिनने का कार्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार एससी, एसटी, ओबीसी आरक्षण खत्म करना चाहती है और ईडब्लूएस छात्रों का आरक्षण खत्म करके गरीब जनता पर कुठाराघात कर रही है। स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में दाखिले के समय भाजपा सरकार द्वारा ईडब्लूएस सर्टिफिकेट पर रोक लगाने से हजारों छात्रों और अभिभावकों को बहुत ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। यादव ने कहा कि अगर कहीं धांधली हो रही है तो शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी बनती है उसकी गहनता से जांच करें, न कि ईडब्लूएस सर्टिफिकेट ही बनाने पर रोक लगा दी जाए। यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार के इस कदम का कांग्रेस पार्टी कड़े शब्दों में निंदा करती है और मांग करती है कि इस रोक को तुरंत हटाया जाए। उन्होंने कहा कि रेखा सरकार एससी एसटी ओबीसी आरक्षण खत्म करना चाहती है। जबकि इन वर्गों के छात्रों के लिए स्कॉलरशिप और इनके बेहतर शिक्षा के बजट में कटौती करके भाजपा सरकार ने अपनी मंशा पहले ही जाहिर कर दी है। डबल इंजन की भाजपा सरकार ने देश सहित राजधानी दिल्ली में भी अपना पूंजीपति संरक्षण नियम लागू करना शुरू कर दिया है। यादव ने कहा कि भाजपा ने झूठे, लुभावने और बेबुनियाद वादे करके दिल्ली की सत्ता हथियाने के बाद एक-एक करके गरीब, वंचित, दलित और आर्थिक रुप से कमजोर लोगों की कमर तोड़ने वाले फैसले ले रही है।

खबर संक्षेप

फरीदाबाद पुलिस को मिली हाईटेक फॉरेंसिक वैन

फरीदाबाद। अब अपराधी किसी भी अपराध को अंजाम देने के बाद बच नहीं पाएंगे। फरीदाबाद में अब

किसी भी आपराधिक घटनाओं से संबंधित साक्ष्यों का परीक्षण करना काफी आसान हो जाएगा। दरअसल, फरीदाबाद पुलिस को गृह मंत्रालय भारत सरकार के माध्यम से नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी गांधीनगर गुजरात से एक फॉरेंसिक इन्वेस्टिगेशन वैन मिली है।

अभा ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बने प्रदीप

फरीदाबाद। अभा ग्राहक पंचायत की 13-14 अप्रैल को बाराबंकी में संपन्न हुई राष्ट्रीय सर्वसाधारण सभा में प्रदीप बंसल को तीसरी बार सर्व सम्मति से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चुना गया। प्रदीप बंसल चार्टर्ड एकाउन्टेंट का

व्यवसाय करते हैं। पहले भी सामाजिक संस्थाओं एवं विभिन्न पदों को सुशोभित करते रहे हैं। वह हरियाणा पावर जेनरेशन कार्पोरेशन लि. में भी दो वर्ष के लिए निदेशक के पद पर कार्य कर चुके हैं।

515 ग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस का लगातार नशा तस्करों पर प्रहार जारी है, इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच एवीटीएस की टीम ने आरोपी धारे को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच एवीटीएस की

टीम गस्त पर थी। इस दौरान गांजा बेचने की सूचना प्राप्त हुई, कार्रवाई करते हुए आरोपी धारे सेक्टर 56 फरीदाबाद एरिया से काबू कर 515 ग्राम गांजा बरामद किया गया है।

सिविल बीके अस्पताल का ओपीडी टाइम बदला

फरीदाबाद। 16 अप्रैल से बीके सिविल अस्पताल में ओपीडी टाइम 9 बजे की बजाय 8 बजे कर दिया

जाएगा है। गर्मियों में हर साल ओपीडी टाइम को बदला जाता है। इसके साथ ही अस्पताल में 15 नए डॉक्टर नियुक्त किए गए हैं। अस्पताल में अब आने वाले लोग सुबह 8 बजे से अपना ओपीडी कार्ड बनवा सकेंगे। अभी तक ओपीडी कार्ड बनवाने का समय सुबह 9 बजे चल रहा था।

बल्लभगढ़ विधानसभा को एक और सौगात

नए सीनियर सेकेंडरी स्कूल को मंजूरी दाखिला प्रक्रिया के लिए कार्रवाई शुरू

> विधायक पं. मूलचंद शर्मा की एक और मांग पूरी हो गई है। अब सेक्टर 3 में बनाए गए नए स्कूल के भवन में अब लगेंगी कक्षाएं। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ, सेक्टर तीन में आज 15 अप्रैल से दाखिला प्रक्रिया होगी शुरू कर दी गई है।

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार ने पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक पं. मूलचंद शर्मा की एक और मांग पूरी हो गई है। अब सेक्टर 3 में बनाए गए नए स्कूल के भवन में अब लगेंगी कक्षाएं। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ, सेक्टर तीन में आज 15 अप्रैल से दाखिला प्रक्रिया होगी शुरू कर दी गई है। बता दे की पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक पं. मूलचंद शर्मा के प्रयासों से बल्लभगढ़ सेक्टर तीन के नए स्कूल भवन को सरकार ने इस शैक्षणिक सत्र 2025-26 के दाखिलों को मंजूरी दे दी है।

स्कूल में स्टाफ की व्यवस्था भी पूरी

मंजूरी के आदेशों के साथ ही दूसरे स्कूलों से स्टाफ की व्यवस्था भी नए स्कूल में कर दी गई है। स्थानीय निवासियों ने भी इस स्कूल भवन में कक्षाएं शुरू कराने की मांग की थी। स्थानीय निवासियों में खुशी की लहर है। उन्होंने विधायक पं. मूलचंद शर्मा का आभार जताया है।

बच्चों के लिए अच्छा विकल्प

सरकार ने आदेश जारी किए कि मंगलवार से ही इस स्कूल में दाखिला शुरू किए जाएगें। कक्षा 6 से 12 तक के लड़कियां और लड़के इस स्कूल में पढ़ाई कर सकेंगे। सभी बच्चों का दाखिला हो सकेगा, क्योंकि अंबेडकर चौक स्थित मॉडल संस्कृति स्कूल में बहुत से बच्चे इंग्लिश मीडियम होने की वजह से प्रवेश नहीं पा सकते थे। तो यह अन्य बच्चों के लिए बहुत अच्छा विकल्प रहेगा। विधायक मूलचंद शर्मा ने अधिकारियों को स्कूल में साफ-सफाई और बच्चों के लिए बैठने के लिए बेंच इत्यादि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। विधायक मूलचंद शर्मा ने स्कूल का निरीक्षण किया। इस मौके पर उनके साथ खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह मौजूद रहे। खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह ने विधायक पं. मूलचंद शर्मा सहित हरियाणा सरकार आज आभार व्यक्त करते हुए बताया कि जिन बच्चों को आस-पास के स्कूलों में दाखिला नहीं मिल पा रहा था। वे बच्चे इस स्कूल में आसानी से दाखिला ले सकेंगे। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह, प्रिंसिपल आजाद कसाना, सेक्टरतीन से गणमान्यजनों में पीएल शर्मा, नवीन चेची, स्वराज भाटी, करमबीर, ज्ञानपाल खटाना सहित स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

रॉबर्ट वाड्रा गुरुग्राम जमीन घोटाला मामले में ईडी ऑफिस पहुंचे, कहा

राजनैतिक मंशा से हो रही कार्रवाई

खास बातें

- वाड्रा के साथ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी आरोपी
- स्काईलाइट को लाइसेंस देने की प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन हुआ

> ईडी ऑफिस जाते हुए वाड्रा ने कहा कि जब भी वे लोगों की आवाज बुलंद करने का प्रयास करते हैं या फिर राजनीति में आने की कोशिश करते हैं, ये लोग उसे दबाएंगे और एजेंसियों का दुरुपयोग करेंगे। वे हमेशा सभी सवालों के जवाब देते हैं और देते रहेंगे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

मानेसर के शिकोहपुर गांव की जमीन घोटाले में ईडी के दूसरे समन जारी करने के बाद मंगलवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ड वाड्रा ईडी के दफ्तर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया के समक्ष कहा कि राजनैतिक मंशा के चलते यह कार्रवाई की जा रही है। वे दस बार ईडी के बुलावे पर आए हैं, लेकिन केस में कुछ नहीं है। 20-20 साल तक कुछ ना मिले, ऐसा नहीं होता है। वाड्रा इससे पहले गत 8 अप्रैल को भेजे गए पहले समन पर पेश नहीं हुए थे।

आवाज बुलंद करने पर दबाएंगे, एजेंसियों को भेजेंगे

ईडी ऑफिस जाते हुए वाड्रा ने कहा कि जब भी वे लोगों की आवाज बुलंद करने का प्रयास करते हैं या फिर राजनीति में आने की कोशिश करते हैं, ये लोग उसे दबाएंगे और एजेंसियों का दुरुपयोग करेंगे। वे हमेशा सभी सवालों के जवाब देते हैं और देते रहेंगे। 15-15 घंटे बैठा हूं। मैंने 23 हजार डॉक्यूमेंट दिए हैं, फिर कहते हैं दोबारा डॉक्यूमेंट दो, ऐसे थोड़ी चलता है। इस मामले में वाड्रा के साथ-साथ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी आरोपी हैं। उन पर आरोप है कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने वाड्रा की कंपनी को मुनाफा पहुंचाया था।

वर्ष 2008 में हुआ जमीन का सौदा

फरवरी 2008 में रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में 3.5 एकड़ जमीन 7.5 करोड़ रुपए में खरीदी थी। उसी साल, तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुआई वाली हरियाणा सरकार ने इस जमीन पर 2.7 एकड़ के लिए व्यवसायिक कॉलोनी विकसित करने का लाइसेंस दिया था। इसके बाद कॉलोनी बनाने की जगह स्काईलाइट कंपनी ने इस जमीन को डीएलएफ को 58 करोड़ रुपए में बेच दिया था, जिससे करीब 50 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। वर्ष 2012 में तत्कालीन हरियाणा सरकार के भूमि रजिस्ट्रेशन निदेशक अशोक खेमका ने इस सौदे में अनियमितताओं का हवाला देते हुए जमीन के म्यूटेशन (स्वामित्व हस्तांतरण) को रद्द कर दिया। खेमका ने दावा किया था कि स्काईलाइट को लाइसेंस देने की प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन हुआ और सौदा संदिग्ध था। इसके बाद उनका तबादला कर दिया गया, जिससे यह मामला और विवादास्पद हो गया था।

2018 में दर्ज की गई एफआईआर

वर्ष 2018 में हरियाणा पुलिस ने रॉबर्ट वाड्रा, भूपेंद्र हुड्डा, डीएलएफ, और ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज के खिलाफ एक शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप में आईपीसी की धारा 420, 120, 467, 468 और 471 के तहत केस दर्ज किया गया था।

जिला उपायुक्त की समीक्षा बैठक

फसल उठान में तेजी लाने के अधिकारियों को निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने मंगलवार को लघु सचिवालय में प्रशासनिक, संबंधित विभागीय अधिकारियों, खरीद एजेंसियों और ट्रांसपोर्टरों के अधिकारियों के साथ गेहूं उठान को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने खरीद एजेंसियों द्वारा खरीदे गए अनाज के उठान कार्य की धीमी गति होने पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि गेहूं उठान के कार्य को समय अनुसार पूरा करें।

एसडीएम करेंगे कार्यों की निगरानी

डीसी ने एसडीएम बल्लभगढ़ की निगरानी में कमेटी गठित करने के निर्देश दिए जोकि खरीद व उठान से संबंधित कार्यों की निगरानी करेंगे। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीद व उठान से संबंधित सभी एजेंसियों मालिकों, अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमानुसार फसल की खरीद व उठान समय पर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि व्यापारियों व एजेंसियों की तरफ से गेहूं खरीद व उठान में किसी प्रकार की देरी न करें। उन्होंने एजेंसी मालिकों व संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा ट्रक व लेबर लगा कर गेहूं की उठान में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि यदि लेबर व ट्रक से सम्बंधित परेशानी है तो यह जिम्मेदारी सम्बंधित एजेंसियों की बनती है।

स्टोरेज को बेहतर ढंग से करने के निर्देश

उन्होंने कहा कि खरीद एजेंसियों द्वारा स्टोरेज व्यवस्था को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जाए, जिससे खरीदी गई फसलों का सुरक्षित भंडारण किया जा सके। ताकि गाड़ी को गोदामों में तुरंत खाली किया जा सके। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने अनाज को तय मानकों के अनुसार सुखाकर ही मंडियों में लेकर आएं, ताकि उनकी उपज बिना किसी रुकावट के खरीदी जा सके। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मंडियों में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और सभी कार्य सुचारू रूप से संपन्न किए जाएं। इस कार्य में कोताही और लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

डॉ. अंबेडकर की जयंती सप्ताह पर भव्य सम्मान

भाजपा बाबा साहब के विचारों को धरातल पर उतारने प्रतिबद्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर महानगर भारतीय जनता पार्टी ने सप्ताह सम्मान अभियान का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। बृजेश पाठक ने कहा "बाबा साहब ने भारत को एक मजबूत संविधान दिया, जो सामाजिक न्याय, समानता और मानव अधिकारों का आधार है। भाजपा सरकार उनके विचारों को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। समाज के

अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सम्मान और अवसर दिलाना ही बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि है। इससे पहले उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक नवयुग मार्किट में पहुंचे और वहां भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की प्रतिमा चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि की शीश झुकाकर उनके चरणों में प्रणाम किया।

सोच में सुधार से खत्म होगा कुरीति बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

बाल विवाह के खिलाफ चल रही जागरूकता मुहिम के तहत आज अतिरिक्त उपायुक्तसाहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सेक्टर-16 स्थित बीडीपीओ ऑफिस में पंडित, मौलवी और गुरुद्वारा ज्ञानी सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूक कर बाल विवाह न करने की शपथ भी दिलाई गयी। बाल विवाह निषेध अधिकारी हेमा कौशिक ने बताया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों और 21 वर्ष से कम आयु के लडक़ों का विवाह अवैध माना गया है।

बाल विवाह कराने वालों पर कानूनी शिकंजा कसेगी सरकार

इसके तहत बाल विवाह कराने वालों पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं है, बल्कि यह बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को भी बाधित करता है।

बच्चों की शिक्षा के लिए कटिबद्ध

यह शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन के अन्य अवसरों को प्रभावित करता है। हम सभी को मिलकर इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए कदम उठाने होंगे। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा बच्चों की शिक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कई योजनाएं चल रही हैं, लेकिन समाज की जागरूकता और सहयोग के बिना इसे खत्म करना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि बच्चों का शिक्षा प्राप्त करनाए उनका मानसिक और शारीरिक विकास सुनिश्चित करना, समाज की जिम्मेदारी है। जब तक समाज बाल विवाह जैसी प्रथाओं के खिलाफ जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या का समाधान नहीं हो सकता। इस अवसर पर डीपीओ मीनाक्षी और वन स्टॉप सेंटर हेड मीनू यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के सपनों के भारत विषय पर विचार गोष्ठी

भारत का संपूर्ण बहुजन समाज बाबा साहब के उपकारों के प्रति सदा ऋणी रहेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा द्वारा आयोजित भारतीय संविधान और डॉ. भीमराव अंबेडकर के सपनों के भारत विषय पर की गई विचार गोष्ठी को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी फैडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि महान समाज सुधारक संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने हजारों वर्षों से मानव अधिकारों से वंचित संपूर्ण दलित समाज व नारी को अधिकार दिलाने के लिए जीवन भर संघर्ष किया।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल कर सरकार को चुनौती पेश करेंगे

उन्होंने न केवल उनका अधिकार दिलाए बल्कि संविधान में लिखकर इन अधिकारों को संरक्षण भी

प्रदान किया। इसके लिए भारत का संपूर्ण बहुजन समाज में समस्त भारत बाबा साहब के उपकारों का सदा ऋणी रहेगा। लांबा ने कहा कि संविधान में शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार अभिव्यक्ति की आजादी आम नागरिकों को जन सुविधाएं प्रदान करने वाले महकमों को निजी हाथों में सौंप कर भारतीय नागरिकों से जन सुविधाएं इन केवल महंगी जटिल बनाई जा रही है बल्कि समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इसका विरोध देश के सभी कर्मचारी मजदूर मिलकर करेंगे और 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल कर सरकार को चुनौती पेश करेंगे। इस अवसर पर नगरपालिका कर्मचारी संघए हरियाणा द्वारा सुभाष लांबा को डॉ. भीमराव अंबेडकर का चित्र भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विजय कश्यप पुत्र** भाई लाल, **निवासी** 68, गली नं0 1, चंद्र लोक, मंडोली रोड, शाहदरा, दिल्ली, ने **FIR No. 231/2018, U/S 279/304A IPC & 185, 3/181/146 IPC, पुलिस स्टेशन शाहदरा, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विजय कश्यप** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विजय कश्यप** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 231/2018, U/S 279/304A IPC & 185, 3/181/146 IPC, पुलिस स्टेशन शाहदरा, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **विजय कश्यप** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.05.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री स्वाति शर्मा
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कमरा नं.–59,
तृतीय तल, शाहदरा जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4654/SHD/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **बिंदर, पुत्र बाबू लाल, निवासी गली नंबर 07, कोटला फेज–2, दिल्ली** ने **e- FIR No. 15006/2022, U/s 379/411 IPC, पुलिस थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **बिंदर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **बिंदर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना मंगोलपुरी, दिल्ली** के अभियुक्त **बिंदर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.05.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री रीतिका जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05
(उत्तर–पश्चिम), कमरा नंबर 105
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/4747/OD/2025

प्रशिक्षण के लिए आई थी गुरुग्राम

पीड़ित ने कहा- वेंटीलेटर पर होश में नहीं थी

नामचीन अस्पताल में उपचार के दौरान एयर होस्टेज से किया रेप

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सदर थाना एरिया स्थित एक नामी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान एयर होस्टेज से रेप किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एयर होस्टेज वेंटीलेटर पर होश में नहीं थी, इसी दौरान हॉस्पिटल के किसी स्टॉफ ने वारदात को अंजाम दिया। अब अपने लीगल एडवाइजर की उपस्थिति में महिला ने सदर थाना पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है।

लीगल एडवाइजर की उपस्थिति में शिकायत दी

लीगल एडवाइजर की उपस्थिति में सदर थाना पुलिस में दी शिकायत में

46 वर्षीया महिला ने बताया कि वह एक एयरलाइंस कंपनी में एयर होस्टेस है। वह कंपनी की तरफ से गुरुग्राम में ट्रेनिंग के लिए आई हुई थी और एक होटल में रुकी हुई थी। इस दौरान पानी में डूबने से इसकी तबियत खराब हो गई जिसके बाद यह एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हुई थी। उसके पश्चात बीती छह अप्रैल को महिला के पति ने उसे उपचार के लिए एक नामी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से 13 अप्रैल को उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया। इस दौरान छह अप्रैल को वह वेंटीलेटर पर थी, कि अस्पताल के किसी स्टॉफ ने उसका यौन उत्पीड़न किया।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा करनाल	आरडी 13200 और 5945 पर बीआर ब्रिज सहित पाइप कल्वर्ट को बदलने समेत आरडी 7250 से आरडी 15843 तक बेहलोलपुर लिंक ड्रेन के अतिक्रमण किए गए भाग की खुदाई + 1 कार्य।	11.04.2025 17.04.2025	47.04 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0184-2255291 knldivn335@gmail.com
2	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा नारनौल	आरडी 0.000 से 68000 फुट तक कृष्णावती नदी की आंतरिक सफाई (बाढ़ संरक्षण कार्य के तहत)।	बंद होने की तिथि 17.04.2025	34.68 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01282-251214 xen-wsnrl.irr@gov.in
3	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा चरखी दादरी	बलाली सब माइनर के कि.मी. 2.695 टेल पर गांव बलाली ऑफटेक में स्प्रिंकलर सिस्टम के माध्यम से सिंचाई सुविधाएं प्रदान करने के लिए नहरी जल संग्रहण टैंक का निर्माण + 4 कार्य।	10.04.2025 21.04.2025	1791.31 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8059375563 xenmgcckd11@gmail.com
4	महिला एवं बाल विकास, प्रबंधक पंजीरी प्लांट घरौंडा, करनाल	वर्ष 2025-26 हेतु माइक्रो न्यूट्रियेंट्स प्रीमिक्स की खरीद के लिए दर अनुबंध।	11.04.2025 01.05.2025	7.5 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466703499 panjiriplantwcdgharaunda@yahoo.co.in
5	बीपीएस राजकीय महिला चिकित्सा महाविद्यालय खानपुर कलां सोनीपत	बीपीएस जीएमसी (डब्ल्यू) खानपुर कलां सोनीपत में विद्युत मदों और प्लम्बिंग मदों के प्रावधान हेतु ई-निविदा के लिए विज्ञापन के प्रकाशन के सम्बन्ध में + 1 अन्य कार्य।	16.04.2025 01.05.2025	20,000/-	https://etenders.hry.nic.in	9728972827 Bpsgmc.purchase@gmail.com
6	महानिदेशक आपूर्ति एवं निपटान पंचकूला, हरियाणा	वीडियो स्पेक्ट्रल कम्पेरेटर्स की खरीद।	16.04.2025 16.05.2025		https://etenders.hry.nic.in dsndharyana.gov.in	0172-2570122 Supplies@hry.nic.in
7	महानिदेशक आपूर्ति एवं निपटान पंचकूला, हरियाणा	1. बस, 52 सीटर्स, बीएस-VI की अधिप्राप्ति। 2. मिनी बस, 32 सीटर्स, बीएस-VI की अधिप्राप्ति।	16.04.2025 16.05.2025		https://etenders.hry.nic.in dsndharyana.gov.in	0172-2570122 Supplies@hry.nic.in
8	महानिदेशक आपूर्ति एवं निपटान पंचकूला, हरियाणा	टोयोटा फॉर्चूनर वाहनों का बुलेट प्रूफिंग कार्य।	16.04.2025 16.05.2025		https://etenders.hry.nic.in dsndharyana.gov.in	0172-2570122 Supplies@hry.nic.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच–11/2026/160/33895/I/88/7 दि. 15.04.25

खबर संक्षेप

20000 लेकर पिता करा रहे थे बेटी की शादी

रांची। एनजीओ की सूचना पर धुर्वा इलाके की एक नाबालिग की शादी रामगढ़ के मांडू बीडीओ रितिक कुमार व कुजू ओपी प्रभारी मो नौशाद ने रोक दी। नाबालिग का विवाह कुजू ओपी क्षेत्र के बुढ़ाखाप करमा स्थित एक शिव मंदिर में हो रहा था। दोनों नाबालिगों को पुलिस अपने साथ थाने लायी और उनके स्वजनों को भी बुलाया। पंचायत सचिव नील कमल द्विवेदी ने मांडू बीडीओ के नाम आवेदन दिया था।

बस की टक्कर से ऑटो सवार 5 की मौत

बहराइच। बहराइच में सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 की मौत हो गई। 11 लोग घायल हैं। ओवरटेक करते समय बस ने सामने से आ रहे टेंपो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि यात्री कई फीट दूर जा गिरे। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टरों ने 5 को मृत घोषित कर दिया। 11 घायलों में से 5 की हालत गंभीर है।

सीतामढ़ी में पोखर में डूबने से 2 किशोरियों की मौत

सीतामढ़ी। बथनाहा थाना क्षेत्र का बैरहा बराही पंचायत अंतर्गत कोआरी गांव में चीत्कार मच गया, जब डूबने से दो किशोरियों की मौत हो गई। जिस परिवार की बच्चियों की डूबने से मौत हुई है, वहां शादी थी। घटना के बाद उमंग मातम में बदल गया। मृतकों की पहचान सुलेमान बैठा की पुत्री रशीदा खातून और शाह मोहम्मद की पुत्री शदिना खातून के रूप में की गई है।

पश्चिम बंगाल में हिंसा पर सीएम योगी ने कहा-

दंगाइयों का इलाज डंडा ही है, बगैर डंडे के मानेंगे नहीं

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल स्थित मुर्शिदाबाद और 24 परगना जिले में हुई हिंसा पर प्रतिक्रिया दी है।

एजेंसी ▶▶ हरदोई

पश्चिम बंगाल स्थित मुर्शिदाबाद और 24 परगना जिले के भांगड़ में हिंसा के बाद स्थानीय प्रशासन का दावा है कि हालात नियंत्रण में हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुर्शिदाबाद को लेकर बड़ा बयान दिया है। सीएम ने कहा है कि लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे। दंगाई डंडे से ही मानेंगे। जिसे बांग्लादेश पसंद, वो बांग्लादेश जाए। बंगाल हिंसा पर कांग्रेस-समाजवादी पार्टी खामोश है।

खास बातें

- हरदोई में सीएम 650 करोड़ रुपए की लागत की 729 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण
- हरदोई में सीएम 650 करोड़ रुपए की लागत की 729 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण

बंगाल सीएम चुप

सीएम ने कहा कि बंगाल जल रहा है। वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं। दंगाइयों को शांतिदूत कहती हैं। लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे। सेक्युलरिज्म के नाम पर दंगाइयों को खुली छूट दे दी है। सीएम ने कहा कि पिछले एक हफ्ते से मुर्शिदाबाद जल रहा है। सरकार मौन है। इस प्रकार की अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए।

न्यायालय ने तैनात करवाया केंद्रीय बल

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं धन्यवाद दूंगा इस बात के लिए वहां के न्यायालय को कि वहां पर केंद्रीय बलों को तैनात कर अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा की व्यवस्था के लिए कदम उठाया है। आज केंद्रीय बल वहां तैनात हैं। आपने वहां की पीड़ा सुनी होगी. सब लोग मौन है। कांग्रेस, सपा, टीएमसी मौन है. वह धमकी पर धमकी दिए जा रहे हैं। बांग्लादेश के अंदर जो हुआ था वो उसका समर्थन कर रहे हैं। अगर बांग्लादेश अच्छा लग रहा है तो वहीं चले जाएं क्यों भारत की धरती पर बोझा बने हुए हो।

बंगाल हिंसा पर क्यों चुप है सपा और कांग्रेस

सीएम योगी ने कहा कि पूरा मुर्शिदाबाद एक हफ्ते से जल रहा है, लेकिन सरकार चुप है। उन्होंने सवाल किया कि दंगों पर समाजवादी पार्टी क्यों चुप है। कुछ लोग बांग्लादेश में हुई घटनाओं का समर्थन कर रहे हैं। अगर उन्हें बांग्लादेश पसंद है, तो उन्हें वहीं चले जाना चाहिए। उन्हें भारत की धरती पर बोझ नहीं बनना चाहिए। गौरतलब है कि सीएम योगी, मंगलवार को हरदाई में थे। हरदोई में सीएम 650 करोड़ रुपए की लागत की 729 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में शामिल हुए।

कलेक्ट्रेट की बढ़ाई गई सुरक्षा; प्रशासन सतर्क

अलीगढ़ सहित यूपी के 10 जिलों में ईमेल से मिली बम की धमकी

अलीगढ़ कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल ने प्रशासन में हड़कंप मचा दिया, जिसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि यूपी के 10 जिलों को धमकी मिली है।

खास बातें

- कलेक्ट्रेट परिसर में मौजूद सभी विभागों को बन्द कराया गया
- जांच के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी

एजेंसी ▶▶ अलीगढ़

कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल पर भेजी गई है। ईमेल मिलते ही इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई। इसके बाद पुलिस डॉग स्क्वाड एंटी टेररिस्ट टीम समेत भारी पुलिस बल कलेक्ट्रेट पहुंचा और जांच पड़ताल शुरू कर दी। उधर, बम मिलने की अफवाह पर कलेक्ट्रेट में तैनात अधिकारी और कर्मचारी बाहर निकल आए।

पुलिस ई-मेल भेजने वाले की तलाश में जुटी

पुलिस ई-मेल भेजने वाले की तलाश में जुटी हुई है। हालांकि माना जा रहा है कि 17 अप्रैल को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक मोहन भागवत पांच दिन के अलीगढ़ प्रवास पर आ रहे हैं। संभावना है कि किसी अराजक तत्व ने ऐसा किया है। पुलिस ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुट गई है। इससे पहले नौ जनवरी को एएमयू केंपस को उड़ाने की धमकी भी ईमेल पर ही मिली थी, जबकि इससे पहले रेलवे स्टेशन को बम से उड़ने की धमकी के बाद हाई अलर्ट जारी किया गया था।

मॉक ड्रिल कर सुरक्षा व्यवस्था को परखने का काम कर रही पुलिस

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक मोहन भागवत के आगमन को लेकर शाम 4:00 बजे से कलक्ट्रेट में पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक होनी थी। यह भी माना जा रहा है कि पुलिस प्रशासनिक अफसर बम के बहाने मॉक ड्रिल कर सुरक्षा व्यवस्था को परखने का भी काम कर रहे हैं। अलीगढ़ के साथ ही आज बाराबंकी में जिलाधिकारी कार्यालय में बम की सूचना मिली है। सूचना है कि यूपी के 10 जिलों को धमकी मिली है।अयोध्या के राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला है।

मेल पर मिली है धमकी

क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे के की तरफ से जानकारी देते हुए बताया गया कि, जिला कलेक्टर अलीगढ़ के मेल पर धमकी मिली है। अभी किसी तरह की मांग सामने नहीं आई है. फिलहाल पूरे मामले पर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। डॉग स्कॉट सहित अन्य जांच टीमें लगाई गई है जो कुछ जांच के बाद सामने आएगा आगे विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी के दौरे से पहले बोले ललन सिंह

बिहार में चुनाव की तैयारी करने की कोई जरूरत नहीं

एजेंसी ▶▶ दरभंगा

आगामी 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मधुबनी के झंझारपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इसकी तैयारी को लेकर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के जुबली हाल में एनडीए कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय पंचायती राज्य मंत्री सह पूर्व जदयू राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री की सभा में दरभंगा एवं मधुबनी जिला से एक एक लाख लोग पहुंचेंगे। अन्य जिलों को मिलाकर चार लाख से अधिक लोग सभा में शामिल होंगे। यह सभा ऐतिहासिक होगी।

एनडीए बिहार में नीतीश के नेतृत्व में उतरेगा

ललन ने यह भी कहा कि गृहमंत्री अमित शाह की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि अगला चुनाव एनडीए बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगी। इस बार भी अजेय बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। ललन सिंह ने इस दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को जो दिया है, उतना ही मिथिला के लिए पर्याप्त है। उसके आगे जो वो देंगे; वो सूद होगा। विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर पूछे गए सवाल पर ललन ने कहा कि चुनाव की तैयारी का क्या होता है? उन्होंने सवाल करने के अंदाज में कहा कि बिहार में चुनाव की तैयारी करने की कोई जरूरत है? बिहार में नीतीश कुमार ने जो काम किया है और प्रधानमंत्री मोदी ने जो बिहार को दिया है, इसके बाद बिहार में कुछ बचा है, जो चुनाव की तैयारी होगी? **हाथ उठाकर बेबाक अंदाज में कहा- 200 पार:** केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि बिहार में चुनाव के लिए वैसे ही माहौल तैयार है। सीटें जीतने के सवाल पर उन्होंने हाथ उठाकर बेबाक अंदाज में कहा- 200 पार।

पेज एक का शेष....

भारतीय मौसम विभाग...

दीर्घकालिक औसत का 105 फीसदी रहेगा। महापात्रा ने कहा कि अल नीनो की स्थिति, जो भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम मानसून बारिश से जुड़ी है, इस बार विकसित होने की संभावना नहीं है। मौसम विभाग की ओर से ये भविष्यवाणी ऐसे समय में आई है जब देश के कई हिस्से भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। भारत में मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरल के दक्षिणी सिरे पर आता है। यह मध्य सितंबर में वापस चला जाता है।

अमरनाथ यात्रा के...

9 अगस्त, रक्षाबंधन के दिन समाप्त होगी। यह यात्रा दो मार्गों से होगी-पहलगाम (अनंतनाग जिला) और बालटाल (गांदरबल जिला)। यात्रा से जुड़े कुछ नियम भी तय किए गए हैं। 13 वर्ष से कम और 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को यात्रा की अनुमति नहीं होगी, भले ही उनके पास अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाणपत्र हो। इसी तरह गर्भवती महिलाओं को भी यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौर हो कि यात्रा की तिथियों की घोषणा जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 5 मार्च को श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की 48वीं बैठक में की थी।

हजयात्रियों के लिए...

बताया कि सरकार के हस्तक्षेप के कारण, सऊदी हज मंत्रालय ने मीना में वर्तमान उपलब्धता के आधार पर 10,000 तीर्थयात्रियों को समायोजित करने के लिए सीएचजीओ के लिए हज (नुसुक) पोर्टल को फिर से खोलने पर सहमति व्यक्त की है। अब 2025 में 1.75 लाख से अधिक भारतीय हज यात्रा कर सकेंगे। सरकार की 2025 की हज नीति के अनुसार, भारत को आवंटित कुल हज यात्रियों के कोटे में से 70 प्रतिशत कोटा भारतीय हज समिति द्वारा प्रबंधित किया जाएगा, जबकि शेष कोटा निजी हज समूह आयोजकों को आवंटित किया जाएगा। गौरतलब है कि केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य एवं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 11 जनवरी से 14 जनवरी तक सऊदी अरब का दौरा किया था जिसमे इस यात्रा में हज यात्रा की तैयारियों के बारे में महत्वपूर्ण चर्चाएँ शामिल थीं।

हज 4 जून से 9...

के लिए सऊदी अधिकारियों का हार्दिक आभार। इस वर्ष हज 4 जून से 9 जून, 2025 के बीच होने की संभावना है, जो कि चांद के दिखने पर निर्भर करेगा, जो इस्लामी कैलेंडर के अंतिम महीने, जिल-हज की शुरुआत का संकेत देता है।

न्यायपालिका इस...

की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट को सख्त नसीहत देते हुए कहा कि न्यायपालिका को इस तरह की भाषा के इस्तेमाल से बचना चाहिए था। सुनवाई के दौरान पीड़िता की मां भी अदालत में पेश हुईं।

जस्टिस गवई ने कहा कि अब उसी कोर्ट के दूसरे जज की ओर से एक और आदेश पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर वे जमानत देना चाहते हैं तो दे सकते थे, लेकिन उन्होंने यह क्यों कहा कि पीड़िता ने खुद मुसीमत मुसीबत को न्योता दिया। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि एक व्यक्ति जो कानूनी बारीकियों से परिचित नहीं है, वह इस तरह की टिप्पणियों को कैसे देखेंगे, इसे भी देखा जाना चाहिए। जस्टिस गवई ने कहा कि जब हम इस मामले से निपटेंगे तो हम अन्य मामलों को भी देखेंगे और किसी भी मामले में एक वाक्य साफ संदेश भेज देगा।

द्विपक्षीय सहयोग...

सहयोग और सूचना साझा करने से जुड़ी सुविधाओं के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों ने अंतर क्षेत्रीय समुद्री नेटवर्क पर भी जोर दिया। लाल सागर और पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र की स्थिति का मामला भी इस वार्ता का हिस्सा बना।

इटली के रक्षा मंत्री से हुई मुलाकात: रक्षा सचिव ने इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेटो से भी मुलाकात की। दोनों पक्षों के बीच उत्पादक वार्ता हुई। जिसका उद्देश्य भारत-इटली की सामरिक भागीदारी के महत्वपूर्ण स्तंभ माने जाने वाले रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करना था। साथ ही बातचीत में तकनीक और हथियारों के उत्पादन में निकट रक्षा सहयोग को बढ़ावा देना है। बैठक से इतर सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चर (एसआईडीएम) और एयरोस्पेस, डिफेंस एंड सिक्योरिटी (एआईएडी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। जो कि दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच बढ़ते सहयोग का प्रमाण है।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर जोर: रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने बैठक में इस बात पर जोर दिया कि भारत और इटली के बीच खासतौर पर तकनीक और हथियारों के उत्पादन को लेकर सहयोग को बढ़ाना चाहिए। क्योंकि यह भारत का प्राथमिकता वाला क्षेत्र है। उन्होंने भारत सरकार द्वारा लगातार रक्षा उत्पादन और नवाचार के लिए बनाए जा रहे इकोसिस्टम का हवाला देते हुए कहा, भारत एक चमकते हुए नवाचार और औद्योगिक इकोसिस्टम के रूप में विकसित हो गया है। अपने इटली प्रवास में सिंह ने भारत-इटली रक्षा उद्योग गोलमेज सम्मेलन में भी भाग लिया। जिसमें उन्होंने देश में रक्षा उद्योग में आ रहे सराहनीय सुधारात्मक बदलावों का उल्लेख किया।

तारिणी पोत से दुनिया ...

होगा जो भारत के समुद्री इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ेगा।

नाविका सागर परिक्रमा का महत्व: दोनों महिला अधिकारियों की यह यात्रा नौसेना के नाविका सागर परिक्रमा के द्वितीय अभियान से जुड़ी हुई है। जिसका उद्देश्य भारतीय समुद्री नौकायन को बढ़ावा देना, महिला नौसैनिकों को शक्ति और दृढ़ता प्रदर्शित करने के साथ ही भारत की स्वदेशी जहाज निर्माण तकनीक क्षमताओं को सबके सामने लाना है। साथ ही यह महिला सशक्तिकरण, उत्कृष्ट समुद्री नौवहन क्षमता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका का बढ़ेगा सहयोग: नौसेना ने बताया कि बल के पोत तारिणी की इस यात्रा से सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अलावा भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बढ़ते समुद्री सहयोग को मजबूती मिलेगी। वहीं, तारिणी की भारत यात्रा की शुरुआत के वक्त केपटाउन के रॉयल केप यॉट क्लब में एक विदाई समारोह आयोजित किया गया था। जिसमें भारत के कार्यवाहक महावाणिज्य दूत, दक्षिण अफ्रीका में भारत के रक्षा अताशे, आरसीवाईसी गवर्निंग काउंसिल के सदस्य और केपटाउन में भारतीय समुदाय के प्रतिनिधि मौजूद थे।

केपटाउन में हुए अहम कार्यक्रम: लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना.के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा.ए अप्रैल की शुरुआत में केपटाउन पहुंची थीं। इसके बाद अपने करीब एक पखवाड़े के प्रवास के दौरान तारिणी पोत कई आउटरीच और कूटनीतिक कार्यक्रमों का केंद्र रहा, जहाज पर कई प्रतिष्ठित मेहमान पहुंचे। इसमें दक्षिण अफ्रीका में भारत के उच्चायुक्त प्रभात कुमार, वेस्टर्न केप के उप सभापति रीगन एलन, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और भारत के मित्र जॉनाथन रोड्स, एकल भ्रमणकर्ता और प्रतिष्ठित गोल्डन ग्लोब रेस 2022-23 की विजेता कर्स्टन न्यूशेफर, केपटाउन में भारत के काउंसल जनरल रूबी जसप्रीत, प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्य और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति शामिल हैं।

मुंबई-गोवा के...

अगले दो वर्षों में भारत की सड़कें अमेरिका से भी बेहतर हो जाएंगी। गडकरी ने कहा कि मुंबई-गोवा हाईवे में काफी दिक्कतें आईं। हम इस सड़क को जून तक 100 फीसदी पूरा कर देंगे। केंद्र सरकार जो नई टोल नीति लाने जा रही है, उसमें सैटेलाइट ट्रैकिंग और गाड़ी के नंबर प्लेट की पहचान जैसी तकनीक का इस्तेमाल होगा। इससे टोल की रकम सीधे बैंक खाते से कट जाएगी और मैनुअल टोल कलेक्शन की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अमेरिका का वीजा...

मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करना पड़ेगा। उनकी यह टिप्पणी एच1बी वीजा और ग्रीनकार्ड धारकों के संदर्भ में की गई है। अमेरिकी वीजा की इन दोनों श्रेणियों के तहत बड़ी तादाद में भारतीय छात्र और कामगार वीजा हासिल कर वहां पढ़ाई व नौकरी करते हैं। यहां बता दें कि वर्तमान में अमेरिका में रहकर शिक्षा ग्रहण करने वालों, नौकरी या व्यापार करने वाले भारतीय नागरिकों का अनुमानित आंकड़ा कुल करीब 54 लाख है।

रुबियो के बयान के पीछे की वजह: वहीं, अमेरिका के विदेश मंत्री का यह बयान असल में उनके देश के विभिन्न कॉलेजों के कैंपस में जारी फिलिस्तीन के समर्थन में हो रहे विदेशी छात्रों के व्यापक विरोध प्रदर्शनों और ट्रंप प्रशासन द्वारा हालिया जारी किए गए उस आदेश के बाद आया है। जिसमें अमेरिका में रह रहे प्रवासियों के पंजीकरण के साथ ही सभी वीजा धारकों को चौबीसों घंटे अपने साथ दस्तावेजी प्रमाण रखने का फरमान सुनाया गया है।

कानून के सम्मान पर ही मिलेगी एंट्री: मार्को रुबियो ने अपने बयान में यह भी साफ किया कि अमेरिका का वीजा केवल उन्ही लोगों के लिए ही आरक्षित यानी रिजर्व है। जो हमारे देश को अच्छा बनाना चाहते हैं न कि इसे अंदर से खराब करने की मंशा रखते हैं। हमारे कानूनों में भी स्पष्ट है कि कौन अमेरिका में आ सकता है और किसके आने पर पाबंदी है? उन्होंने कहा, अमेरिका में केवल उन्ही लोगों को एंट्री दी जाएगी। जो हमारे देश के कानूनों और मूल्यों का सम्मान करेंगे। प्रवासन से जुड़े मानकों के सख्त क्रियान्वयन के लिए अमेरिका प्रतिबद्ध है। वीजा धारकों को लगातार योग्यता मानकों का पालन करना पड़ेगा। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) और बाकी एजेंसियां नियमित रूप से उल्लंघन के मामलों में वीजा की समीक्षा और उसे रद्द करने की कार्रवाई कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका का 'द इमीग्रेशन एंड नेशनेलिटी एक्ट' (आईएनए) व्यापक रूप से किसी वीजा को रद्द करने का अधिकार प्रदान करता है। ये हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को मूलभूत ढंग से सुरक्षित करता है। वीजा उल्लंघन के मामलों में विदेशी नागरिकों को संवैधानिक सुरक्षा नहीं दी जाएगी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की दी हुई व्यवस्था इसका प्रमाण प्रस्तुत करती है।

कॉलेज कैंपस में प्रदर्शन बर्दाश्त नहीं: उन्होंने पिछले साल से अमेरिका के कुछ कॉलेजों में जारी विरोध-प्रदर्शन को लेकर कहा कि अमेरिका में कुल करीब 1.1 मिलियन विदेशी छात्र तमाम प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं। इनमें से जो भी अमेरिकी नागरिकों के लिए कॉलेज कैंपस को बंद करेंगे, यहूदी छात्रों को प्रताड़ित करेंगे, हाईवे रोकेंगे या भवनों के सामने प्रदर्शन करेंगे तो उन्हें किसी प्रकार की कोई छूट नहीं दी जाएगी। बल्कि ट्रंप प्रशासन भविष्य में उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।

नवजात की 'चोरी' ...

है तो अस्पतालों का लाइसेंस रद कर दिया जाना चाहिए। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि सभी राज्य सरकारें हमारी विस्तृत सिफारिशों पर गौर करें और भारतीय संस्थान द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट का अध्ययन करें तथा उसे जल्द से जल्द लागू करें। न्यायालय ने निर्देश दिया कि सभी आरोपी आत्मसमर्पण करेंगे और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा और यह अनिवार्य किया कि आरोप तय होने के एक हफ्ते के अंदर आरोप तय किए जाएं। कोर्ट ने आगे कहा, हाई कोर्ट को कम से कम ऐसी शर्तें लगानी चाहिए थीं, जिनमें आरोपियों को स्थानीय पुलिस स्टेशन में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होती। हाई कोर्ट ने जमानत आवेदनों को लापरवाही से निपटाया और इसके कारण कई आरोपी फरार हो गए।

कोई अपील क्यों नहीं की ?: अदालत ने आगे कहा कि हम पूरी तरह से निराश हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले को कैसे संभाला और कोई अपील क्यों नहीं की गई। कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई। यदि कोई महिला अस्पताल में बच्चे को जन्म देने आती है और बच्चा चोरी हो जाता है, तो पहला कदम लाइसेंस निलंबित करना होना चाहिए। पीठ ने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा तथा इसे न्यायालय की अवमानना माना जाएगा।

समाज के लिए...

कहा कि आरोपी दंपती बेटा चाहते थे और उन्होंने चार लाख रुपए में बच्चा खरीद लिया। जबकि वे जानते थे कि बच्चा चोरी करके लाया गया है। हाईकोर्ट ने भी जमानत आवेदनों पर संवेदनहीनता से कार्रवाई की। इसके चलते आरोपी फरार हो गए। कोर्ट ने कहा कि ऐसे आरोपी समाज के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

आजमगढ़ पहुंचे अखिलेश यादव

योगी सरकार पर कमीशन खोरी का लगाया आरोप

एजेंसी ▶▶ आजमगढ़

यहां एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मौजूदा सरकार पर भेदभाव का लगाया आरोप कहा आजमगढ़ के विकास के लिए हम सदैव तत्पर हैं। तरवां थाना में कुछ दिन पूर्व हुई दलित सन्नी की मौत को उन्होंने पुलिस को जिम्मेदार ठहराया और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की बात भी कही देश में भाजपा सरकार 400 सीट जीत लेती तो आज हर गली सड़क पर नंगी तलवारे बंदूके देखने को मिलती जो आगरा में हुआ है। सरकार बड़े उद्योगपतियों से मिलकर किसान का हक मार रही और सामानों का मुख्य उद्योगपति तय कर रहा है। किसान के गेहूं को सस्ता खरीदवाने का कार्य मौजूदा सरकार कर रही है किसान की मेहनत का सही दाम नहीं मिल रहा।

बंगाल के मुर्शिदाबाद की घटना के सवाल पर उन्होंने कहा देश में कही भी दंगा हो घटना हो मैं उसकी निंदा करता हूं सामान्य नागरिक ऐसा कृत्य नहीं कर सकता। आगरा के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम बदले की भावना से कार्य नहीं करते। हमे संविधान पर भरोसा है हमे कोई भीड़ इकठ्ठा नहीं करनी सरकार ही फर्जी है।

बीजेपी के कहने पर ग्रह चलते हैं ऐसा कहीं होता है क्या महाकुंभ में मरने वाले हिंदुओं का आंकड़ा ही नहीं बता पाई. सरकार पीड़ित की मदद से भागती रही हमारी सरकार ने उत्तर प्रदेश का जितना विकास किया भाजपा 8 वर्षों में नहीं कर पाई।

नीतीश कटारा हत्याकांड मामले में जेल की सजा काट रहे विकास

हमारी नरम भाषा को हल्के में न लें, मेडिकल बोर्ड को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को फिर फटकारा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा हत्याकांड मामले में जेल की सजा काट रहे विकास यादव की मां की स्वास्थ्य स्थिति की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड के गठन में देरी को लेकर उत्तर प्रदेश की सरकार को एक बार फिर फटकार लगाई है। पीठ ने कहा कि आपको मेडिकल बोर्ड गठित करने में 10 दिन लग गए। इसके लिए कुछ स्पष्टीकरण की जरूरत है। आदेश में हमारी नरम भाषा को हल्के में नहीं लें। राज्य के पास याचिकाकर्ता के खिलाफ कुछ (तथ्य) हो सकते हैं, लेकिन राज्य को निष्पक्ष होना चाहिए।

अंतरिम जमानत का अनुरोध

मामला वर्ष 2002 के हत्या में 25 साल की जेल की सजा काट रहे यादव ने अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए अंतरिम जमानत का अनुरोध किया है। इससे पहले सिविल मुकदमों में आपराधिक धाराएं लगाने और बच्चों की तस्करी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को फटकार लगाई थी। प्रयागराज में बुलडोजर एक्शन पर तो सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए अंतरात्मा को झकझोर देने वाली कार्रवाई कह दिया था।

मेडिकल बोर्ड के पहुंचने से पहले मरीज की अस्पताल से छुट्टी हो चुकी थी

मंगलवार को न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि दो अप्रैल के आदेश के बावजूद गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल में भर्ती यादव की मां की स्वास्थ्य स्थिति की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने में 10 दिन लग गए। अदालत ने कहा कि जब तक मेडिकल बोर्ड उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जांच के लिए आया, तब तक यादव की मां को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी थी। विकास यादव की ओर से पेश वकील ने कहा कि विकास यादव की मां को सोमवार को फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा एक नया मेडिकल बोर्ड गठित किया जाए और तुरंत मूल्यांकन कर एक रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश की जाए। वकील ने विकास यादव की मां के मेडिकल दस्तावेज रिकॉर्ड पर रखे और कहा कि मां की हालत फरवरी में खराब हो गई थी।

18 को रिलीज होगी 'केसरी : चैप्टर 2'

मुंबई। 'केसरीः चैप्टर 2' 18 अप्रैल 2025 को रिलीज हो रही है। फिल्म में अक्षय कुमार और आर माधवन के अलावा अनन्या पांडे भी हैं। ये फिल्म वकील शंकरन नायर के परपोते रघु पलात और उनकी पत्नी पुष्पा की लिखी किताब द केस दैट शुक द एम्पायर पर आधारित है। फिल्म जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की कहानी पर आधारित है। दिल्ली में स्पेशल स्क्रीनिंग में नेताओं ने फिल्म की तारीफ की। साल 2019 में खिलाड़ी अक्षय कुमार ने केसरी फिल्म से धुआं उड़ा दिया था। अब 5 साल के बाद वह फिर से इसका सीक्वल लेकर लौट रहे हैं।

लाइफ Style

प्रियंका
हॉलीवुड कॉमेडी फिल्म का बनीं हिस्सा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा का नाम एक और हॉलीवुड फिल्म से जुड़ गया है। वह निकोलस स्टोलर की आगामी कॉमेडी प्रोजेक्ट में 'बेवॉच' के को-स्टार जैक एफ्रॉन के साथ फिर से जुड़ रही हैं। आगामी फिल्म में माइकल पेना और विल फेरेल भी हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, फिल्म में रेजिना हॉल, जिमी टैट्रो और बिली आइचनर भी हैं। निकोलस अपनी खुद की स्क्रिप्ट से फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ, वह अपनी हालिया फीचर फिल्म 'यू आर कॉर्डियली इनवाइटेड' में सहयोग करने वाले स्टूडियो के साथ फिर से जुड़ रहे हैं। आगामी कॉमेडी फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और माइकल की भूमिकाओं को लेकर कोई जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिल्म से जुड़े विवरण अभी भी गुप्त रखे गए हैं। वहीं, प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कास्टिंग अनाउंसमेंट की एक झलक शेयर करके इस प्रोजेक्ट में अपनी भागीदारी की पुष्टि भी की, जिसने फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है। प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह निर्देशक एसएस राजामौली के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने हाल ही में ओडिशा के कोरापुट में शूटिंग शेड्यूल पूरा किया है। इस फिल्म में महेश बाबू भी हैं। राजामौली के पिता, लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने 'एसएसएमबी 29' की कहानी लिखी है और कहा जाता है कि यह इंडियाना जोन्स की तरह ही एक एक्शन-एडवेंचर है। इसके अलावा प्रियंका के पास इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ 'हेड्स ऑफ स्टेट' है। वह 'द ब्लफ' में में भी नजर आएंगी।

हॉलीवुड मसाला

टीवी सीरीज के कलाकारों की घोषणा

लॉस एंजिल्स। हैरी पॉटर की जादुई दुनिया को लेकर प्रशंसकों में हमेशा से ही उत्साह रहा है। हैरी पॉटर की टीवी सीरीज में कौन से कलाकार किसका रोल निभाएंगे, इस बात का खुलासा कर दिया गया है। हैरी पॉटर की सीरीज में अल्बस डंबलडोर के रोल में जॉन लिथगो नजर आएंगे। वहीं, मिनर्वा मैकगोनागल के रोल में जेनेट मैकटीर और सेलेरस स्नेप के रोल में पापा एस्सीडू नजर आएंगे। वहीं, रुबस हैग्रिड का खास रोल निक फ्रॉस्ट निभाएंगे। इन सभी के अलावा ल्यूक थैलोन क्विरिनस क्विरेल के किरदार में नजर आएंगे।

कैटी ने अंतरिक्ष में गाया खूबसूरत गाना

लॉस एंजिल्स। कैटी पेरी अपनी 5 सदस्यीय महिला दल के साथ अंतरिक्ष की यात्रा कर लौट आई हैं। कुल 11 मिनट की यात्रा के दौरान वह चार मिनट अंतरिक्ष में रहीं। इस दौरान उन्होंने वहां एक खूबसूरत गाना भी गाया। धरती पर लौटते ही कैटी ने जमीन को चूमा, कहा कि यह मां बनने के बाद उनकी जिंदगी का दूसरा सबसे इमोशनल पल है। कैटी ने खुलासा किया कि उन्होंने उड़ान के दौरान 'व्हाट ए वंडरफुल वर्ल्ड' गाना भी गाया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस अनुभव ने मुझे यह दिखाया है कि आप अपने अंदर भरे प्यार को कभी नहीं जान सकते, जैसे कि आपको कितना प्यार देना है और आपसे कितना प्यार किया जाता है।' कैटी पेरी ने उड़ान भरने के दौरान अपने साथ एक डेजी का फूल भी रखा था। यह उनकी बेटी डेजी के लिए था।

रेखा-साधना को देखकर सीखा डांस...

मुंबई। रवीना टंडन 90 के दशक में एक्टिंग के अलावा फिल्मों में अपने डांस को लेकर भी चर्चा में रहती थीं, अब बेटी राशा थडानी से उनकी राह पर चल रही हैं। अपनी डेब्यू फिल्म में राशा थडानी ने एक डांस नंबर 'ऊई अम्मा' भी किया था, इस गाने में उनके डांस को काफी पसंद किया गया। हाल ही में राशा ने बताया कि कैसे वह पहली ही फिल्म में इतना अच्छा डांस कर पाईं। साथ ही इस काम में मां रवीना टंडन ने कैसे उनकी मदद की? राशा थडानी ने हाल ही में बीबीसी एशियन नेटवर्क से की गई बातचीत में बताया कि मां रवीना टंडन ने डांस सीखने में काफी मदद की। राशा कहती हैं, 'मां ने मुझे रेखा, साधना जैसी एक्ट्रेस की पुरानी डांस वीडियो देखने को कहा। साथ ही सरोज खान जी की डांस ट्रेनिंग को भी देखने की सलाह दी।

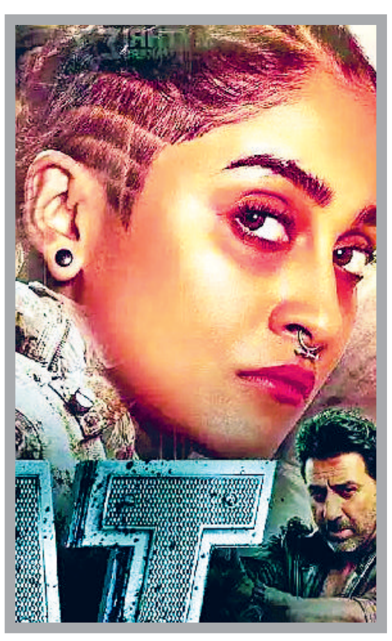

देसी अंदाज देखने पहुंच रहे दर्शक

मुंबई। सनी का देसी अंदाज और फिल्म की जोरदार कहानी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रही है। 'जाट' ने वीकेंड के बाद भी अपनी पकड़ बनाए रखी। अगर, यह रफ्तार बनी रही तो यह फिल्म जल्द ही अपनी लागत पार कर सकती है। सनी देओल की 'जाट' दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। हालांकि, सोमवार को फिल्म के कलेक्शन में गिरावट दर्ज की गई। पांचवें दिन फिल्म ने सात करोड़ 50 लाख रुपए की शानदार कमाई की, जिसके साथ इसका कुल कलेक्शन अब 47.75 करोड़ रुपए हो गया है। वहीं, अजित कुमार की 'गुड बैड अग्ली' ने सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया। पांचवें दिन फिल्म ने 15 करोड़ रुपए जुटाए, जिसके बाद इसका कुल कलेक्शन 101.3 करोड़ रुपए हो गया है। एक्शन के साथ फिल्म की कहानी लोगों को पसंद आ रही है।

टीवी मसाला

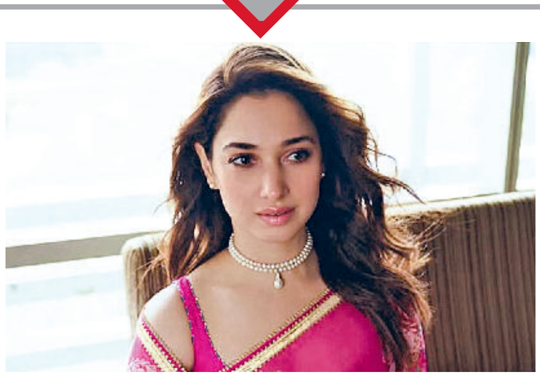

छोटे पर्दे पर भी तमन्ना ने खूब कमाया नाम

मुंबई। तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'ओडेला 2' को लेकर चर्चा में हैं। तमन्ना फिल्म में शिव भक्त बनी हैं और लोगों की मदद करती हैं। तमन्ना भाटिया ने साउथ की फिल्मों में काम करने के अलावा हिंदी फिल्मों जैसे 'बबली बाउंसर', 'एंटरटेनमेंट', 'हिम्मतवाला' और 'वेदा' में काम किया है। तमन्ना ने फिल्मों के अलावा कई टीवी सीरीज में काम किया है।

जी करदा : जी करदा भारतीय हिंदी ड्रामा है। इसे अरुणिमा शर्मा ने निर्देशित किया था। यह 2023 में प्राइम वीडियो के लिए बनाया गया था। तमन्ना भाटिया ने इसमें अहम रोल निभाया था। इसके लिए उन्हें 2023 में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था।

आखिरी सच : आखिरी सच हिंदी भाषा में रिलीज होने वाली टीवी सीरीज है। इसका निर्देशन रब्बी ग्रेवाल ने किया था। सीरीज के लीड रोल में तमन्ना भाटिया थीं। वह इस सीरीज में पुलिस अफसर बनी थीं। यह सीरीज बुराड़ी मर्डर पर बनी थी। इसे डिज्नी हॉटस्टार पर जारी किया गया था। इसमें अदाकारी करने के लिए भी तमन्ना भाटिया को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड मिला।

नवंबर स्टोरी : नवंबर स्टोरी तमिल भाषा की टीवी सीरीज है। इस क्राइम थ्रिलर का निर्देशन इंदिरा सुब्रमण्यन ने किया है। इसके लीड रोल में तमन्ना भाटिया हैं। यह सीरीज डिज्नी हॉटस्टार पर 20 मई 2021 को रिलीज हुई थी। इसे स्ट्रीमिंग ब्लॉकबस्टर घोषित किया गया।

मास्टर शेफ इंडिया- तेलुगू सीजन 1 : मास्टर शेफ इंडिया तेलुगु भाषा का टीवी शो है। इसके पहले 6 एपिसोड को तमन्ना भाटिया ने होस्ट किया। यह 27 अगस्त 2021 से 27 नवंबर 2021 तक जेमिनी टीवी पर प्रसारित किया गया।

11 हॉवर : '11 हावर' तेलुगू भाषा की क्राइम थ्रिलर टेलीविजन सीरीज है। इस क्राइम थ्रिलर सीरीज का निर्देशन प्रवीण सत्तारू ने किया। इसमें तमन्ना भाटिया लीड रोल में थीं।

सपने सुहाने लड़कपन के : 'सपने सुहाने लड़कपन के' एक टेलीविजन शो है। यह मई 2012 से जनवरी 2015 तक जी टीवी पर प्रसारित हुआ। इस शो के होली वाले एपिसोड में तमन्ना भाटिया नजर आईं थीं।

एसीपी आयुष्मान ने आते ही प्रद्युमन की मौत पर कसा तंज

नई दिल्ली। टीवी के पॉपुलर सीरियल सीआईडी 2 में लंबे समय से शो का हिस्सा रहे एसीपी प्रद्युमन का किरदार खत्म हो गया है। शो में एसीपी प्रद्युमन के किरदार में दिख रहे शिवाजी साटम का रोल खत्म होने के बाद अब पार्थ समथान ने एसीपी आयुष्मान बनकर शो में एंट्री की है। लेकिन, आयुष्मान की एंट्री के बाद से ही उनकी सीआईडी की पुरानी टीम के साथ टशन दिख रहा है। एसीपी प्रद्युमन के बेहद खास रहे अभिजीत और दया उनकी मौत के सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं, लेकिन एसीपी आयुष्मान उन्हें अपने इमोशन पर काबू रख काम पर ध्यान देने की नसीहत देता है, जिसका बाद उसकी टीम से अनबन हो जाती है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन द्वारा जारी एक हालिया वीडियो में, आयुष्मान अपने तीखे बयान से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते नजर आते हैं।

सीआईडी 2 के प्रोमो में एसीपी आयुष्मान के रोल में दिख रहे एक्टर पार्थ समथान अभिजीत और दया से कहते हैं, कब तक एसीपी प्रद्युमन की मौत पर आंसू बहाओगे। अपने दर्द, इमोशन और आंसू की पोटली बनाकर इसे ऑफिस के बाहर लटका कर आया करो। सीन में देखा गया कि अभिजीत और दया गुस्से से आयुष्मान को घूरते नजर आते है। इसके साथ शो के दौरान भी दया और अभिजीत की आयुष्मान के साथ बहस होती है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन द्वारा जारी एक हालिया वीडियो में, आयुष्मान अपने तीखे बयान से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। वो कहते हैं, 'मुझे केवल परिणाम प्रभावित करते हैं। दया तुरंत उन्हें आश्वस्त करते हैं।

इन मुस्लिम अभिनेत्रियों ने हिंदू नाम रखकर कमाई खूब शोहरत

नई दिल्ली। बॉलीवुड में कई ऐसी अभिनेत्रियां हुईं, जिन्होंने अपनी अदाकारी और खूबसूरती से लोगों को दीवाना बना दिया। उनके अभिनय की लोग आज भी सराहना करते हैं। हम बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों को बारे में जानेंगे, जिनके नाम को सुनकर लगता है कि वो हिंदू है, लेकिन हकीकत में वह मुस्लिम हैं। इन सभी ने अपना नाम बदलकर इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई और खूब नाम कमाया।

तब्बू : अभिनेत्री तब्बू ने बॉलीवुड ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनकी खूबसूरती और एक्टिंग के लाखों दीवाने हैं। उन्होंने कई हिट और सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री का असली नाम तबस्सुम फातिमा है।

रीना रॉय : 80 के दशक की अभिनेत्री रीना रॉय ने अपनी अदाकारी से बहुतों को प्रभावित किया है। उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। अभिनेत्री ने का असली नाम सायरा अली है।

मीना कुमारी : हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। 'ट्रेजडी क्वीन' के नाम से मशहूर अभिनेत्री को भारत की सबसे लोकप्रिय और प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक माना जाता हैं। उनकी अदाकारी और खूबसूरती का आज भी लोग तारीफ करते हैं। अभिनेत्री का असली नाम मीना कुमारी नहीं, बल्कि 'महजबीं बानो' था। अपने 33 साल के कॅरियर में उन्होंने 90 से ज्यादा फिल्में की हैं।

मधुबाला : मधुबाला के अभिनय कौशल और सुंदरता की प्रशंसा करते हुए आज भी लोग नहीं थकते। उन्होंने भारतीय सिनेमा में अतुलनीय योगदान दिया है। वह अपने दौर की सबसे लोकप्रिय और सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। मधुबाला का असली नाम मुमताज जहां बेगम देहलवी था। हालांकि, लंबे समय तक उनके प्रशंसक उन्हें नाम की वजह से हिंदू ही समझते रहे हैं।

मान्यता दत्त : संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त का नाम भी इस सूची में शामिल है। संजय दत्त से शादी करने से पहले वह फिल्मों में काम कर चुकी हैं। मान्यता का असली नाम दिलनवाज शेख है।

हसरत जयपुरी की कलम से निकले सदाबहार गाने आज भी हैं प्रासंगिक

11 रुपए की सैलरी पर बस कंडक्टर के रूप में शुरू किया काम

इकबाल हुसैन था असली नाम : हसरत जयपुरी का जन्म 15 अप्रैल 1922 को राजस्थान के जयपुर में हुआ था। उनका असली नाम इकबाल हुसैन था, लेकिन शायरी की दुनिया में उन्होंने 'हसरत जयपुरी' के नाम को अपनी पहचान बनाया। उनके पिता, नाजिम हुसैन सेना में कार्यरत थे, जबकि उनकी मां फिरदौसी बेगम एक गृहिणी थीं, जिन्हें शायरी से गहरा लगाव था। मां की यह रुचि हसरत को विरासत में मिली। आगे चलकर इसी चीज ने उनके जीवन को एक नई दिशा दी।

नई दिल्ली। हसरत जयपुरी हिंदी सिनेमा के उन गीतकारों में से एक हैं, जिनकी लेखनी ने न केवल गीतों को अमर किया, बल्कि लाखों दिलों को भी छुआ। उनकी शायरी और गीतों में प्यार, दर्द, और जिंदगी के रंग इतनी खूबसूरती से उभरकर सामने आए कि वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उस समय हुआ करते थे।

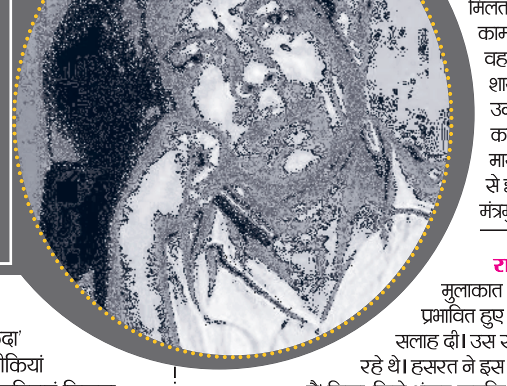

20 साल की उम्र में लिखनी शुरू कीं कविताएं : हसरत ने प्रारंभिक शिक्षा जयपुर में ही प्राप्त की। उन्हें असली तालीम उनके नाना फिदा हुसैन 'फिदा' से मिली, जो एक मशहूर शायर थे। नाना से हसरत ने उर्दू और फारसी की बारीकियां सीखीं, जिसने उनकी शायरी को गहराई दी। बीस साल की उम्र तक हसरत ने कविताएं लिखना शुरू कर दिया था। उनकी रचनाओं में प्रेम और जिंदगी के प्रति एक अनूठा दृष्टिकोण झलकता था।

शायरी में प्रेम की मासूमियत झलकती थी : हसरत जयपुरी का कॅरियर एक साधारण बस कंडक्टर के रूप में शुरू हुआ। 1940 में रोजगार की तलाश में वह जयपुर से मुंबई आ गए। यहां उन्हें बेस्ट बस में कंडक्टर की नौकरी मिली, जिसके लिए उन्हें मात्र 11 रुपए मासिक वेतन मिलता था। दिनभर बस में काम करने के बाद रात में वह मुशायरों में अपनी शायरी सुनाया करते थे। उनकी शायरी में जिंदगी का दर्द और प्रेम की मासूमियत इतनी खूबसूरती से झलकती थी कि लोग मंत्रमुग्ध हो जाते थे।

इन फिल्मों के लिए लिखे सुपरहिट गाने : बरसात की सफलता के बाद हसरत जयपुरी, राज कपूर, और शंकर-जयकिशन की तिकड़ी ने हिंदी सिनेमा को कई कालजयी गीत दिए। हसरत ने राज कपूर की फिल्मों जैसे आवारा, श्री 420, जिस देश में गंगा बहती है, संगम, और मेरा नाम जोकर के लिए यादगार गीत लिखे। 1966 और 1972 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ गीतकार के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। उनकी खासियत थी कि वह साधारण शब्दों में गहरी बातें कह जाते थे। उनकी लेखनी में प्रेम, देशभक्ति, और सामाजिक मुद्दों का सुंदर समावेश होता था।

राज कपूर के साथ खूब जमी जोड़ी : एक मुशायरे में उनकी मुलाकात अभिनेता पृथ्वीराज कपूर से हुई, जो उनकी शायरी से बेहद प्रभावित हुए। पृथ्वीराज ने अपने बेटे राज कपूर, को हसरत से मिलने की सलाह दी। उस समय राज कपूर अपनी फिल्म बरसात (1949) की तैयारी कर रहे थे। हसरत ने इस फिल्म के लिए अपना पहला गीत 'जिया बेकरार है, छाई बहार है' लिखा, जिसे शंकर-जयकिशन ने संगीतबद्ध किया। यह गीत सुपरहिट हुआ, और इसके साथ ही हसरत जयपुरी का नाम हिंदी सिनेमा में गूंजने लगा।

प्रेमिका के लिए लिखी लाइन हुई खूब मशहूर

हसरत जयपुरी का निजी जीवन भी उनकी शायरी की तरह रंगों से भरा और भावनात्मक था। बीस साल की उम्र में उन्हें अपने पड़ोस की एक हिंदू लड़की, राधा से प्रेम हो गया था। इस प्रेम ने उनकी लेखनी को और निखारा। हसरत ने एक साक्षात्कार में कहा था, 'प्रेम का कोई धर्म नहीं होता।' उन्होंने राधा के लिए एक कविता लिखी थी, 'ये मेरा प्रेम पत्र पढ़ कर, के तुम नाराज न होना,' जो बाद में फिल्म संगम (1964) का हिस्सा बनी और देशभर में मशहूर हुई। हसरत जयपुरी की निजी जिंदगी की बात करें तो शादी के बाद उनकी पत्नी ने एक बेटे का जन्म दिया। बेटे के जन्म पर उन्होंने जो पंक्तियां लिखीं वो थीं, 'तेरी प्यारी-प्यारी सूरत को किसी की नजर न लगे,' यह लाइनें भी फिल्म ससुराल (1961) का हिस्सा बनीं।

मप्र में दुग्ध समितियों की संख्या अभी 6 हजार, इसे 9 हजार करने की योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों की आय दोगुनी करने एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अत्यंत महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एमपी स्टेट को-ओपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के मध्य हुए इस अनुबंध की अवधि 5 वर्ष होगी, जिसका आपसी सहमति से विस्तार किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं संबद्ध दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच सहकार्यता अनुबंध (कोलैबोरेशन एग्रीमेंट) के निष्पादन से दुग्ध उत्पादन में क्रांति आएगी। दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में यह एग्रीमेन्ट प्रदेश सरकार की बड़ी उपलब्धि है। इसके तहत मुख्य रूप से प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे, दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि की जाएगी और दुग्ध समितियों की संख्या बढ़ाई जायेगी। इन सबके परिणाम स्वरूप दुग्ध उत्पादकों की आय में अप्रत्याशित वृद्धि होगी।

डेयरी प्लांट की क्षमता 18 लाख से बढ़ाकर 30 लाख करने की तैयारी

किसानों को दूध की सही कीमत दिलाने में मिलेगी मदद

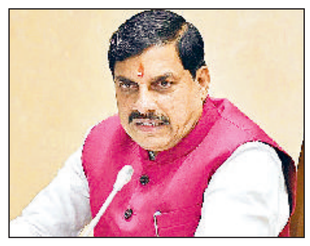

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार के संकल्प पत्र-2023 में प्रदेश में दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं डेयरी किसानों को दूध की सही कीमत दिलाने में मदद मिलेगी। प्रत्येक ग्राम पंचायत में डेयरी सहकारी समिति एवं कलेक्शन सेंटर खोले जाने और श्वेत क्रांति मिशन के तहत 2500 करोड़ के निवेश से प्रत्येक जिले में सांची डेयरी के साथ मिल्क कूलर, मिनी डेयरी प्लांट एवं चिलिंग सेंटर की संख्या में वृद्धि करने का उल्लेख है। इन संकल्पों को पूरा करने में यह अनुबंध महत्वपूर्ण साबित होगा। यह राज्य के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के तहत सहकारी प्रणाली और सांची ब्राण्ड को मजबूत करेगा।

मप्र में दुग्ध समितियों की संख्या 6 हजार, 9 हजार करने की योजना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दूध की खरीद सुनिश्चित करने एवं सही कीमत दिलाने में मदद के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में कलेक्शन सेन्टर स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में प्रदेश में दुग्ध समितियों की संख्या 6 हजार है, जिसे बढ़ाकर 9 हजार किया जाएगा। एक दुग्ध समिति लगभग 1 से 3 गांव में दुग्ध संकलन करती है, 9 हजार दुग्ध समितियां के माध्यम से लगभग 18 हजार ग्रामों को कवर किया जा सकेगा। दुग्ध संकलन भी 10.50 लाख किग्रा प्रतिदिन से बढ़कर 20 लाख किग्रा प्रतिदिन हो जाएगा।

डेयरी प्लांट की क्षमता 18 लाख से बढ़ाकर 30 लाख करने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि एनडीडीबी ने दुग्ध उत्पादक संस्थाओं (एमपीओ) के माध्यम से कवर किए गए गांवों को 1390 से बढ़ाकर 2590 किया जाएगा। दूध की खरीद को 1.3 लाख से बढ़कर 3.7 लाख लीटर प्रतिदिन किया जाएगा। साथ ही दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में वृद्धि की जाएगी। वर्तमान में डेयरी प्लांट की क्षमता 18 लाख लीटर प्रतिदिन है, जिसे बढ़ाकर 30 लाख लीटर प्रतिदिन किया जाएगा। इस तरह अगले 5 सालों में लगभग 1500 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। दुग्ध उत्पादकों की कुल वार्षिक आय 1700 करोड़ रुपए से दोगुना कर 3500 करोड़ रुपए किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

सांची ब्रांड होगा और अधिक सशक्त

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ने कहा कि प्रदेश के सांची ब्रांड को और सशक्त किया जाएगा। इसे राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित ब्रांड के नाम में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। दुग्ध संघ के प्रबंधन एवं संचालन के लिए प्रबंधन शुल्क और नवीन प्रसंस्करण एवं अधोसंरचनाओं के विकास के लिए भी कोई परामर्श शुल्क नहीं लिया जाएगा। जरूरत के अनुसार तकनीकी एवं प्रबंधन विशेषज्ञों को अपने पैरोल पर दुग्ध संघ में पदस्थ किया जाएगा। अमले का हित संरक्षण भी किया जाएगा। दुग्ध सहकारी समितियां से संबद्ध डेयरी किसानों की शिकायतों के निराकरण के लिए शिकायत निवारण प्रणाली भी विकसित की जाएगी।

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर प्रदेशभर में आयोजित गए कार्यक्रम

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बोर्ड ऑफिस चौराहे पर बाबा साहेब को अर्पित किए श्रद्धासुमन

बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से देश को एक सूत्र में बांधा : विष्णुदत्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा सोमवार को भोपाल सहित प्रदेशभर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने बोर्ड ऑफिस चौराहे पर स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और नगर निगम द्वारा स्थापित सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होने संविधान को नमन कर अजा मोर्चा द्वारा आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज बाबा साहब आंबेडकर की जयंती हम सभी के लिए अत्यंत महत्वूपर्ण है।

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए बाबा साहब की जयंती सिर्फ 14 अप्रैल तक सीमित नहीं रहती बल्कि ये अखिल भारतीय स्तर के कार्यक्रमों में शामिल है और बूथ-बूथ पर पार्टी कार्यकर्ता डॉ. आंबेडकर की जयंती मनाते हैं। डॉ. आंबेडकर एक विजनरी नेता थे और उन्होंने अपने बड़े मन से देश की एकता-अखंडता के लिए काम करते हुए संविधान के माध्यम से देश को एक सूत्र में बांधने का काम किया।

प्रदेश अध्यक्ष ने सार्वजनिक प्याऊ का किया शुभारंभ

संविधान को नमन कर सभा को किया संबोधित

बाबा साहेब ने किया कांग्रेस के एजेंडे का विरोध

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि जब पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पहली सरकार बनी, तो पं. नेहरू ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लगाने का प्रावधान हमारे संविधान में कर दिया। इसमें ये प्रावधान था कि जम्मू-कश्मीर का संविधान अलग होगा, वहां का प्रधानमंत्री अलग होगा और वहां का झंडा भी अलग होगा। इसके साथ ही इसमें यह भी प्रावधान भी था कि अगर किसी सफाईकर्मी का बच्चा योग्य भी है, तब भी वह कुछ और नहीं बन सकेगा, उसे अपना परंपरागत व्यवसाय ही करना होगा। इस भेदभाव का डॉ. आंबेडकर ने पुरजोर विरोध किया। देश की आजादी के बाद 75 वर्षों तक किसी ने इस भेदभाव की चिंता नहीं की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटाकर दलित भाई-बहनों के साथ हो रहे भेदभाव को खत्म किया और उन्हें अधिकार प्रदान किए।

प्रदेश कार्यालय में अर्पित किए श्रद्धासुमन

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, एसएस उप्पल एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी उपस्थित रहे।

मंत्री विजयवर्गीय ने प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर डॉ. आंबेडकर नगर (महू) में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती, प्रदेश महामंत्री व सांसद कविता पाटीदार सहित अन्य उपस्थित रहे।

बाबा साहब ने देश को संविधान दिया, कांग्रेस ने सदैव उनका अपमान किया : हितानंद

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने सोमवार को देवास जिले उज्जैन चौराहे पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया एवं सोनकच्छ विधानसभा के ग्राम टोंककला में वीर भारतीय सेवा बस्ती में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ स्वच्छता अभियान में सहभागिता कर उपस्थित जनों से बाबा साहब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने देश को संविधान दिया, जिस संविधान के तहत आज देश आगे बढ़ रहा है। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने आजादी के बाद से ही बाबा साबह को अपमानित करने का कार्य किया, इतना ही नहीं उन्हें चुनाव हराने का भी पाप कांग्रेस के नेताओं ने किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकारें बाबा साहब के सपनों को साकार कर रही हैं।

वंचित लोगों को मूलधारा से जोड़ने का काम बाबा साहेब ने किया: पीसी शर्मा

भोपाल। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती पर प्रदेशभर में कांग्रेस द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने महू में बाबा साहेब की जन्मस्थली पर, वहीं कांग्रेसजनों ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सहित सभी जिला मुख्यालयों पर बाबा साहेब की जयंती पर उनकी प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया एवं उनके संघर्षमयी जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंड़ति जवाहर लाल नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आजाद सहित तमाम नेताओं के सहयोग से सर्वहारा वर्ग के उत्थान के लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान का निर्माण कर उसे 1950 में लागू किया गया। संविधान की मूलधारा से जोड़कर अजा, अजजा, पिछड़ा और यहां तक कि सामान्य वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुये प्रत्येक नागरिक को आजादी से रहने के मौलिक अधिकार दिये गये।

मंत्री पटेल ने गंजबासौदा में किया माल्यार्पण

मंत्री प्रहलाद पटेल ने विदिशा जिले के गंजबासौदा के लाल पठार गांव में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर विधायक हरिसिंह रघुवंशी, संदीप डोंगर सिंह एवं डॉ. राकेश जादौन उपस्थित रहे।

बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलने दृढ संकल्पित: रानी

भोपाल। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्मोत्सव आम आदमी पार्टी ने समूर्ण प्रदेश में जिला एवं विधानसभा स्तर पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाया। आप प्रदेश अध्यक्ष एवं सिंगरोली महापौर रानी अग्रवाल ने कहा कि एक ओर बाबा साहेब ने विभिन्नता वाले देश में जहां पग-पग पर भाषा ,संस्कृति, रीति रिवाज, मजहब, जात-पात अलग-अलग है, ऐसे विभिन्नता वाले देश में संविधान निर्माण का अद्वितीय कार्य बाबा साहब ने किया है। यह वंदनीय है। आज इस अवसर पर हम संकल्प लेते है कि संविधान रक्षार्थ आम आदमी पार्टी का एक-एक सिपाही तन, मन, धन से जीवन पर्यन्त संविधान की रक्षा करने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देगा।

बोले-आजादी के लिए वर्षों करना पड़ा संघर्ष

मुख्यमंत्री ने दिलाई प्रोफेसर्स और छात्रों को संविधान में आस्था रखने की शपथ

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि आज भारतीय संविधान सभा के फाइनल प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती है, जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. यादव ने कहा कि भारत को आजादी एक दिन में नहीं मिली। इसके लिए हमें वर्षों संघर्ष करना पड़ा। पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी से लेकर कई क्रांतिकारियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर वर्षों की गुलामी की बेड़ियों से देश को आजाद कराया। भारत का संघर्ष काल एक हजार वर्ष से भी अधिक पुराना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को इंदौर में डॉ बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर जयंती एवं भारतीय संविधान सभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर के रवीन्द्र नाट्यगृह में आम नागरिक शपथ विधि समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने की।

इंदौर के रवीन्द्र नाट्यगृह में आम नागरिक शपथ विधि समारोह

छात्रों ने किया 'मेरा संविधान-मेरा भारत' का उद्घोष

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान की लोकतांत्रिक परम्पराएं, राष्ट्र की एकता और अखण्डता को अक्षुण्ण बनाए रखने की शपथ दिलायी। छात्रों ने 'मेरा संविधान-मेरा भारत' के उद्घोष लगाए। मुख्यमंत्री ने छात्रों और प्रोफेसर्स के साथ संविधान विषय पर संवाद किया। समारोह में मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, डॉ. महेन्द्र सिंह, विधायक मधु वर्मा और रमेश मेंदोला, अक्षय कांति बम, सुमित मिश्रा, नरेन्द्र सलूजा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

"सामाजिक समरसता में शिक्षा एवं संस्कारों की भूमिका" विषय पर परिचर्चा का आयोजन

मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहे बाबा साहेब के अधूरे सपने- डॉ. जितेन्द्र सिंह

नई दिल्ली। आज प्रधानमंत्री संग्रहालय, नई दिल्ली में "सामाजिक समरसता में शिक्षा एवं संस्कारों की भूमिका" विषय पर भारत विकास परिषद, दिल्ली प्रान्त (उत्तर) के तत्वाधान में एक भव्य परिचर्चा का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। गोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. जितेन्द्र सिंह, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय एवं कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग ने समाज निर्माण में शिक्षा व संस्कारों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सामाजिक समरसता के बीज अंतर्निहित हैं। नई शिक्षा नीति को लेकर कहा कि इसके अच्छे परिणाम भविष्य में देखने को मिलेंगे। केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न महापुरुषों के वक्तव्यों को उद्धृत करते हुए कहा कि हमें भारत की ताकत को पहचानने की जरूरत है। देश के बंटवारे को लेकर कहा कि देश के पढ़े-लिखे लोगों ने ही देश का बंटवारा कराया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बाबा साहेब के अधूरे सपनों को पूरा करने का पुरजोर कार्य हो रहा है। वर्ष 2047 तक सबका विकास के मुकाम को हासिल कर लिया जाएगा। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री आदर्श कुमार गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि बीते दिनों डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई, जिनका आज के विषय से गहरा नाता है। अंबेडकर ने संविधान में सभी में एकता की भावना उत्पन्न करने के लिए इस विषय को जोड़ा। भारतीय संस्कृति पर जोर देते हुए कहा कि एक हैं तो सेफ हैं। वहीं वक्फ कानून को लेकर बंगाल में हुई हिंसा पर कहा कि कानून का विरोध करना हो तो करें, लेकिन जिस प्रकार की हिंसा हुई वह गलत है। भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री सुरेश जैन ने कहा कि भारत विकास परिषद के अंदर सेवा की भावना है, और समरसता का भाव जागृत करना ही परिषद का उद्देश्य है।

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अंतर्निहित हैं सामाजिक समरसता के बीज, सामाजिक समरसता के तत्वों से लबरेज है प्राचीन भारतीय संस्कृति

बाबा साहेब के मार्ग पर चलकर ही हम समाज में बदलाव ला सकते हैं: डॉ. पटेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

मध्य प्रदेश में अपना दल (एस) ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती, बेहद उत्साह और जोश के साथ मनाई। इस अवसर पर प्रदेश भर में आयोजित कार्यक्रमों में समाज के विभिन्न वर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही सैकड़ों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, युवा मंच के डॉ. अखिलेश पटेल ने कहा कि अपना दल (एस) एक ऐसी पार्टी है जो महापुरुषों की विचारधारा पर चलती है और कमज़ोर, पिछड़े, दलित एवं अल्पसंख्यक वर्गों के हक की लड़ाई लड़ रही है। डॉ. पटेल ने कहा, हमारी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में सड़क से लेकर संसद तक समाज के शोषित और वंचित वर्गों की आवाज़ बुलंद कर रही है। उन्होंने कहा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के बताए मार्ग 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' पर चलकर ही हम समाज में वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने सदस्यता अभियान को और तेज़ गति देने का भी आह्वान किया, जिससे अधिक से अधिक लोग पार्टी से जुड़कर सामाजिक न्याय की इस लड़ाई को मजबूत बना सकें।

दो राजस्व निरीक्षक घूस लेते धरे गए

पीसीबी ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार, दूसरा राशि लेकर फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गौरेला पेंड्रा मरवाही

गौरेला के राजस्व निरीक्षण कार्यालय में एसीबी ने दो राजस्व निरीक्षकों को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। संतोष कुमार चन्द्रसेन और घनश्याम भारद्वाज के खिलाफ रिश्वत लेने की शिकायत पर एसीबी की टीम ने दबिश दी है।

एसीबी की टीम ने संतोष कुमार चंद्रसेन को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। वहीं, घनश्याम भारद्वाज रिश्वत की रकम लेकर फरार हो गया। बिलासपुर से 11 सदस्यीय एसीबी टीम पहुंची थी। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के गौरेला राजस्व निरीक्षक के कार्यालय में एसीबी की टीम ने दबिश दी, जहां पर जमीन संबंधित मामले में रिश्वत लेने की शिकायत पर एसीबी की टीम ने दबिश देकर एक राजस्व निरीक्षक को गिरफ्तार कर लिया जबकि दूसरा राजस्व निरीक्षक मौका पाकर फरार हो गया है।

फिलहाल एसीबी की टीम राजस्व निरीक्षक के कार्यालय में पकड़े गए राजस्व निरीक्षक को गिरफ्तार कर कार्यवाही की है, जबकि दूसरे भागे हुए राजस्व निरीक्षक की तलाश भी कर रही है।

एक एकड़ जमीन के मामले में मांगी थी 50 हजार रुपए की रिश्वत

जमीन संबंधी मामले में मांगी थी रिश्वत

गौरेला में सुबह राजस्व निरीक्षक कार्यालय में एसीबी बिलासपुर की 11 सदस्यीय टीम ने दबिश दी जहां पर गौरेला के सारबहरा इलाके के राजस्व निरीक्षक संतोष कुमार चन्द्रसेन और गौरेला मेढूका के राजस्व निरीक्षक घनश्याम भारद्वाज ने आंदुल गांव निवासी रंजीत सिंह राठौर के जमीन संबंधित मामले को लेकर उससे रिश्वत की मांग की थी, जिसके बाद पीड़ित ने पूरे मामले को साक्ष्य के साथ बिलासपुर एसीबी की टीम से संपर्क किया जिसके बाद योजनाबद्ध तरीके से एसीबी की टीम ने गौरेला के राजस्व निरीक्षक कार्यालय में दबिश देकर सारबहरा इलाके के राजस्व निरीक्षण संतोष कुमार चन्द्रसेन को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है, जबकि गौरेला मेढूका के राजस्व निरीक्षक घनश्याम भारद्वाज एसीबी की टीम के सामने ही मौका पाकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार इन्होंने एक जमीन के मामले में पीड़ित रंजीत कुमार राठौर से 50000 पचास हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी।

जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय का शुभारंभ

निर्माण कार्यों में तेजी के साथ जगदलपुर में ही मिल सकेंगी सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर संभाग को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने जगदलपुर में जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय का शुभारंभ किया। इस कार्यालय के प्रारंभ होने से बस्तर संभाग के सभी सातों जिलों के विभागीय कामकाज में काफी सुविधा होगी।

जल संसाधन से संबंधित निर्माण कार्यों के सर्वेक्षण, डीपीआर निर्माण और तकनीकी स्वीकृति में तेजी आएगी। पहले इन कार्यों की स्वीकृति के लिए रायपुर जाना पड़ता था। अब ये काम संभागीय मुख्यालय बस्तर में ही हो सकेंगे। जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप की विशेष पहल से शुरू हुए जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता नवीन कार्यालय में विभिन्न स्तरों पर अधिकारी और कर्मचारी की नियुक्ति के लिए भी बजट में स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में यह कार्यालय जगदलपुर के अधीक्षण अभियंता कार्यालय इंद्रावती परियोजना मंडल भवन के ऊपरी तल में संचालित हो रहा है। मुख्य अभियंता जल संसाधन कार्यालय के शुभारंभ अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप, सांसद बस्तर महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण सिंह देव, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, नगर निगम महापौर संजय पांडेय एवं जिला पंचायत अध्यक्ष वेदमती कश्यप और अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। इससे पहले स्थानीय मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के दो दिवसीय बस्तर प्रवास में जगदलपुर आगमन पर जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया।

चिंतन

न्यायपालिका में ढांचागत सुधार की तत्काल जरूरत

भारतीय न्यायपालिका कई तरह की ढांचागत समस्याओं से भी जूझ रही है। पिछले दिनों न्यायपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता प्रकट की थी। दिल्ली हाईकोर्ट के जज के आवास परिसर से मिले अधजले नोटों ने न्यायाधीश स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार की ओर ध्यान आकृष्ट किया। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नई बात नहीं है, आजादी के वक्त से है और कई रसूखदार लोगों के लिए इंसाफ बस सौदा रहा है। देश की न्यायपालिका इंसाफ सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत भी रहती है, ताकि आमजन का भरोसा अदालतों के प्रति कायम रहे, लेकिन इसमें न्यायिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी आड़े आ रही है। इंडिया जस्टिस सिस्टम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, देश में प्रति दस लाख आबादी पर केवल 15 न्यायाधीश हैं, जो वर्ष 1987 के विधि आयोग की प्रति दस लाख की आबादी पर 50 न्यायाधीशों की सिफारिश से बहुत दूर है। इस लिहाज से अगर देखें तो प्रति दस लाख लोगों पर देश में 35 जज कम हैं, जो काफी चिंताजनक है। भारतीय अदालतों में जजों की कमी, भवनों व चैंबरों की कमी, प्रशिक्षित कर्मियों की कमी और टेक्नोलॉजी अपनाने में देरी जैसी अनेक समस्याएं हैं, जिसके चलते विभिन्न अदालतों में पेंडिंग केसों की संख्या साढ़े चार करोड़ के पार हैं। इनमें 87.6 प्रतिशत मामले अधीनस्थ न्यायालयों और 12.3 प्रतिशत उच्च न्यायालयों में लंबित हैं। न्याय पाने की समय सीमा इतनी लंबी हो जाती है कि लोगों की उम्मीद ही मर जाती है। अदालतों में भ्रष्टाचार इस स्थिति के चलते भी है। उच्च न्यायालयों में रिक्तियां कुल स्वीकृत पदों का 33 प्रतिशत थीं। रिपोर्ट में 2025 में 21 प्रतिशत रिक्तियों का दावा किया गया, जो मौजूदा न्यायाधीशों के लिए अधिक कार्यभार को दर्शाता है। राष्ट्रीय स्तर पर जिला न्यायालयों में प्रति न्यायाधीश औसत कार्यभार 2,200 मामले हैं। इलाहाबाद और मध्यप्रदेश उच्च न्यायालयों में प्रति न्यायाधीश मुकदमों का बोझ 15,000 है। इंडिया जस्टिस सिस्टम की रिपोर्ट हमारी न्याय व्यवस्था की गंभीर तस्वीर उजागर करती है। कानूनी सहायता पर राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति व्यय 6.46 रुपये प्रति वर्ष है, जबकि न्यायपालिका पर राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति व्यय 182 रुपये है। कोई भी राज्य न्यायपालिका पर अपने कुल वार्षिक व्यय का एक प्रतिशत से अधिक खर्च नहीं करता है। इंडिया जस्टिस रिपोर्ट सेंटर फॉर सोशल जस्टिस, कॉमन कॉज, कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव और विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी जैसे कई संस्थानों के साथ मिलकर तैयार की गई है। पहल 2019 में टाटा संस ने की थी, तब से यह चौथी रिपोर्ट है। इसके पीछे मकसद भारत में न्याय की स्थिति का आंकलन है। अदालतों में महिलाओं की संख्या जरूर बढ़ी हैं, लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय से जजों का प्रतिनिधित्व अपेक्षा से कम है। अभी विभिन्न अदालतों में स्वीकृत पदों में से छह हजार से अधिक न्यायाधीशों के पद खाली हैं। निचली अदालतों में 5748 जजों के पद खाली हैं, जो कुल स्वीकृत पदों का लगभग 21 प्रतिशत हैं। वर्ष 2010 और वर्ष 2020 के बीच सभी न्यायालयों में लंबित मामलों में 2.8 फीसदी की दर से वार्षिक बढ़ोतरी हुई। उच्च न्यायालयों में 21 फीसदी मामले 10 वर्षों से, और अधीनस्थ न्यायालयों में 23 प्रतिशत मामले पांच वर्षों से लंबित हैं। ट्रिब्यूनल्स और विशेष अदालतों में भी लंबित मामले और रिक्तियां बहुत अधिक हैं। आज जरूरत न्यायपालिका में ढांचागत सुधार की है, रिक्तियों को भरने की है, जनसंख्या व जजों के अनुपात को आदर्श बनाने की है।

विश्लेषण
राज कुमार सिंह

कांग्रेस में प्रतिबद्धता भी आवश्यक

राहुल गांधी से कांग्रेस के कायाकल्प की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन एक दशक से भी अधिक समय से वह वैसा करने का साहस नहीं जुटा पाये हैं, जबकि इसी अवधि में भाजपा पूरी तरह बदल चुकी है। पिछले दशक के शुरू में चर्चित 'टीम राहुल' इस बीच बिखरती गयी है तो पार्टी की दुर्गति के लिए जिम्मेदार कांग्रेसियों को बाहर का रास्ता दिखाने के बजाय राहुल ने खुद अध्यक्ष पद छोड़ दिया। मोदी सरकार का यह तीसरा कार्यकाल है। सत्ता विरोधी भावना की वास्तविकता से कोई भी सरकार या दल अनिश्चितकाल तक नहीं बच सकता, पर क्या कांग्रेस बेहतर विकल्प होने का वैसा विश्वास जनता में जगा सकती है, जैसा 2013- 2014 में भाजपा जगाने में सफल रही?

नरेंद्र मोदी की भाजपा को उनके गृह राज्य गुजरात में ही हराकर अपने पुनरुत्थान के साहसिक सपने के साथ अहमदाबाद में कांग्रेस का अधिवेशन तो हो गया, पर असली चुनौतियां आंतरिक हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में ही मोदी की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनी। विकास के गुजरात मॉडल के सहारे ही, दस साल बाद, 2014 में भाजपा ने केंद्रीय सत्ता में जोरदार वापसी की। गुजरात को भाजपा की हिंदुत्ववादी राजनीति की प्रयोगशाला भी माना जाता है, जहां उसे तीन दशक से कांग्रेस सत्ता से हिला तक नहीं पायी है। सच यह भी है कि दशकों तक गुजरात पर शासन करने वाली कांग्रेस का ग्राफ वहां लगातार गिरता गया है। पिछले तीन दशकों में कांग्रेस सिर्फ 2017 में ही भाजपा को चुनौती देती दिखी, जब उसने 182 सदस्यीय विधानसभा में 77 सीटें जीत लीं, पर 2022 के चुनाव में वह 17 सीटों पर लुढ़क गयी।

बेशक उस शर्मनाक प्रदर्शन में निर्णायक भूमिका आम आदमी पार्टी की रही, जिसने सीटें तो पांच ही जीतीं, पर 14 प्रतिशत वोट लेकर कांग्रेस को पस्त कर दिया। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बैनर तले डेढ़ साल की दोस्ती के बाद कांग्रेस-आप फिर आमने-सामने हैं। ऐसे में नरेंद्र मोदी-अमित शाह की भाजपा से 2027 के चुनाव में कांग्रेस गुजरात की सत्ता कैसे छीन पायेगी? गुजरात में कांग्रेस की कमान राहुल गांधी के विश्वस्त शक्ति सिंह गोहिल के हाथों में है, लेकिन हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर जैसे युवा नेता भी भाजपाई बन गये, जिनके सहारे कांग्रेस अपने पुनरुत्थान की आस लगा रही थी।

बेशक दिल्ली में आप की हार और भाजपा की जीत बताती है कि चुनाव में कुछ भी हो सकता है, लेकिन उसके लिए जरूरी तैयारी और ताकत तो चाहिए। कह सकते हैं कि चुनावी तैयारियों के लिए ढाई साल का समय कम नहीं होता, लेकिन जमीन पर तैयारियों के लिए सशक्त और सक्रिय संगठन भी चाहिए। राहुल गांधी खुद कह चुके हैं कि कुछ कांग्रेसी, भाजपा से मिले हुए हैं। ऐसे कांग्रेसियों के सहारे तो चुनावी समर नहीं जीता जा सकता। संभव है, भाजपा से मिले हुए कांग्रेसियों की राहुल ने पहचान भी कर ली हो, पर जानकारों के मुताबिक वे हर स्तर पर हैं और उनकी संख्या इतनी ज्यादा है कि बाहर निकाल दिये जाने पर पार्टी ही सिकुड़ सकती है। बेशक ऐसे आंतरिक दुश्मनों से निजात जरूरी है, पर 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से लगातार पराभव झेल रही कांग्रेस उन्हें अभी तक बर्दाश्त क्यों कर रही है? इस बुरे वक्त में न सिर्फ आलाकमान के करीबी रहे बड़े-बड़े नेता कांग्रेस से किनारा कर गये, बल्कि खुद राहुल गांधी की टीम के तमाम सदस्यों ने भी 'हाथ' झटक कर 'कमल' थाम लिया। सत्ता का साथ उनकी फितरत भी रही होगी, पर क्या सही और गलत नेताओं में फर्क न कर पाने के लिए खुद कांग्रेस आलाकमान भी जिम्मेदार नहीं? 2014 के लोकसभा चुनाव में अपने इतिहास का सबसे शर्मनाक प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस के पास गंवाने के लिए कुछ भी नहीं बचा था। तभी राहुल गांधी ने कांग्रेस के शुद्धिकरण का साहस क्यों नहीं दिखाया? चुनाव-दर-चुनाव कांग्रेस हारती रही।

नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए राहुल गांधी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर गांधी परिवार के बाहर से नया अध्यक्ष बनाने की जिद भी पूरी कर ली, लेकिन क्या पूरे देश में किसी और कांग्रेसी नेता ने चुनावी हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया? जीत की गारंटी लेते हुए संगठन और टिकट वितरण में क्षत्रप मनमानी तो करते हैं, लेकिन हार जाने पर तमाम कारण गिनाने लगते हैं। बेशक जीत का सेहरा राष्ट्रीय नेतृत्व को पहनाने और हार का ठीकरा प्रदेश नेतृत्व के सिर फोड़ने की चाटुकार-संस्कृति सभी दलों में है, लेकिन इससे संगठनात्मक विकृतियां लंबे समय में नासूर बन जाती हैं। कांग्रेस के साथ वैसा ही हुआ है। साफ कहें तो गुजरात समेत पूरे देश में ही कांग्रेस में व्याप्त बीमारियों का वास्तविक उपचार दवाइयों के बजाय बड़े ऑपरेशन से ही संभव है, पर राहुल गांधी उसका साहस जुटाते फिलहाल नजर नहीं आते। शायद राहुल ने कांग्रेस के इतिहास से भी सही सबक नहीं सीखा। सत्ता और संगठन पर काबिज पुराने नेता नयी पीढ़ी को आगे नहीं आने देते। जब स्वाभाविक रूप से पीढ़ीगत परिवर्तन होता है, तब भी वे अपने परिजनों को ही बढ़ाते हैं, जो संगठन से सत्ता तक पर अपना उत्तराधिकार मानते हैं। इसीलिए कमान संभालने के बाद सफलता के लिए इंदिरा गांधी को भी पुराने मठाधीशों की सिंडीकेट से मुक्ति पा कर नयी कांग्रेस बनानी पड़ी थी। राजीव गांधी को देश और कांग्रेस की कमान अप्रत्याशित परिस्थितियों में संभालनी पड़ी थी, लेकिन 'सत्ता के दलालों' का जिक्र करते हुए उन्हें भी राज्यों से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक कांग्रेस में नया नेतृत्व उभारने का साहस दिखाना पड़ा। सोनिया गांधी ने अपना अध्यक्ष काल कई कारणों से कमोबेश राजीव के समकालीनों के सहारे ही चलाया।

राहुल गांधी से कांग्रेस के कायाकल्प की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन एक दशक से भी अधिक समय से वह वैसा करने का साहस नहीं जुटा पाये हैं, जबकि इसी अवधि में भाजपा पूरी तरह बदल चुकी है। पिछले दशक के शुरू में चर्चित 'टीम राहुल' इस बीच बिखरती गयी है तो पार्टी की दुर्गति के लिए जिम्मेदार कांग्रेसियों को बाहर का रास्ता दिखाने के बजाय राहुल ने खुद अध्यक्ष पद छोड़ दिया। मोदी सरकार का यह तीसरा कार्यकाल है। सत्ता विरोधी भावना की वास्तविकता से कोई भी सरकार या दल अनिश्चितकाल तक नहीं बच सकता, पर क्या कांग्रेस बेहतर विकल्प होने का वैसा विश्वास जनता में जगा सकती है, जैसा 2013- 2014 में भाजपा जगाने में सफल रही? कांग्रेस की गलतियों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हुए पार्टी को सामाजिक न्याय के धर्मनिरपेक्ष एजेंडा पर लौटाने की कोशिश निश्चय ही राहुल गांधी के साहस की परिचायक है, लेकिन कांग्रेसी ही बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दों पर उनके साथ खड़े नजर नहीं आते।

क्या वे राहुल के एजेंडा से सहमत नहीं हैं या फिर उनके निहित स्वार्थ आड़े आ रहे हैं? कारण जो भी हो, निराकरण पार्टी पर दशकों से काबिज नाकाम मठाधीशों से मुक्ति में ही निहित है। नेतृत्व राजनीतिक और चुनावी एजेंडा तय कर सकता है, लेकिन उसे जनता के बीच ले जाकर चुनाव जीतने का काम सशक्त और सक्रिय संगठन के बिना संभव नहीं। इसलिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरुद्ध अपने बहु प्रचारित वैचारिक संघर्ष में राहुल गांधी तब तक नहीं जीत पायेंगे, जब तक कि वह उस विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध कांग्रेस नहीं बना लेते। राहुल गांधी को क्षेत्रीय दलों से रिश्तों की बाबत भी स्पष्ट रणनीति बनानी होगी, जिनका राज्य की राजनीति में तो कांग्रेस से टकराव है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से जिनका विरोध असंदिग्ध है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं। लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

दक्षिण
विवेक शुक्ला

अब तमिलनाडु में किला फतह चाहती है भाजपा

दक्षिण के चार में से तीन राज्यों में अपनी ठोस उपस्थिति दर्ज करना चुकी भारतीय जनता पार्टी अब तमिलनाडु में भगवा झंडा फहराने का निश्चय कर चुकी है। कर्नाटक में कई बार भाजपा सत्ता का स्वाद चख चुकी है, आंध्र प्रदेश में इस समय सत्ता की भागीदार है, तेलंगाना में भी भाजपा मजबूत पकड़ बना चुकी है, केवल तमिलनाडु ही है, जहां भाजपा कई दशकों से उपस्थिति दर्ज कराने के बावजूद हुंकार नहीं भर पा रही है। भाजपा के लिए यह चिंता के साथ चिंतन का भी विषय रहा है और इसी प्रक्रिया का एक हिस्सा एआईडीएमके और भाजपा के ताजा गठबंधन की घोषणा भी है। इस गठबंधन को सहज बनाने और पार्टी के अनुरूप इसका स्वरूप देने का श्रेय गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, क्योंकि इस बार यह काम उतना आसान नहीं था। एआईडीएमके और भाजपा के बीच गठबंधन नया नहीं है। 1998 में ही भाजपा ने इस पार्टी के साथ गठबंधन की नींव डाल दी थी। 1998 की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनाने का श्रेय एआईडीएमके को जाता है। जे जयललिता का जब तक जीवनकाल रहा,तब तक भाजपा नेतृत्व के साथ एआईडीएमके का नजदीकी संबंध बना रहा। जब 1999 में जयललिता ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया तो करुणानिधि ने डीएमके को भाजपा के साथ जोड़ लिया और 2004 तक सत्ता का सुख लेते रहे। भाजपा ने राज्य में अपना आधार बढ़ाने के लिए एकला चलो रे की नीति अपनाई और तेज तर्रार पूर्व आईपीएस अन्नामलाई को नेतृत्व सौंप दिया। अन्नामलाई ने डीएमके के साथ-साथ एआईडीएमके को भी निशाने पर लिया और राज्य भर में दौरा किया। नतीजा यह हुआ कि 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले एआईडीएमके ने एनडीए को बाय-बाय कह दिया और कुछ साथियों को लेकर चुनाव में उतर आए। नतीजा न भाजपा के पक्ष में आया और न ही एआईडीएमके के पक्ष में। डीएमके ने पूरी मलाई खा ली। भाजपा के साथ-साथ एआईडीएमके को भी यह आभास हो गया कि 46 प्रतिशत वोट शेयर के साथ सत्ता में आई डीएमके को अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव में हराने के लिए 11 प्रतिशत वोट शेयर रखने वाली बीजेपी को साथ लेना आवश्यक है। यहां भूमिका अमित शाह की आनी ही थी, वह दो दिन के लिए चेन्नई गए और फिर गठबंधन की घोषणा कर के ही लौटे। इसके पहले भी अमित शाह कई राजनीतिक संभावनाओं को संभव बना चुके हैं। त्रिपुरा, बंगाल और उड़ीसा के बाद अब भाजपा के लिए केरल और तमिलनाडु ही दो ऐसे प्रदेश बचे हैं, जहां बड़े कैनवास पर कमल खिलाना बाकी है। अगले साल तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। डीएमके दुबारा सत्ता में आने के लिए जो नुस्खा तैयार कर रही है, उसमें तमिल प्राइड और भाषा विवाद का घोल मिलाया जा रहा है। स्टालिन और उनका पूरा परिवार इस समय घोर भ्रष्टाचार और गैर कानूनी कामों में लिप्त है, लेकिन एजेंडा, हिंदी विरोध, दक्षिण के साथ केन्द्र का कथित सौतेला व्यवहार और मनमाने परिसीमन के बनाए जा रहे हैं। मोदी और अमित शाह को घोर सांप्रदायिक और फेडरल स्ट्रक्चर को बिगाड़ने वाले नेता के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। सामान्य शिष्टाचार है कि राज्य में प्रधानमंत्री के दौरे के समय मुख्यमंत्री आगवानी करते हैं, लेकिन हाल ही में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु के दौरे पर गए थे, तो जानबूझ कर मुख्यमंत्री स्टालिन गायब हो गए। जाहिर है कि डीएमके भाजपा विरोध के बजाय केंद्र से टकराव की राजनीति को आगे रखकर चुनाव लड़ना चाहती है। बीजेपी के लिए यह दोहरी चुनौती है। सामरिक रूप से तमिलनाडु एक संवेदनशील राज्य है, श्रीलंका के साथ उसका सीधा जुड़ाव है। चीन श्रीलंका में लगातार अपनी पैठ बढ़ा रहा है, ऐसे में तमिलनाडु में केंद्र की आंख बंद कर खिलाफत करने वाली पार्टी का सत्तासीन रहना देश हित के लिए गंभीर सवाल पैदा करता है। भाजपा, तमिलनाडु में होने वाले हर लोकसभा या विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेती रही है, लेकिन बड़ी सफलता अभी तक नहीं मिली है। भाजपा के लिए तमिलनाडु केवल राजनीतिक संघर्ष का मैदान नहीं है, वैचारिक लडाई भी लड़ी जानी है। अमित शाह जमीनी हकीकत से हमेशा वाकिफ रहते है। उनके पास तमिलनाडु को लेकर साफ तस्वीरें हैं। वह एआईडीएमके के साथ अभी से कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बना कर चलना चाहते हैं, लेकिन उन्हें अपना लक्ष्य पता है। डीएमके का अहंकार ही उनका मुख्य हथियार होगा। सत्ता परिवर्तन जनता के लिए यदि जरूरी है, तो उसे हासिल करने का तरीका भला अमित शाह से ज्यादा कौन जानता होगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सोया हुआ अमुनि और जागा हुआ मुनि

संकलित
दर्शन

अध्यात्म की नजर में सिर्फ जागा हुआ मनुष्य ही धर्मिक मनुष्य होता है, क्योंकि धर्म की परिभाषा में अपने प्रति सोया हुआ 'अमुनि' है और अपने प्रति असोया हुआ (जागा हुआ) 'मुनि' है। अब मनुष्य के समक्ष धर्म का सबसे महत्त्वपूर्ण प्रश्न यही है, सबसे महत्त्वपूर्ण जिज्ञासा यही है कि नींद में हम आपस में धर्म के नाम पर लड़ाई-झगड़े करते आ रहे है और एक-दूसरे और धार्मिक ग्रंथों को अपमानित करने से भी बाज नहीं आते। हम समझते हैं हम धर्म का काम कर रहे हैं, हम धर्म का झंडा ऊंचा कर रहे हैं। जागा हुआ इनसान यह जान जाता है कि 'मैं कौन हूं, क्या हूं।' वह जान जाता है कि मैं इनसान हूं, हिंदू, मुस्लिम, सिख या ईसाई नहीं हूं। जब इनसान इनसान बनकर जीता है, तो धर्म के नाम पर सभी झगड़े समाप्त हो जाते हैं। यही जागरण है और यही इसकी क्रांति है। अब सवाल पैदा होता है कि अगर हम सोए हुए हैं, तो हमारी तंद्रा (निद्रा) कैसे मिट सकती है, हम सपनों के बाहर कैसे हो सकते हैं, अज्ञानता से बंद हुई हमारी आंख कैसे खुल सकती है? महात्मा फरमाते हैं कि अगर सोए हुए मनुष्य को सही मायनों में जागना है, तो उसे एक निर्णय अपने हृदय में लेना जरूरी है कि ये सोया हुआ है, क्योंकि जब तक मनुष्य यह स्वीकार करने को राजी नहीं हो जाता कि ये वास्तविकता में सोया है, तब तक ये जागने की दिशा में कोई कदम नहीं रख सकता और जागने की दिशा का पहला सूत्र है कि मनुष्य अनुभव करे कि ये वाकई सोया हुआ है। अब अनुभव करने के लिए हमारा सारा जीवन प्रमाण है।

जैसी होती है संगत, वैसी बहती जीवन की धारा

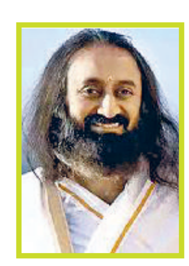

संकलित
प्रेरणा

हमारा जीवन कैसा है? पानी जैसा। जिसमें डालोगे वैसा हो जाता है। सत्संग में डालते हो, तो सत्संग में, उस ऊर्जा में, तुम वैसे हो जाते हो। जिस संगत में होते हो, वैसे तुम्हारी जीवन धारा बहने लगती है। जहां पर भी मन डालते हैं, वो उस रूप को ले लेता है। इसलिए भी सत्संग बहुत आवश्यक है। हो रहा है न? जब सत्संग में बैठते हैं तो पूरी आपकी जो चेतना है, बदल जाती है कि नहीं? सकारात्मक हो जाते हो उत्साह, स्फूर्ति, भक्ति। भक्ति के वातावरण में डालते हो तो भक्तिमय हो जाते हो तुम। लोभ और लालच उसमें डालोगे तो वैसे ही लोभ, लालच पकड़ लेगा दिमाग को। फिर वही सोचता रहेगा अरे, उसने इतना कमाया, इसने इतना किया, मैं इतना करूं। लोभ में, लालच में फिर मन आ जाता है। फिर तुम चुगली में लगाओगे, तो फिर चुगली भी होने लगेगी। जिसमें डालो मन, क्रोध में डालो, तो क्रोधित रहोगे। इतना क्रोध मन में बना रहेगा। कोई छोटी-मोटी बातों को लेकर क्रोधित रह सकता है। जिंदगी भर हम ऐसे रह सकते हैं। चिंता की झोली में डालेगे तो चिंतित ही रहोगे। ये नहीं, वो नहीं, दूसरा, तीसरा, चौथा, पांचवां। सो, चिंता में डालोगे तो चिंता। शोक में डालोगे तो शोक। कोई भी कारण न हो, तो हम ढूंढ ही लेते हैं कुछ न कुछ कारण दुखी रहने का। तो उस में डाल दो तो वो वैसा। और सिर्फ ऐश ही की आदत है तो अय्याशी करने की तो, अय्याशी में मन डालोगे तो वैसे ही, अय्याशी में ही दिन रात बीत जाएगी।

अंतर्मन

आज की पाती

सड़क पर बाजार

राजधानी की सड़कों पर बाजार से यातायात बाधित हो रहा है। आधी सड़क पर दुकानदारों का कब्जा होता है। ऐसे में वाहनों को आने-जाने में दिक्कत होती है और लंबी कतारें लग जाती हैं। संतोषी नगर अंडरब्रिज से मोतीनगर तक दोनों ओर दुकानदार सड़क पर सामान रख देते हैं। नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी औपचारिकता पूरी करते हैं। थोड़े दिनों बाद रास्ता ज्यों का त्यों हो जाता है।

-शाहीन बेगम, रायपुर

करंट अफेयर

अमेरिकी मौसम एजेंसी को वित्त कटौती से भारत पर होगा प्रभाव

अमेरिकी मौसम एजेंसी 'नेशनल ओसिएनिक एंड एटमोस्फेरिक एडमिनस्ट्रेशन' (एनओएए) की वित्तीय मदद में कटौती संबंधी अमेरिका सरकार का फैसला भारत की मौसम निगरानी एवं पूर्वानुमान क्षमताओं को प्रभावित नहीं करेगा, बल्कि इसका दीर्घावधि में असर देखने को मिल सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एनओएए जलवायु, मौसम, महासागरों और तटों में होने वाले बदलावों की निगरानी और पूर्वानुमान व्यक्त करती है। यह भारत सहित कई देशों के साथ इस डेटा को साझा करती है, जिससे उन्हें अपने मौसम पूर्वानुमान की सटीकता में सुधार करने में मदद मिलती है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में सचिव एम रविचंद्रन ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान सवालों का जवाब देते हुए कहा कि भारत की मौसम पूर्वानुमान क्षमता फिलहाल अप्रभावित रहेगी, लेकिन बाद में इसके परिणाम देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने कहा, वे निगरानी प्रणाली में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, विशेष रूप से महासागर में चाहे वह हिंद महासागर हो या प्रशांत महासागर। यदि इसमें कमी की जाती है, तो हमारे मौसम पूर्वानुमान पर प्रभाव पड़ेगा।

ऑफ बीट

महर्षि मार्कंडेय के तप के आगे यमराज हुए बेबस

मार्कंडेय मंदिर बिलासपुर से 20 किमी. की दूरी पर स्थित है। मंदिर के ऊपर व्यास गुफा है। मंदिर को ऋषि मार्कंडेय का जन्म स्थान भी माना जाता है।

पौराणिक गाथा के अनुसार मृकंडु ऋषि की घोर तपस्या के बाद भगवान शिव ने पुत्र रत्न का वरदान दिया। लेकिन वरदान के साथ उन्होंने पुत्र के अल्पायु होने का भी जिक्र कर दिया। ज्यों-ज्यों पुत्र की आयु बढ़ती गई, पिता चिंताग्रस्त रहने लगे। बालक मार्कंडेय कुशाग्र बुद्धि होने के साथ पितृभक्त भी थे। उन्होंने अपने पिता के मन को कुरेद कर चिंता का कारण जान लिया तथा इस चिंता से मुक्ति के लिए भगवान शिव की तपस्या आरंभ की। जब उनकी आयु 12 वर्ष होने में केवल तीन दिन शेष रह गए, तो उन्होंने रेत का शिवलिंग बनाया और शिव की तपस्या में लीन हो गए। यमदूत उनके प्राण हरण करने के लिए आए, लेकिन उस शिवलिंग में से आग की लपटें निकलीं व यमदूतों की ओर बढने लगीं। हारकर यमराज को सारा हाल सुनाया। स्वयं यमराज जब वहां आए तो मार्कंडेय जी ने शिवलिंग को बांहों में पकड़ लिया। शिवलिंग में से शिव प्रकट हुए तथा उन्होंने यमराज को वापस यमपुरी जाने का आदेश दिया। उस स्थान पर पानी का झरना फूट पड़ा, जिसे आज मार्कंडेय तीर्थ के नाम से जाना जाता है।

ट्रेंड

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बदलाव

हमारी सरकार ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में काफी बदलाव किए हैं। मेडिकल कॉलेजों और मेडिकल सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि तक, हर कदम सभी के लिए सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
-जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

'पंक्चर' हो गई कांग्रेस

इतिहास 'गवाह' है कि दशकों तक मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करते-करते कांग्रेस खुद 'पंक्चर' हो गई है। इस कड़वी सच्चाई के बावजूद वह अभी भी ज़मीनी हक़ीक़त से कोसों दूर है। सच यह भी है कि क्षेत्रीय दलों की बैसाखियों पर घिसटने के अलावा उसके सामने कोई दूसरा रास्ता ही नहीं है।
-केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

बिहार को मुक्ति मिलेगी

आने वाले चुनाव में बिहार की जनता को हम एक सशक्त, सकारात्मक, न्यायप्रिय व कल्याणकारी विकल्प देंगे। भाजपा और उसके अवसरवादी ठगबंधन से बिहार को मुक्ति मिलेगी। सभी वर्ग के लोग महागठबंधन की सरकार चाहते हैं।
- मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

जुनून की कोशिश करो

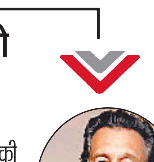

जब आप किसी चीज़ के प्रति वास्तव में भावुक नहीं होते हैं, तब हर सांसारिक समस्या एक दानव बन जाती है, जुनून की कोशिश करो। समर्पित रहो और देखो कि ब्रह्मांड तुम्हारे प्रति कैसी प्रतिक्रिया करता है।
- शेखर कपूर, फिल्मकार

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

नड्डा ने एम्स ऋषिकेश के पांचवेंदीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की

देश में आज 22 एम्स कार्यरत, ऋषिकेश ने अपनी अलग पहचान बनाई पिछले 10 वर्षों में एमबीबीएस सीटों में 130 प्रतिशत की वृद्धि : नड्डा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा कहा है कि इस सदी के आगमन तक भारत में केवल एक एम्स था। वर्तमान में, देश में 22 एम्स कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि एम्स ऋषिकेश ने अपनी बेहतरीन सेवाओं के कारण स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के बीच एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

नड्डा ने मंगलवार को ऋषिकेश स्थित एम्स के पांचवें दीक्षांत समारोह में यह बात कही। इस मौके पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तराखंड के स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत, लोकसभा सदस्य अजय भट्ट, अजय टम्टा और त्रिवेंद्र सिंह रावत तथा उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष रितु खंडूरी भूषण भी मौजूद थीं।

नड्डा ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक विशेष अवसर होता है, जो विद्यार्थियों द्वारा अर्जित उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक गरीब व्यक्ति को किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने नागरिकों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, सरकार ऐसी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है जो न केवल उपचारात्मक हो बल्कि निवारक, उपशामक और पुनर्वासात्मक भी हो। स्वास्थ्य क्षेत्र में केंद्र सरकार की

उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा कि वर्तमान में देश भर में 1.75 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हैं, जो स्वास्थ्य सेवा और कल्याण से संबंधित कई तरह की सेवाएं प्रदान करते हैं। पिछले 10 वर्षों में, देश भर में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में 101 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और ये कुल 780 हो गई है। पिछले 10 वर्षों में एमबीबीएस सीटों में 130 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि पीजी सीटों में 138 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। उन्होंने आगे कहा, इसी तरह, पैरामेडिक्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए, 157 नर्सिंग कॉलेज भी स्थापित किए जा रहे हैं, जो मेडिकल कॉलेजों के साथ ही स्थित होंगे। इससे अनेक लोगों को लाभ मिलेगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने हेलीकॉप्टर और ड्रोन सेवाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए एम्स ऋषिकेश की सराहना की, जिसमें 309 गंभीर रोगियों को बचाया गया। उन्होंने राज्य के दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने के लिए टेलीमेडिसिन (ई-संजीवनी) जैसी डिजिटल सेवाओं का उपयोग करने के लिए देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक होने के लिए एम्स ऋषिकेश को भी बधाई दी।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने अपने संबोधन का समापन छात्रों को अपने काम के प्रति करुणा, ईमानदारी और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए किया। इस बात पर बल देते हुए कि सरकार प्रत्येक एमबीबीएस छात्र पर 30-35 लाख रुपए खर्च करती है, उन्होंने नए डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करते समय अधिक जिम्मेदारियां निभाएं। कार्यक्रम के दौरान नड्डा ने संस्थान की चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाने के लिए कई स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिनमें आयुष विभाग में एकीकृत चिकित्सा, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में एक पीईटी स्कैन मशीन, रेडियोलॉजी विभाग में पीएसीएस सुविधा और बाल चिकित्सा देखभाल में उन्नत बाल रोग विज्ञान केंद्र शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में एम्स ऋषिकेश के अध्यक्ष प्रो. समीरन नंदी, कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह, डीन अकादमिक प्रो. जया चतुर्वेदी, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्य श्री और विभिन्न विभागों के प्रमुख, संकाय सदस्य, अधिकारी, मेडिकल और नर्सिंग के छात्र उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

बस-ऑटो में टक्कर 5 लोगों की मौत

बहराइच। यूपी के बहराइच में मंगलवार को भीषण हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार बस ने ऑटो में टक्कर मार दी।

हादसे में एक ही परिवार के 5लोगों की मौत हो गई। 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इससे अफरातफरी मच गई। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसा गोंडा-बहराइच मार्ग पर खूंटेहना चौकी के काटिलिया के पास हुआ।

कानपुर में 2 महिलाओं समेत 3 नहीं रहे

कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र के जीटी रोड हाईवे पर मंगलवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें तेज रफ्तार कार और बस की जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे में 2महिलाओं की मौत हो गई। 3 घायलों को भर्ती कराया गया। सुबह करीब साढ़े सात बजे नारामऊ में जीटी रोड हाईवे कट पर बस और टाटा जेस्ट कार की आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

पूर्व मंत्री खाचरियावास के घर पर ईडी की रेड

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में हड़कंप मचाते हुए ईडी ने मंगलवार सुबह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के जयपुर स्थित आवास पर छापेमारी की। यह कार्रवाई बहुचर्चित 2850 करोड़ के पीएसीएल घोटाले से जुड़ी बताई जा रही है। उन पर आरोप है कि घोटाले की रकम में से करीब 30 करोड़ उनके पास पहुंची थी।

सलमान को धमकी देने वाला मानसिक रोगी

नई दिल्ली। सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात के वडोदरा जिले के

वाघोडिया तालुका का निवासी निकला है। वह मानसिक रोगी है और उसे पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया है। एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने उस शख्स को वडोदरा से खोज निकाला है। उसका नाम मयंक पांड्या है।

समय और इलाहाबादिया ने दर्ज कराए बयान

मुंबई। यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना मंगलवार को 'इंडियाज गॉट लैटेंट'

शो आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में महाराष्ट्र साइबर पुलिस के सामने पेश हुए। दोनों पूछताछ के सिलसिले में पहुंचे। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने इलाहाबादिया और रैना के खिलाफ तीन समन जारी कर उन्हें मुंबई में जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने को कहा था।

एनआईसीडीसी के सहयोग से विकसित होगा आईएमसी, जल्द समझौता ज्ञापन पर होंगे हस्ताक्षर

महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के नजदीक करीब तीन हजार एकड़ में जल्द बनेगा आईएमसी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई अहम बैठक

लगभग 32 हजार करोड़ रुपए की निवेश आने की संभावना, 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर होंगे सृजित

हरियाणा में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के नजदीक लगभग 3 हजार एकड़ में औद्योगिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) स्थापित किया जाएगा। इस पर लगभग 4680 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस आईएमसी को हरियाणा सरकार और नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनआईसीडीसी) के सहयोग से विकसित किया जाएगा। यह जानकारी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को चंडीगढ़ में हुई एक अहम बैठक में दी गई। बैठक में नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि देशभर में विनिर्माण क्षेत्र में विकास को गति देने तथा व्यवस्थित और नियोजित शहरीकरण सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के आधार पर एकीकृत इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित कर रही है। अमृतसर- कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत 7 राज्यों में कुल 6 शहरों में इंडस्ट्रियल टाउनशिप स्थापित की जाएगी, जिसमें हिसार में स्थापित होने वाला आईएमसी सबसे बड़ी परियोजना है, जो लगभग 3 हजार एकड़ में विकसित होगी। इस आईएमसी को दो चरणों में विकसित किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि इस परियोजना के विकसित होने से लगभग 32 हजार करोड़ रुपए के निवेश आने की संभावना है और 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। आईएमसी में सड़क, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट (एसटीपी) सहित सभी प्रकार की बुनियादी और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए जल्द ही इस एनआईसीडीसी तथा हरियाणा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया जाएगा।

महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के होने से आईएमसी में उद्योगों को होगा बहुत बड़ा लाभ

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जल्द ही औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस आईएमसी में भारत के साथ-साथ विदेशी कंपनियों से भी निवेश के लिए आकर्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिसार में चिन्हित 7200 एकड़ में से लगभग 4212 एकड़ में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट है और लगभग 2988 एकड़ में आईएमसी स्थापित की जाएगी। एयरपोर्ट के नजदीक होने से उद्योगों को बहुत बड़ा लाभ मिलेगा।

हरियाणा को दो इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से होगा बड़ा फायदा, 10 आईएमसी भी स्थापित किए जाएंगे

बैठक में बताया गया कि एनआईसीडीसी द्वारा विकसित किया जा रहा दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत हरियाणा के नांगल चौधरी में लगभग 886 एकड़ पर एकीकृत मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब भी बनाया जाएगा। इस प्रकार, हरियाणा को दो इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का बड़ा फायदा मिलने वाला है, जिससे प्रदेश में निवेश के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के विजन के तहत विकसित हरियाणा बनाने के लिए उद्योगों का विकास अति आवश्यक है। उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेश में 10 आईएमसी स्थापित करने का संकल्प लिया है। संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, नागरिक उड्डयन विभाग के प्रधान सचिव श्यामल मिश्रा, एनआईसीडीसी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रजत कुमार सैनी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एजेंसी ने पारदर्शी प्रक्रिया का पालन किया

जेईई मेन परीक्षा के प्रश्न पत्र में गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद एनटीए ने दी सफाई

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा देशभर के तमाम इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए अप्रैल महीने में कराए गए जेईई-मेन के प्रश्नपत्र में मिली गड़बड़ियों के मामले पर मचे हड़कंप के बीच सोमवार को एनटीए ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उम्मीदवारों को सलाह दी कि वे अनावश्यक संदेह और चिंता पैदा करने वाली खबरों (रिपोर्टों) से गुमराह न हों। एक्स पर पोस्ट में एनटीए ने कहा कि उसने हमेशा ही एक पारदर्शी प्रक्रिया का पालन किया है। जिसके तहत उम्मीदवारों को अंतिम उत्तर कुंजी जारी होते ही अपने रिकॉर्ड किए गए उत्तर देखने की अनुमति दी जाती है। एनटीए अंतिम उत्तर कुंजी के लिए हर चुनौती पर बेहद गंभीरता से विचार करता है। एजेंसी के मुताबिक, उत्तर कुंजी चुनौती प्रक्रिया सभी उम्मीदवारों के लिए एक निष्पक्ष और विश्वसनीय प्रणाली सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस कवायद का उद्देश्य एक प्रकार से किसी भी विसंगति को दूर करना और निष्पक्षता को बरकरार रखना है। एनटीए ने यह भी साफ किया कि जेईई मेन सत्र-2 के संबंध में अपलोड की गई उत्तर कुंजी केवल अंतिम हैं। जबकि अभी तक अंतिम उत्तर कुंजी प्रकाशित नहीं की गई हैं। स्कोर सिर्फ अंतिम उत्तर कुंजी द्वारा निर्धारित किया जाता है और उसी के आधार पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है।

यूं खड़ा हुआ पूरा विवाद

दरअसल इस मामले में पूरा विवाद मीडिया के एक धड़े में जेईई मेन परीक्षा के प्रश्नपत्र में गड़बड़ी शीर्षक से प्रकाशित खबर के सामने आने के बाद खड़ा हुआ। जिसमें यह जानकारी दी गई थी कि परीक्षा से जुड़ी उत्तर कुंजी और प्रश्न पत्र में गड़बड़ी सामने आई है। जिसे लेकर छात्रों ने परीक्षा के आयोजन और संचालन दोनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रों का तर्क है कि इतनी बड़ी परीक्षा में इस तरह से गड़बड़ियां होना यह दिखाता है कि राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी द्वारा परीक्षा के संचालन में कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। बताते चलें कि नीट प्रवेश परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले पर बीते समय में देश में मचे बवाल के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने इसरो के पूर्व अध्यक्ष की डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति भी गठित की थी। जिसने अपनी रिपोर्ट मंत्रालय को सौंप दी है। इन सबके बीच एनटीए और उसकी कार्यप्रणाली से जुड़े ढांचे में कोई बहुत बड़ा ठोस बदलाव देखने को नहीं मिला है। भविष्य में इसकी उम्मीद की जा सकती है।

नेशनल हेराल्ड की संपत्तियां ईडी ने की सीज तो कांग्रेस गई खीझ, वेणुगोपाल और जयराम का केंद्र पर हमला

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल ने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की ताजा कार्रवाई और सोनिया गांधी, राहुल गांधी के खिलाफ दायर आरोपपत्र को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला।

विदित हो कि कई संपत्तियों को जब्त करने का ऐलान ईडी की ओर से किया गया है। राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक और एआईसीसी मीडिया विभाग प्रमुख जयराम रमेश ने कहा, नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों को जब्त करने को कानून के शासन का मुखौटा ओढ़कर किया गया केंद्र प्रायोजित अपराध

करार दिया। उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने को प्रधानमंत्री और गृह मंत्री द्वारा की गई बदले की राजनीति और डराने-धमकाने की कोशिश करार दिया। रमेश ने कहा कि यह कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है और इसका उद्देश्य कांग्रेस को कमजोर करना है। उन्होंने दावा किया कि नेशनल हेराल्ड स्वतंत्रता संग्राम की विरासत है और इसे निशाना बनाना राष्ट्रीय मूल्यों पर हमला है।

एआईसीसी महासचिव, संगठन और राज्यसभा सांसद केसी वेणुगोपाल का बयान ने केंद्र सरकार पर विपक्ष के खिलाफ असीमित प्रतिशोध का आरोप लगाया। उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले को निराधार, राजनीति से प्रेरित और मनगढ़ंत करार दिया। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई डर पैदा करने और विपक्ष को चुप कराने की कोशिश है। वेणुगोपाल ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस इस तानाशाही के सामने नहीं झुकेगी और कानूनी व लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से इसका मुकाबला करेगी।

महंगाई पर कांग्रेसी वार: अलका लांबा ने केंद्र को घेरा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कांग्रेस प्रवक्ता अलका लांबा ने आमलोगों की जरूरतों और महंगाई की मार पर केंद्र को जमकर घेरा। उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्र सरकार पर पेट्रोल, डीजल, और रसोई गैस की कीमतों में लगातार वृद्धि के लिए तीखी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि ये मूल्य वृद्धि आम जनता, खासकर महिलाओं और गरीब परिवारों पर भारी बोझ डाल रही हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार तत्काल प्रभाव से इन आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को कम करे। लाम्बा ने कहा, पेट्रोल और डीजल की कीमतें आसमान छू

रही हैं और कुकिंग गैस सिलेंडर की कीमतें ऐसी हैं कि गरीब परिवारों के लिए रसोई चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने दावा किया कि पिछले कुछ महीनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 15-20 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिससे परिवहन लागत बढ़ी है और इसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ा है।

लांबा ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि कीमतों में वृद्धि का सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ रहा है, जो परिवार की रसोई संभालती हैं। उन्होंने कहा, महिलाएं पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। अब रसोई गैस की कीमतें ऐसी हैं कि कई परिवार एक समय का खाना छोड़ने को मजबूर हैं। उन्होंने गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए विशेष राहत पैकेज की मांग की, जिसमें सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर और अन्य आवश्यक वस्तुओं पर मूल्य नियंत्रण शामिल हो। लांबा ने केंद्र की भाजपानीत केंद्र की गठबंधन सरकार पर जनविरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि सरकार तेल कंपनियों को अंधाधुंध मुनाफा कमाने की छूट दे रही है, जबकि आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। उन्होंने पूछा, जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें स्थिर हैं, तो भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें क्यों बढ़ रही हैं? यह सरकार की विफलता और जनता के साथ विश्वासघात है।

लांबा ने सरकार से मांग की कि वह आवश्यक वस्तुओं, जैसे दाल, चावल, तेल, और अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों पर नियंत्रण के लिए सख्त नीति बनाए। उन्होंने कहा कि बाजार में कोई नियंत्रण नहीं है। जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए सरकार कोई कदम नहीं उठा रही। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करना चाहिए ताकि गरीब परिवारों को सस्ते दामों पर अनाज और अन्य जरूरी सामान मिल सके।

कल ब्रासीलिया में 15वीं बैठक में करेंगे भारत का नेतृत्व

शिवराज ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 17 अप्रैल को ब्राजील के ब्रासीलिया में आयोजित होने वाली ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस बैठक का विषय है 'ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग, नवाचार और न्यायसंगत व्यापार के माध्यम से समावेशी और सतत कृषि को बढ़ावा देना'। बैठक में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान सहित ब्रिक्स सदस्य

देशों के कृषि मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के भाग लेने की उम्मीद है। चौहान अपनी इस यात्रा के दौरान ब्राजील के कृषि एवं पशुधन मंत्री कार्लोस हेनरिक बैकेटा फेवरो और कृषि विकास एवं पारिवारिक खेती मंत्री लुईज पाउलो टेक्सेरा के साथ बैठक करेंगे। ये बैठकें कृषि, कृषि-प्रौद्योगिकी, ग्रामीण विकास और खाद्य सुरक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में भारत और ब्राजील के बीच सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित होंगी।

केंद्रीय मंत्री चौहान साओ पाउलो में प्रमुख ब्राज़ीलियाई कृषि व्यवसाय कंपनियों के प्रमुख और ब्राज़ीलियाई वनस्पति तेल उद्योग संघ के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करेंगे तथा कृषि मूल्य श्रृंखला में भागीदारी व निवेश के अवसरों की तलाश करेंगे। पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जागरूकता बढ़ाने और मातृत्व को सम्मानित करने के उद्देश्य से वह 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत ब्रासीलिया में भारतीय दूतावास में वृक्षारोपण अभियान में भी भाग लेंगे।

इसके अलावा वह साओ पाउलो में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों में सांस्कृतिक राजदूत और योगदानकर्ता के रूप में उनकी भूमिका को मान्यता देंगे। यह यात्रा ब्रिक्स देशों के साथ सहयोग को मजबूत करने और कृषि नवाचार और दक्षिण-दक्षिण सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

वक्फ कानून पर पाकिस्तान की टिप्पणी को भारत ने किया खारिज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने वक्फ संशोधन कानून पर पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणी को सख्त लहजे में सिरे से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा कि वक्फ बिल को लेकर पाकिस्तान की टिप्पणी में की गई बातें पूरी तरह से बेबुनियाद और निराधार हैं।

भारत के एक लोकतांत्रिक देश होने के नाते यहां के कानून पूरी तरह से संविधान के हिसाब से बनाए जाते हैं। भारत के आंतरिक मामलों में बोलने का पाकिस्तान को कोई अधिकार नहीं है।

पहले अपने गिरेबान में झांके पाक

भारत ने अपने बयान में पाकिस्तान को दूसरों को अनावश्यक ज्ञान देने की बजाय अल्पसंख्यकों के अधिकारों के संरक्षण के मामले में अपना खुद का खराब रिकॉर्ड देखने की नसीहत दी है। यहां बता दें कि भारत की यह प्रतिक्रिया वक्फ बिल के संसद से पारित होने के बाद पाकिस्तानी मीडिया में इसे लेकर की जा रही नकारात्मक टिप्पणियों के संदर्भ में की गई है।

खबर संक्षेप

अमेरिका ने कंप्यूटर चिप दवाओं की जांच की शुरू

बैंकॉक (एपी)। अमेरिकी प्रशासन ने प्रमुख आयातों पर अधिक शुल्क लगाने की दिशा में अपना अगला कदम उठाते हुए कंप्यूटर चिप, चिप बनाने वाले उपकरण और दवा संबंधी आयात की जांच शुरू की है। वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार देर रात संघीय रजिस्टर पर जांच के बारे में नोटिस जारी किया। इसमें तीन सप्ताह के भीतर सार्वजनिक टिप्पणी मांगी गई हैं। इससे पहले मंत्रालय ने औपचारिक रूप से इसकी घोषणा नहीं की थी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आयात के अलावा अन्य देशों पर शुल्क बढ़ोतरी के अपने कदम पर 90 दिन की पिछले सप्ताह रोक लगा दी थी। हालांकि, उन्होंने कहा है कि वे अब भी दवाओं, लकड़ी, तांबे और कंप्यूटर चिप पर शुल्क लगाने की योजना बना रहे हैं।

दो दिन में निवेशकों की वेल्थ 18.42 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

मुंबई (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में जोरदार तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई है। बाजार के बेंचमार्क सूचकांक तीन दिनों की छुट्टी के बाद खुले तो निवेशकों की चांदी हो गई। आंकड़ों के अनुसार बाजार में दो कारोबारी सत्रों के दौरान आई तेजी में निवेशकों को करीब 18.42 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। मंगलवार को तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,577.63 यानी 2.10% की तेजी के साथ 76,734.89 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 500 अंक यानी 2.19% की तेजी के साथ 23,328.55 अंक पर बंद हुआ।

ट्रांसरेल लाइटिंग को 1,085 करोड़ रुपए के नए ऑर्डर

नई दिल्ली। ट्रांसरेल लाइटिंग ने कहा कि उसे घरेलू बाजार में 1,085 करोड़ रुपये के नए पारेषण और वितरण (टीएंडडी) ऑर्डर मिले हैं। कंपनी को मार्च में भी टीएंडडी और रेलवे क्षेत्र में 1,647 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले थे।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

देश का निर्यात मार्च में 0.7 प्रतिशत बढ़कर 41.97 अरब डॉलर, व्यापार घाटा 21.54 अरब डॉलर पर

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

भारत का वस्तु निर्यात इस साल मार्च महीने में मामूली 0.7 प्रतिशत बढ़कर 41.97 अरब डॉलर रहा है। वहीं माह के दौरान व्यापार घाटा भी बढ़कर 21.54 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष मार्च महीने में आयात 11.3 प्रतिशत बढ़कर 63.51 अरब डॉल हो गया। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-मार्च) में देश का निर्यात नाममात्र 0.08 प्रतिशत बढ़कर 437.42 अरब डॉलर रहा जबकि आयात 6.62 प्रतिशत बढ़कर 720.24 अरब डॉलर रहा। इससे व्यापार घाटा 282.82 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस साल फरवरी में व्यापार घाटा 14.05 अरब अमेरिकी डॉलर था। पिछले साल मार्च में निर्यात और आयात के बीच का अंतर 15.33 अरब अमेरिकी डॉलर था। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 के लिए यह 241.14 अरब अमेरिकी डॉलर था। देश का कुल वस्तु और सेवा निर्यात 2024-25 में 820.93 अरब डॉलर के 'रिकॉर्ड' स्तर तक पहुंचने का अनुमान है। यह 2023-24 की तुलना में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि है। उस दौरान यह 778.13 अरब डॉलर था। पिछले वित्त वर्ष में सेवा निर्यात 383.51 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जबकि 2023-24 में यह 341.06 अरब डॉलर रहा था। 2024-25 में आयात 194.95 अरब डॉलर रहा, जबकि 2023-24 में यह 178.31 अरब डॉलर था। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, 2024-25 में वस्तु निर्यात का आंकड़ा अबतक का सर्वाधिक है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि कुल निर्यात भी अबतक के 'उच्चतम' स्तर पर है।

इंजीनियरिंग निर्यात 2024-25 में 116.67 अरब डॉलर रहा

इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक, औषधि, सभी प्रकार के कपड़ों से तैयार वस्त्र, चावल, सूती धागे/कपड़े, प्लास्टिक, कॉफी, मसाले, चाय और तंबाकू जैसे क्षेत्रों से निर्यात को गति मिली। इंजीनियरिंग निर्यात 2024-25 में 116.67 अरब डॉलर रहा जो 2023-24 में 109.3 अरब डॉलर था। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक (38.38 अरब डॉलर), औषधि (30.47 अरब डॉलर), सिले-सिलाए परिधान (15.99 अरब डॉलर), चावल (12.47 अरब डॉलर), सूती धागा/कपड़े (12.06 अरब डॉलर), प्लास्टिक (8.92 अरब डॉलर) का स्थान रहा। पिछले वित्त वर्ष में जिन क्षेत्रों में इससे पूर्व वित्त वर्ष के मुकाबले गिरावट आई, उनमें पेट्रोलियम उत्पाद (84.16 अरब डॉलर के मुकाबले 63.34 अरब डॉलर), रत्न और आभूषण (32.17 अरब डॉलर के मुकाबले 29.81 अरब डॉलर) और रसायन (29.38 अरब डॉलर के मुकाबले 28.7 अरब डॉलर) शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में सोने का आयात बढ़कर 58.01 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 45.54 अरब डॉलर था। मात्रा के लिहाज से, आयात 2024-25 में घटकर 757.15 टन रह गया, जो 2023-24 में 795.32 टन था। आयात के मोर्चे पर, पिछले वित्त वर्ष में वृद्धि दर्ज करने वाले अन्य आयात क्षेत्रों में कच्चा तेल (178.73 अरब डॉलर के मुकाबले 185.78 अरब डॉलर) और इलेक्ट्रॉनिक सामान (87.86 अरब डॉलर के मुकाबले 98.73 अरब डॉलर) शामिल हैं। हालांकि, कोयला और कोक का आयात 2024-25 में घटकर 31.09 अरब डॉलर रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 38.88 अरब डॉलर था।

कुल बिक्री में यूटिलिटी वाहनों की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रही

यूटिलिटी वाहनों की मांग से यात्री वाहनों की थोक बिक्री रिकॉर्ड 43 लाख के पार: सियाम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर रिकॉर्ड 43 लाख इकाइयों का आंकड़ा पार कर गई। कुल बिक्री में यूटिलिटी वाहनों की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रही। उद्योग निकाय सियाम ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

■ उद्योग निकाय सियाम ने दी जानकारी

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर यात्री वाहनों की थोक बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 43,01,848 इकाई हो गई। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 42,18,750 इकाई रही थी। सियाम के अनुसार, यूटिलिटी वाहनों ने वृद्धि को गति देना जारी रखा। सियाम ने कहा कि यात्री वाहन खंड ने भी वित्त वर्ष 2024-25 में अपना अब तक का सबसे अधिक 7.7 लाख इकाई का निर्यात दर्ज किया। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में यह 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। निर्यात में वृद्धि देश में निर्मित होने वाले वैश्विक मॉडल की मांग से प्रेरित रही।

तिपहिया वाहनों की बिक्री सात फीसदी रही

पिछले वित्त वर्ष में कुल वाणिज्यिक वाहनों की थोक बिक्री एक प्रतिशत घटकर 9,56,671 इकाई रह गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 9,68,770 इकाई थी। इसी अवधि में तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 6,94,801 इकाइयों की तुलना में सात प्रतिशत बढ़कर 7,41,420 इकाई हो गई।

उद्योग ने स्थिर प्रदर्शन जारी रखा

सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, "भारतीय मोटर वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपना स्थिर प्रदर्शन जारी रखा, जो अच्छी मांग, बुनियादी ढांचे में निवेश, सहायक सरकारी नीतियों और टिकाऊ परिवहन पर निरंतर जोर से प्रेरित रहा।" सभी श्रेणियों में पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में कुल बिक्री सालाना आधार पर 2,38,57,411 इकाई से सात प्रतिशत बढ़कर 2,56,07,391 इकाई हो गई।

यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 11 फीसदी बढ़ी

वित्त वर्ष 2024-25 में कुल यात्री वाहनों की थोक बिक्री में इनकी हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रही जो वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 60 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2024-25 में यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 27,97,229 इकाई हो गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 25,20,691 इकाई थी। इसकी तुलना में, यात्री कारों की बिक्री में 13 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की 15,48,947 इकाई से घटकर 13,53,287 इकाई रह गई।

दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री में नौ फीसदी इजाफा

गत वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 1,96,07,332 इकाई हो गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 1,79,74,365 इकाई थी। सियाम ने कहा कि ग्रामीण मांग में सुधार और उपभोक्ता विश्वास में पुनरुत्थान से इस क्षेत्र को उबरने में मदद मिल रही है।

पड़ोसी देशों में निर्यात मांग जारी रही

यात्री वाहनों की थोक बिक्री मार्च महीने में 3,81,358 इकाई रही, जो मार्च 2024 के 3,68,090 वाहनों से चार प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, सियाम ने बताया कि अफ्रीका और पड़ोसी देशों जैसे प्रमुख बाजारों में निर्यात मांग जारी रहने की संभावना है, क्योंकि 'मेड इन इंडिया' वाहनों का चलन बढ़ रहा है।

मौजूदा समय में बफर पूंजी के उपयोग की जरूरत नहीं : आरबीआई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को 'काउंटरसाइक्लिकल' यानी सुस्ती की स्थिति से निपटने के लिए तैयार बफर पूंजी (सीसीवाईबी) का उपयोग नहीं करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय बैंक का मानना है कि मौजूदा परिस्थिति में इसकी जरूरत नहीं है।

आरबीआई ने सीसीवाईबी की रूपरेखा को फरवरी, 2015 में दिशानिर्देशों के रूप में पेश किया था। इसमें यह सलाह दी गई थी कि परिस्थितियों के अनुरूप सीसीवाईबी को लागू किया जाएगा और इसके बारे में पहले से घोषणा की जाएगी। रूपरेखा में मुख्य संकेतक के रूप में ऋण-जीडीपी अंतर की परिकल्पना की गई है। इसका उपयोग अन्य पूरक संकेतकों के साथ किया जा सकता है। आरबीआई ने बयान में कहा, ''सीसीवाईबी संकेतकों की समीक्षा के आधार पर यह निर्णय लिया गया है कि इस समय इसको लागू करना जरूरी नहीं है।'' इसे पेश 2015 में किया गया, लेकिन आरबीआई ने अबतक इसका उपयोग नहीं किया है। आरबीआई के अनुसार, सीसीवाईबी व्यवस्था के दो उद्देश्य हैं। सबसे पहले, इसके लिए बैंकों को अच्छे समय में पूंजी बफर बनाने की आवश्यकता होती है, जिसका उपयोग कठिन समय में ऋण के प्रवाह को बनाए रखने के लिए किया जा सकता है। दूसरा, यह बैंक क्षेत्र को अत्यधिक ऋण वृद्धि की अवधि में अंधाधुंध कर्ज देने से रोकने के लक्ष्य को भी हासिल करने में मददगार है। श्वर्ष 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के मद्देनजर केंद्रीय बैंक के प्रमुखों और पर्यवेक्षण प्रमुखों के समूह (जीएचओएस) ने प्रतिचक्रीय पूंजी उपायों पर एक रूपरेखा की शुरुआत की परिकल्पना की थी।

सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल, गाजियाबाद, ने किया डीएफआरसी के फैसले का स्वागत

स्कूल की अभिभावकों से समाधान के लिए अपील

गाजियाबाद। जिला शुल्क नियामक समिति (डीएफआरसी) के फैसले का स्वागत करते हुए, सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल, गाजियाबाद ने अभिभावकों से इस मुद्दे को जल्द से जल्द हल करने के लिए आगे आने का आग्रह किया है। स्कूल के कुछ अभिभावक फीस को लेकर विरोध कर रहे हैं और उन्होंने इस मुद्दे को डीएफआरसी के समक्ष उठाया था। 11 अप्रैल के डीएफआरसी के एक फैसले ने अभिभावकों की शिकायत को खारिज कर दिया और उत्तर प्रदेश स्व-वित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (फीस निर्धारण) अधिनियम, 2018 की धारा 4(2) का हवाला दिया, जिसके अनुसार स्कूल सरकार द्वारा अधिसूचित दिशानिर्देशों, यदि कोई हो, के अधीन, किसी विशेष शैक्षणिक वर्ष में नए प्रवेश चाहने वाले किसी भी कक्षा/ग्रेड/स्तर के नए छात्रों के लिए अपनी फीस निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र होगा। स्कूल की डायरेक्टर प्रिंसिपल शालिनी नांबियार ने कहा, हम डीएफआरसी के निर्णय का स्वागत करते हैं, जिसने दोहराया है कि स्कूल द्वारा अभिभावकों से मांगी जा रही फीस में कुछ भी अनुचित नहीं है। सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल, वसुंधरा, उत्तर प्रदेश स्व-वित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (फीस निर्धारण) अधिनियम, 2018 के नियमों का पूर्ण अनुपालन कर रहा है।

अमेरिकी शुल्क लागू होने से भारत की वृद्धि दर घटेगी : एसएंडपी

नई दिल्ली। भारत, चीन और जापान जैसी प्रमुख एशिया-प्रशांत की अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर में अमेरिकी जवाबी शुल्क लागू होने पर अगले दो वर्षों में 0.20 से 0.40 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा, अमेरिका की शुल्क लगाने की धमकी ने वैश्विक व्यापार व भरोसे को कम किया है। चीन और अमेरिका के साथ निर्यात पर क्षेत्र की निर्भरता का विनिर्माताओं और छोटी अर्थव्यवस्थाओं पर बहुत अधिक असर पड़ेगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के अनुसंधान प्रमुख (एशिया-प्रशांत) यूनिस टैन ने कहा, " यदि दो अप्रैल, 2025 को घोषित शुल्क अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर फिर से लागू हो जाते हैं, तो इसके भू-राजनीतिक तथा आर्थिक परिणाम गहरे होंगे।' भारत के लिए, एसएंडपी ने मार्च में 2025 और 2026 के लिए क्रमशः 6.5 प्रतिशत और 6.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। यदि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित जवाबी शुल्क को लागू किया जाता है तो एसएंडपी का अनुमान है।

राष्ट्रीय स्थिरता के लिए बड़े जोखिम पैदा कर सकते हैं साइबर हमले : अमिताभ कांत

नई दिल्ली। देश के स्मार्ट मीटर और डिजिटल ग्रिड की ओर बढ़ने के साथ ही साइबर हमले राष्ट्रीय स्थिरता और रोजमर्रा की जिंदगी के लिए बड़े जोखिम पैदा कर सकते हैं। भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने मंगलवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि 2024 में बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा क्षेत्रों में साइबर हमलों में भारी उछाल देखा गया और भारत में डेटा या किसी के ब्योरे में सेंध की औसत लागत लगभग 28 लाख अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि पिछले साल, भारतीय व्यवसायों को प्रति सप्ताह 3,000 से अधिक साइबर हमलों का सामना करना पड़ा। कांत ने राष्ट्रीय राजधानी में साइबर सुरक्षा समाधान कंपनी लिसिएंथस टेक के एक अध्ययन को जारी करते हुए कहा कि भारत ने सरकार प्रायोजित साइबर हमलों में बहुत तेज उछाल देखा है और 2021-24 के बीच ऐसी घटनाओं में लगभग 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा कि जैसे-जैसे भारत स्मार्ट मीटर और अधिक डिजिटल पावर ग्रिड की ओर बढ़ रहा है, साइबर हमलों का जोखिम भी गहराता जा रहा है।

राशिफल

मेष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ सन्तोषजनक रहेगा।

वृष — रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी।

मिथुन — नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। यात्रा पर जाना पड़ सकता है। खर्चों से परेशान हो सकते हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी। मांगलिक कार्य होंगे।

कर्क — कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कुटुम्ब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। परिश्रम अधिक होगा।

सिंह — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। धार्मिक संगीत के प्रति रुचि हो सकती है।

कन्या — मित्रों का सहयोग मिल सकता है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। मन अशान्त रहेगा। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

तुला — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु — किसी पुराने मित्र से पुन:सम्पर्क हो सकता है। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। स्वास्थ्य विकार रहेंगे।

मकर — नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती हैं।

कुंभ — स्थान परिवर्तन भी सम्भव है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु अपनी भावनाओं को वश में रखें। क्रोध की तीव्रता में कमी आएगी।

मीन — कारोबार में विस्तार के लिए निवेश कर सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। माता से भी धन प्राप्ति हो सकती है। धन की स्थिति में सुधार होगा। मान सम्मान बढ़ेगा।

सोना 96,450 के सर्वकालिक उच्चस्तर पर, चांदी भी चढ़ी

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत 50 रुपये बढ़कर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी है। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 50 रुपये गिरकर 96,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 50 रुपये बढ़कर 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया, जबकि इसका पिछला बंद भाव 95,950 रुपये प्रति 10 ग्राम था। इस बीच, ताजा औद्योगिक मांग के कारण चांदी की कीमत 2,500 रुपये बढ़कर 97,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। सोमवार को चांदी 500 रुपये की गिरावट के साथ 95,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना 13.67 डॉलर या 0.43 प्रतिशत बढ़कर 3,224.60 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

सोलर पावर यूरोप और नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया ने समझौता ज्ञापन के साथ यूरोपीय संघ-भारत सौर निर्माण संबंधों को किया मजबूत

नई दिल्ली। अपने मौजूदा सहयोग के आधार पर, सोलरपावर यूरोप और नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (**NSEFI**) ने एक नया समझौता ज्ञापन (**MoU**) हस्ताक्षरित किया है, जिसका उद्देश्य भारत और यूरोपीय संघ के बीच सौर निर्माण में सहयोग को और गहरा करना तथा मजबूत, विविधतापूर्ण और लचीली वैल्यू चेन का निर्माण करना है। भारत वर्तमान में विश्व के सबसे गतिशील सौर ऊर्जा बाजारों में से एक है, जहां यूरोपीय कंपनियों की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। जहां यूरोपीय कंपनियां तकनीकी दक्षता, उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और विश्वसनीयता के लिए जानी जाती है, वहीं भारत में बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाएं विकसित की जा रही है, और घरेलू विनिर्माण क्षमताओं में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। इस साझेदारी के माध्यम से दोनों संस्थाएं निर्माण परियोजनाओं के लिए व्यापार और निवेश के अवसरों की पहचान करेंगी। इसके साथ ही, ज्ञान और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे दोनों क्षेत्रों के बीच क्षमता निर्मा हो सके। यह समझौता सौर उपकरणों की बाजार तक पहुंच से संबंधित नियामकीय मुद्दों के समाधान और नीति-निर्माताओं से संवाद को भी प्रोत्साहित करेगा।सोलरपावर यूरोप के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर माटे हीस्ज़ ने इस साझेदारी को लेकर कहाः ₹भारत और यूरोपीय स स्वच्छ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्वाभाविक सहयोगी हैं।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर निगम सोनीपत	एम.सी. सोनीपत के तहत रेलवे लाइन के पूर्वी साइड में डिस्पोजल्स का प्रचालन और रखरखाव + 2 कार्य।	बंद होने की तिथि 21.04.2025	5.55 करोड़	https://etenders.hry.nic.in	1302260100 ee2mcs@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2026/40/33874/I/88/7 दि. 15.04.25

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	एचवीपीएनएल	220 केवी सब स्टेशन बीबीएमबी बल्लभगढ़ में स्थापित नये मोटराइज्ड 220 केवी और 66 केवी आइसोलेटर सहित 17 अदद पुराने, ओब्सोलीट और मैनुअल ऑपरेटेड 66 केवी आइसोलेटर तथा 2 अदद 220 केवी पुराने, ऑब्सोलीट और मैनुअल ऑपरेटेड को बदलना।	11.04.2025 21.04.2025	6.08 लाख	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN
2	एचवीपीएनएल	66 केवी सब स्टेशन फर्रूखनगर गुरूग्राम में कंट्रोल रूम बिल्डिंग का विस्तार, सीमेंट कंक्रीट और यू.सी. फेंसिंग का निर्माण।	09.04.2025 24.04.2025	49.95 लाख	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2026/40/33876/I/88/7 दि. 15.04.25

शब्द पहेली - 5838

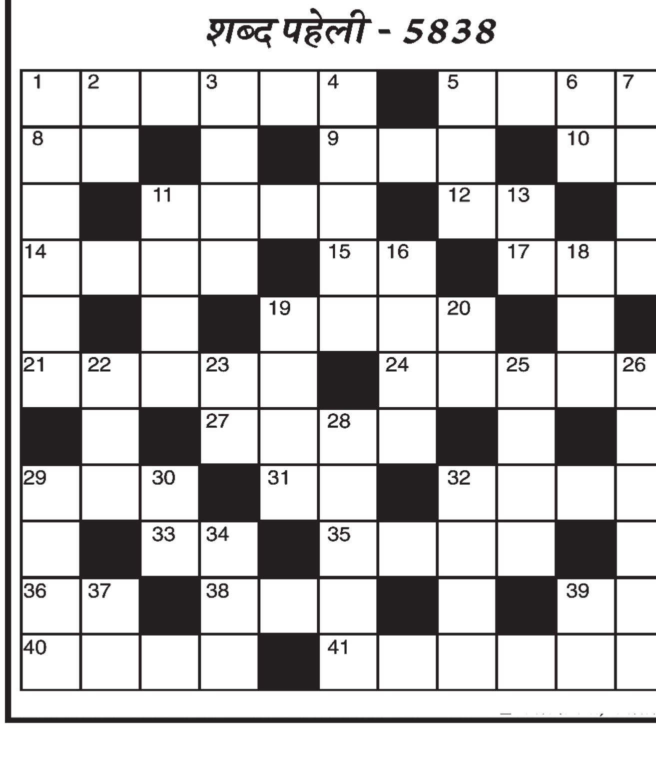

बाएँ से दाए
1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार, जेल-4
8. पानी, नीर-2
9. मीन, मत्स्य-3
10. लक्ष्मी, कमला-2
11. कलाकार, फनकार-4
12. मर्द, मादा का विलोम-2
14. हसरत, मुराद-4
15. कैद में, अवरुद्ध, रुका-2
17. भूमि, धरती-3
19. मतवासा, मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना, भिड़ना-4
29. दौंडी पीटना-3
31. सांप, सर्प-2
32. दाल-4
33. हूर, अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र, बेटा-3
39. टौंटी, नलका-2
40. ललचाना, तड़फाना-4
41. टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे
1. ईश्वर, अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी, कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर, थाती-4
13. मिट्टी, धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. इतराना-4
20. परत-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़, द्वार-2
25. उदाहरणतः-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट, मेल-मिलाप-4
30. दिया, दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया, नवीन-2

शब्द पहेली - 5837 का हल

■	बि	रा	द	री	■	ज	य	मा	ला	■
बि	ल	■	श	■	का	य	म	■	श	व
रा	■	म	ह	क	ना	■	ज	रा	■	र्त
द	र	द	रा	■	■	सा	■	ग	रि	मा
र	■	हो	■	व	सु	ध	र	■	या	न
■	कु	श	ल	■	दा	■	जा	य	ज	■
मि	ली	■	क	रा	मा	त	■	म	■	अ
ला	न	त	■	त	■	■	प	रा	धी	न
व	■	ल	ता	■	अ	च	र	ज	■	ब
ट	ब	■	ली	न	ता	■	तं	■	मी	न
■	स	ला	म	त	■	मि	त्र	व	त	■

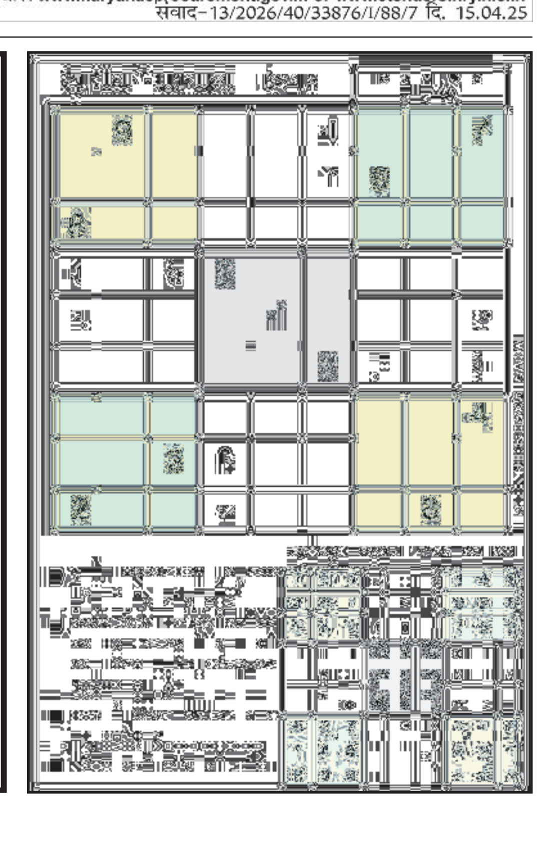

बल्लेबाजों का आत्मविश्वास बढ़ाने बेहतर पिच पर खेलने की जरूरत

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई के चेपॉक मैदान के क्यूरेटर से बेहतर पिच तैयार करने का आग्रह किया है जिससे उनके बल्लेबाजों को यहां की तरह अपने शॉट खेलने का आत्मविश्वास मिल सके क्योंकि वह चाहते हैं कि उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स निर्भीक क्रिकेट खेले।

धोनी की 11 गेंदों में 26 रन की पारी ने चेन्नई को लखनऊ सुपर जाइंट्स पर महत्वपूर्ण जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस तरह से पांच बार के चैंपियन ने चार मैचों की हार का सिलसिला तोड़ दिया, जिसमें घरेलू मैदान पर तीन हार भी शामिल हैं।

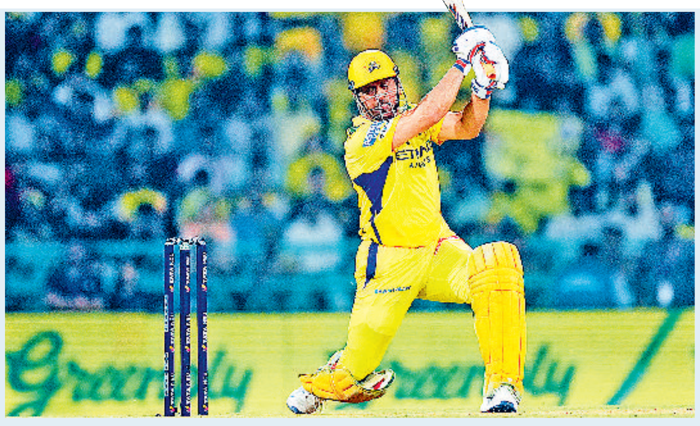

- धोनी ने चेपॉक मैदान के क्यूरेटर से बेहतर पिच बनाने का किया आग्रह
- बल्लेबाजों को यहां की तरह अपने शॉट खेलने का आत्मविश्वास मिल सके

छह साल में पहला प्लेयर ऑफ द मैच जीता

पिछले छह साल में पहला प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने वाले धोनी ने मंगलवार को मैच के बाद कहा, ''एक कारण यह हो सकता है कि चेन्नई का विकेट थोड़ा धीमा है। जब हम घरेलू मैदान से बाहर खेले हैं, तो हमारे बल्लेबाजों ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया है।''

बेहतर विकेटों पर खेलने की जरूरत

धोनी ने कहा, ''शायद हमें ऐसे विकेटों पर खेलने की जरूरत है जो थोड़े बेहतर हों। इससे बल्लेबाजों को अपने शॉट खेलने का आत्मविश्वास मिलेगा। हम निर्भीक होकर खेलना चाहते हैं।'' धोनी ने स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाजों को अपनी भूमिका और जिम्मेदारियां बेहतर ढंग से निभाने की जरूरत है।

जीतकर अच्छा लग रहा

धोनी ने कहा ,'' जीतकर अच्छा लग रहा है । बदकिस्मती से हम पिछले मैच नहीं जीत सके लेकिन इस जीत से आत्मविश्वास बढा है । यह कठिन मैच था और जीतने की खुशी है । उम्मीद है कि इससे टीम की लय बनेगी ।'' धोनी ने कहा, पिछले मैचों में हम गेंदबाजी करते समय पहले छह ओवर में जूझ रहे थे लेकिन बीच के ओवरों में वापसी की ।

बेहतर विकेटों पर बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे

हमें बल्लेबाजी ईकाई के तौर पर भी मनचाही शुरूआत नहीं मिल पा रही थी । शायद चेन्नई की विकेट के कारण । उम्मीद है कि बेहतर विकेटों पर हम आगे बेहतर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, हमें पहले छह ओवरों में अधिक गेंदबाजों की जरूरत थी जिससे अश्विन पर पहले छह ओवरों में दो ओवर डालने का काफी दबाव बन रहा था । यही वजह है कि हमने गेंदबाजी में बदलाव किये ।

खास खबर

रोहित के खराब फॉर्म का असर मुंबई की रणनीति पर पड़ रहा

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि रोहित शर्मा के खराब फॉर्म के कारण मुंबई इंडियंस टीम आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक लय नहीं पकड़ सकी है। मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित अब इस सत्र में हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली टीम में इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में ही खेल रहे हैं। उन्होंने पांच मैचों में 0, 8 , 13 , 17 और 18 स्कोर किया है। मुंबई ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराया और टीम चार हार तथा दो जीत के साथ सातवें स्थान पर है।

बिश्नोई ने ऋषभ पंत का बचाव किया

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि अच्छे स्पैल के बावजूद उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच में डेथ ओवरों में गेंदबाजी

करने का मौका क्यों नहीं मिला, लेकिन उन्होंने अपने कप्तान ऋषभ पंत के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि एक कप्तान के रूप में उनके दिमाग में कुछ खास योजनाएं थीं। चेन्नई को जब 30 गेंद पर 56 रन की जरूरत थी तथा महेंद्र सिंह धोनी और शिवम दुबे खेल रहे थे तब पंत ने स्पिनर की बजाय तेज गेंदबाजों से गेंदबाजी करवाने का विकल्प चुना लेकिन उनका यह दाव नहीं चल पाया और धोनी ने 11 गेंद पर 26 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। बिश्नोई ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मेरी वास्तव में इसको लेकर उनसे (ऋषभ पंत) कोई बात नहीं हुई। मैं दो बार विकेट पर आया लेकिन शायद उनके दिमाग में कुछ और योजनाएं थी। शायद उनका नजरिया कुछ और था।'

सुदीरमन कप फाइनल्स में भारत की चुनौती पेश करेंगे सिंधू और सेन

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन चीन में 27 अप्रैल से चार मई तक होने वाले सुदीरमन कप बैडमिंटन

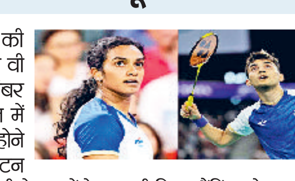

फाइनल्स में भारत की चुनौती पेश करेंगे। अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर भारत ने इस प्रतिष्ठित मिश्रित टीम चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई किया है। भारत को ग्रुप डी में पूर्व चैम्पियन इंडोनेशिया, दो बार के उपविजेता डेनमार्क और एक इंग्लिश टीम के साथ रखा गया है। भारत की 14 सदस्यीय टीम में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भी चोट से उबरकर वापसी हुई है। महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली फिटनेस कारणों से नहीं खेलेंगी। उनकी जगह प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा महिला युगल वर्ग में उतरेंगे । वहीं पुरूष युगल में सात्विक और चिराग के बैकअप के तौर पर हरिहरन ए और रूबेन कुमार को रखा गया है। भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' चयनकर्ताओं ने सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	6	4	2	8
दिल्ली	5	4	1	8
बेंगलुरु	6	4	2	8
पंजाब	6	4	2	8
लखनऊ	7	4	3	8
कोलकाता	7	3	4	6
मुंबई	6	2	4	4
राजस्थान	6	2	4	4
हैदराबाद	6	2	4	4
चेन्नई	7	2	5	4

ऑरेंज कैप — निकोलस पूरन — 357 रन — लखनऊ

पर्पल कैप — नूर अहमद — 12 विकेट — चेन्नई

आईपीएल: किंग्स 16 रन से जीते, कोलकाता को 111 रन नहीं बनाने दिए

चहल के चार विकेट से पंजाब ने सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव करने का रिकॉर्ड कायम किया

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

युजवेंद्र चहल ने लय में वापसी करते हुए 28 रन पर चार विकेट लेकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 के कम स्कोर वाले मैच में मंगलवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पंजाब किंग्स को 16 रन की यादगार जीत दिलायी। पंजाब किंग्स को 15.3 ओवर में 111 रनों पर रोकने के बाद, केकेआर सात ओवर में दो विकेट पर 60 रन बनाकर आसान जीत की ओर बढ़ रहा था लेकिन इसके बाद चहल ने केकेआर के मध्य क्रम को झकझोर कर पंजाब को रोमांचक जीत दिलाई। केकेआर की टीम 15.1 ओवर में 95 रनों पर ऑल आउट हो गई। पंजाब किंग्स ने इसके साथ ही आईपीएल में सबसे छोटे स्कोर का सफलता पूर्व बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले सबसे कम स्कोर का बचाव चेन्नई सुपर किंग्स ने 2009 में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ 116 रन बनाकर किया था। पंजाब के लिए मार्को यानसेन ने भी तीन विकेट लिये जबकि अर्शदीप, जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को एक-एक सफलता मिली। केकेआर के लिए अंगकृष रघुवंशी ने 28 गेंद में 37 रन की पारी खेलने के साथ कप्तान अजिंक्य रहाणे (17) के साथ तीसरे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद टीम ने आखिरी सात विकेट 23 रन के अंदर गंवा दिये। इससे पहले, पंजाब किंग्स बिना किसी नुकसान के 39 रन से 15.3 ओवर में 111 रन पर ऑल आउट हो गई जिसमें हर्षित राणा ने 25 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि वरुण और सुनील नारायण ने दो-दो विकेट लिए।

अपने मैदान पर जीत का स्वाद चखने राजस्थान के खिलाफ उतरेगी दिल्ली

नई दिल्ली। सत्र की शानदार शुरूआत के बाद अपने मैदान पर पहली हार झेलने वाली दिल्ली कैपिटल्स इस झटके को भुलाकर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बुधवार को आईपीएल के मैच में फिर जीत की राह पर लौटने के इरादे से उतरेगी। लगातार चार मैच जीतने के बाद अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली टीम को रविवार को अरूण जेटली स्टेडियम पर मुंबई इंडियंस ने हराया। इस हार के बाद दिल्ली शीर्ष स्थान से खिसककर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स छह में से सिर्फ दो मैच जीतकर आठवें स्थान पर है। संजू सैमसन की कप्तानी वाली टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है । मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली के लिये घरेलू क्रिकेट के दिग्गज करूण नायर ने पदार्पण करते हुए 40 गेंद में 89 रन बनाये। एक समय दिल्ली का स्कोर 11वें ओवर में एक विकेट पर 119 रन था लेकिन इसके बाद 74 रन के भीतर आखिरी नौ विकेट गंवा दिये । उसके तीन बल्लेबाज 19वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर रन आउट हुए और 12 रन से पराजय का सामना करना पड़ा।

खबर संक्षेप

एएसआईपी के अध्यक्ष होंगे प्रभाकरण

नई दिल्ली। खेल उद्योग पेशेवरों के संघ (एएसआईपी) ने मंगलवार को अपने संस्थापक प्रबंधन बोर्ड की घोषणा की और इसके अध्यक्ष अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के पूर्व महासचिव शाजी प्रभाकरण होंगे। नीरज झा मानद महासचिव होंगे और गोवा फुटबॉल संघ के अध्यक्ष कैटानो जोस फर्नांडिस बोर्ड के सदस्यों में से होंगे । दिल्ली फुटबॉल संघ के पूर्व अध्यक्ष रहे शाजी ने इस साल संगठन की स्थापना की है। बोर्ड के सदस्यों का कार्यकाल दो साल का होगा । बोर्ड की पहली बैठक तीन मई को होगी।

एटलेटिको ने खिताब की उम्मीद जीवंत रखी

मैड्रिड। जूलियन अल्वारेज़ के पेनल्टी पर किए गए दो गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने सोमवार को यहां वलाडोलिड को 4-2 से हरा दिया और इस तरह से स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा को जीतने की अपनी उम्मीद बरकरार रखी। एटलेटिको के इस जीत से 31 मैच में 63 अंक हो गए हैं और वह शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना से सात अंक पीछे तीसरे स्थान पर है। बार्सिलोना के 31 मैच में 70 अंक है जबकि रियाल मैड्रिड 31 मैच में 66 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। अल्वारेज़ ने 25वें और 74वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। एटलेटिको की तरफ से उनके अलावा गिउलिआनो शिमोन (27वें मिनट) और अलेक्जेंडर सोरलोथ (79वें) ने एक एक गोल किया।

आईसीसी की बैठक में शामिल नहीं हुए नकवी

कराची। चैंपियन्स ट्रॉफी की मेजबानी के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वार्षिक तिमाही बैठक में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी शामिल नहीं हुए। पाकिस्तान में निजी काम के कारण नकवी हाल की बैठकों के लिए हरारे नहीं जा सके। नकवी संघीय गृह मंत्री भी हैं जो केंद्र सरकार में एक महत्वपूर्ण पद है। अधिकारी ने कहा, ''मोहसिन नकवी स्वदेश में काम के कारण नहीं जा सके और बोर्ड के सीईओ सुमेर अहमद आईसीसी की बैठकों में शामिल हुए।''

क्रिकेट

बांग्लादेश के साथ भारत मीरपुर में 4 व चटगांव में खेलेगा 2 मैच

भारत का 2014 के बाद से पहला दौरा होगा

एजेंसी ▶▶| ढाका

भारत अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी सीमित ओवरों की श्रृंखला के दौरान मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में चार और चटगांव में दो मैच खेलेगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मंगलवार को यह घोषणा की।

बांग्लादेश दौरे पर भारत तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगा। यह बांग्लादेश में भारत की पहली टी20 द्विपक्षीय श्रृंखला और 2014 के बाद सिर्फ सीमित ओवरों का पहला दौरा होगा। शुरुआती दो एकदिवसीय और आखिरी दो टी20 मीरपुर में खेले जाएंगे जबकि तीसरा एकदिवसीय और पहला टी20 चटगांव में होगा। भारत को 13 अगस्त को ढाका पहुंचना है। शुरुआती दो एकदिवसीय 17 और 20 अगस्त को खेले जाएंगे जिसके बाद टीम 23 अगस्त को तीसरा एकदिवसीय खेलने के लिए चटगांव जाएगी। चटगांव में ही पहला टी20 26 अगस्त को होगा। आखिरी दो टी20 29 और 31 अगस्त को मीरपुर में खेले जाएंगे।

यह दौरा एशिया कप टी20 की तैयारी में भी मदद करेगा। भारत इस टूर्नामेंट का मेजबान है लेकिन यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह प्रतियोगिता पूरी तरह से श्रीलंका, बांग्लादेश या यूएई में आयोजित की जाएगी या नहीं क्योंकि दोनों देशों के बीच हुए समझौते के अनुसार पाकिस्तान भारत की यात्रा नहीं करेगा।

जेनकिंस ने राष्ट्रमंडल खेल अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। क्रिस जेनकिंस ने राष्ट्रमंडल खेल के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। इस खेल संस्था ने राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन में उनकी दीर्घकालिक सेवा और महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए मंगलवार को इसकी घोषणा की। राष्ट्रमंडल खेल की सीईओ केटी सैडलेयर के अनुसार, ''राष्ट्रमंडल खेल के संविधान में मौजूदा अध्यक्ष के त्यागपत्र देने पर अंतरिम अध्यक्ष नियुक्त करने का प्रावधान है और इसलिए डोनाल्ड रुकारे को इस साल नवंबर में अगली महासभा तक यह भूमिका सौंपी गई है।''जेनकिंस ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''खेलों को आगे बढ़ाने और विशेषकर पैरा खिलाड़ियों को इससे जोड़ने के लिए मुझे जो अवसर दिए गए, उन पर मुझे विशेष रूप से गर्व है। मैं राष्ट्रमंडल खेल संघ के अपने सहयोगियों और दोस्तों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।''

अय्यर बने आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कलात्मक बल्लेबाज बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी एकदिवसीय प्रतियोगिता में सर्वाधिक 243 रन बनाए थे। उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पीछे छोड़ा।

बीएफआई में खींचतानः अंतरिम समिति ने लिए अहम फैसले

नई दिल्ली। (एजेंसी) नवगठित अंतरिम समिति द्वारा राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन और कोचों की नियुक्ति सहित अन्य प्रमुख निर्णयों की घोषणा के बीच मंगलवार को विभिन्न राज्य इकाइयों के सदस्यों के तत्काल चुनाव कराने की मांग से भारतीय मुक्केबाजी प्रशासन में खींचतान तेज हो गई। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) के पदाधिकारियों का कार्यकाल दो फरवरी को समाप्त हो गया था लेकिन कानूनी विवादों के कारण चुनाव में देरी हो रही है। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने अपने नवीनतम आदेश में खेल मंत्रालय के पर्यवेक्षक और निर्वाचन अधिकारी को मामले की अगली सुनवाई के लिए तय 28 अप्रैल से पहले नया चुनाव कार्यक्रम जारी करने का निर्देश दिया है।

समिति के अंतिम सदस्या का नामांकन अभी बाकी इस छह सदस्यीय समिति में बीएफआई के उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार निरवान, कार्यकारी निदेशक अरुण मलिक, ओलंपियन एल सरिता देवी और सिंगापुर मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष फैरुज मोहम्मद शामिल हैं। समिति के अंतिम सदस्य का नामांकन भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष द्वारा अभी किया जाना बाकी है।

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण
लेकर आए हैं
आवासीय, व्यावसायिक, संस्थागत सम्पत्तियों और बहु-मंजिला अपार्टमेंट की ई-नीलामी
दिनांक : 13 से 20 मई, 2025

नीलामी की तिथि	साइटों का ब्यौरा	ज़ोन
13 मई, 2025 (मंगलवार)	प्रेफरेंशियल सम्पत्तियां (आवासीय व व्यावसायिक)	सभी ज़ोन
14 मई, 2025 (बुधवार)	आवासीय व व्यावसायिक सम्पत्तियां	पंचकूला और हिसार ज़ोन
15 मई, 2025 (गुरुवार)	आवासीय व व्यावसायिक सम्पत्तियां	रोहतक और फरीदाबाद ज़ोन
16 मई, 2025 (शुक्रवार)	आवासीय व व्यावसायिक सम्पत्तियां	गुरुग्राम ज़ोन
17 मई, 2025 (शनिवार)	नर्सिंग होम, क्लिनिक व सभी स्कूल की साइटें	सभी ज़ोन
20 मई, 2025 (मंगलवार)	मेजर साइटें (व्यावसायिक साईट, शॉपिंग मॉल, अस्पताल और संस्थागत साईट) और कंपोजिट साईट सेक्टर - 43, गुरुग्राम	सभी ज़ोन

ई-नीलामी 2025-26 की कलेक्टर रेट/आवंटन दरों/संस्थागत दरों के आधार पर इस शर्त के साथ आयोजित की जाएगी कि यदि वर्ष 2025-26 के लिए कलेक्टर रेट/आवंटन दरों/संस्थागत दरों को संशोधित किया जाता है तो तत्पश्चात बोली राशि को आनुपातिक आधार पर संशोधित किया जाएगा और बिडर अंतर राशि का भुगतान करने के लिए बाध्य होगा।

पंजीकरण ई-नीलामी की निर्धारित तिथि से एक दिन पूर्व बंद हो जाएगा।
ई-नीलामी सुबह 10 बजे शुरू की जाएगी।
EPABX - 0172-2567858, 2587185
हेल्पलाइन नंबर: 1800-180-3030

मुख्य बैंकों से ऋण की सुविधा उपलब्ध।
*नियम एवं शर्तें लागू
*इस ई-नीलामी में कोई भी व्यक्ति, कंपनी व सोसाइटी/समिति भाग ले सकते हैं।
*यदि ई.एम.डी. जमा करवाने की अंतिम तिथि के दिन बैंक अवकाश पड़ता है, तो उस स्थिति में, बैंक अवकाश से पूर्व पड़ने वाले बैंक कार्य दिवस को चालान द्वारा ई.एम.डी. जमा करवाने की अंतिम तिथि माना जाएगा।

*ई-नीलामी में दर्शाई गई संपत्तियों को बिना नोटिस ई-नीलामी से हटाया जा सकता है।
एच.एस.वी.पी. ई-ऑक्शन के पोर्टल के लिंक के लिए https://hsvphry.org.in पर जाएं
किसी भी जानकारी के लिए हमें ईमेल करें : eauctioncell.hsvp@gmail.com

मुख्य प्रशासक
हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण
सी-3, एचएसवीपी कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-6, पंचकूला 134 109, हरियाणा।
hsvphry.org.in. Hsvphry
स्थलों की पूरी जानकारी और ई-नीलामी के नियम और शर्तें एच एस वी पी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।
आने वाली ई-नीलामी की जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएं। https://hsvphry.org.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

भारत और तंजानिया के बीच हुई द्विपक्षीय चर्चा

हिंद महासागर क्षेत्र की शांति के लिए मिलकर करेंगे काम

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत और तंजानिया ने रक्षा क्षेत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण द्विपक्षीय चर्चा की है। इस दौरान दोनो देशों ने आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता के लिए हिंद महासागर क्षेत्र की शांति और सुरक्षा के महत्व पर बातचीत की और साथ में काम करने पर प्रतिबद्धता जताई।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सोमवार को तंजानिया की रक्षा मंत्री के साथ यह अहम मुलाकात की है। बता दें, यह बातचीत ऐसे समय पर हुई है जब पहली बार भारतीय नौसेना, अफ्रीका के दस देशों के साथ 'एइकीमी' नामक साझा नौसैनिक समुद्री अभ्यास कर रही है। तंजानिया में आयोजित यह नौसेनिक अभ्यास रणनीतिक तौर पर बेहद अहम है। यही कारण है कि भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी भी तंजानिया में मौजूद है। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि तंजानिया के उपंगा मुख्यालय में तंजानिया की रक्षा मंत्री डॉ. स्टर्गोमेना लॉरेंस टैक्स से मुलाकात हुई। इस दौरान हमने रक्षा और सुरक्षा में बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

दार एस सलाम में बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास 'एइकीमी' की सफलता और इसके सकारात्मक प्रतिफल पर विस्तृत बातचीत हुई। बैठक में भारत के नौसेना प्रमुख एडमिरल डीके त्रिपाठी भी शामिल रहे। तंजानिया में भारत के उच्चायुक्त बिश्वदीप डे, रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव (डीपीआई) अमित शतीजा और रियर एडमिरल निर्भय बापना भी इस बैठक में उपस्थित रहे। बता दें, भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी 16 अप्रैल तक तंजानिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और तंजानिया के बीच समुद्री सहयोग और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना है। यह हिंद महासागर क्षेत्र में रक्षा साझेदारी को बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

रक्षा सहयोग को बढ़ाएंगे

रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि भारत और तंजानिया आपसी रक्षा सहयोग को भविष्य में और आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। दोनों देशों का उद्देश्य आपसी संबंधों को मजबूत करना है। इसके लिए नए रास्ते तलाशने और आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता के लिए हिंद महासागर क्षेत्र की शांति और सुरक्षा के महत्व पर भी बातचीत हुई। रक्षा राज्य मंत्री तंजानिया के दार एस सलाम में एइकीमी के उद्घाटन समारोह में शामिल भी हुए थे। उन्होने बताया कि इस अभ्यास में समुद्री प्रगति और सुरक्षा के लिए तय किए गए मार्ग पर 10 समान विचारधारा वाले देश एक साथ आए हैं। इसमें भारत, कोमोरोस, जिबूती, केन्या, मेडागास्कर, मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशेल्स और दक्षिण अफ्रीका शामिल है।

डिफेंस एक्सपो में भारत की तारीफ

तंजानिया में आयोजित मिनी डिफेंस एक्सपो में भारतीय उद्योगों को जमकर सराहा गया है। इन उद्योगों में आइडियाफोर्ज, जेन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और अन्य ने खासतौर पर हिस्सा लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा, अफ्रीका-इंडिया मैरिटाइम एंगेजमेंट समुद्री प्रगति-सुरक्षा के लिए एक बहुपक्षीय अभ्यास है जो भारत, कोमोरोस, जिबूती, केन्या, मेडागास्कर, मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशेल्स व दक्षिण अफ्रीका को साथ लाता है। सेठ ने भारतीय समुदाय के कई लोगों से मुलाकात की जो दशकों से तंजानिया में रह रहे हैं। तंजानिया में कमल ग्रुप के प्रबंध निदेशक समीर गुप्ता ने कहा, उनका समूह पिछले 20 वर्षों से तंजानिया में विभिन्न क्षेत्रों में अपना कारोबार चला रहा है। इस बड़े मौके का हिस्सा बनना शानदार मौका था। आइडियाफोर्ज के लिए लीड बिजनेस डेवलपमेंट, विशाल ने कह कि उनकी कंपनी दो प्रमुख उत्पादों- स्विच और नेत्रा के साथ रक्षा एक्सपो में भाग लेने आई थी।

संयुक्त राष्ट्र में डॉ. आंबेडकर की 135वीं जयंती पर राज्य मंत्री अठावले बोले

बाबा साहेब के विचार भारतीय सीमाओं से परे भी गूंजते, उनका जीवन मानवता के लिए प्रेरणास्रोत

एजेंसी ▸▸ न्यूयॉर्क

केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि डॉ. आंबेडकर का जीवन भारतीय इतिहास का एक अध्याय मात्र नहीं है। यह पूरी मानवता के लिए एक प्रकाश स्तंभ है। वे जाति, गरीबी और औपनिवेशिक उत्पीड़न द्वारा लगाए गए हर अवरोध को पार कर समानता, सम्मान और लोकतंत्र के लिए एक वैश्विक वकील बने

केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने समानता, प्रतिनिधित्व और मानवाधिकार के जिन सिद्धांतों के लिए लड़ाई लड़ी, वह आज 2030 के सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामूहिक प्रयासों में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। वह संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। अठावले ने कहा कि डॉ. आंबेडकर का जीवन केवल भारत के लिए नहीं, संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने जाति, गरीबी और औपनिवेशिक उत्पीड़न की सीमाओं को पार करते हुए वैश्विक मानवाधिकार आंदोलन में अहम भूमिका निभाई।

डॉ. आंबेडकर ने वैश्विक मानवाधिकार आंदोलन में अहम भूमिका निभाई

जमीनी स्तर पर कई योजनाएं चला रहे

अठावले ने कहा कि डॉ. आंबेडकर का जीवन भारतीय इतिहास का एक अध्याय मात्र नहीं है। यह पूरी मानवता के लिए एक प्रकाश स्तंभ है। वे जाति, गरीबी और औपनिवेशिक उत्पीड़न द्वारा लगाए गए हर अवरोध को पार कर समानता, सम्मान और लोकतंत्र के लिए एक वैश्विक वकील बने। उनकी वकालत भारत की सीमाओं से कहीं आगे तक गूंजती है जो उन्हें आधुनिक मानवाधिकार आंदोलन का प्रतीक बनाती है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय डॉ. आंबेडकर की विरासत को जमीनी स्तर पर उतारने के लिए कई योजनाएं चला रहा है जिनमें अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 'नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप', 'पीएम-दक्ष योजना' और ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए 'स्माइल स्कीम' शामिल हैं। यह कार्यक्रम भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित किया गया।

लोकतंत्र को जीवनशैली मानते थे

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि डॉ. आंबेडकर लोकतंत्र को जीवनशैली मानते थे और संविधान की नैतिकता को लागू करने के लिए संस्थागत ढांचे को माध्यम मानते थे। 'फाउंडेशन फॉर ह्यूमन होराइजन' के अध्यक्ष दिलीप म्हसके और हार्वर्ड डिविनिटी स्कूल के 'विजिटंग प्रोफेसर' संतोष राऊत ने भी डॉ. आंबेडकर के विचारों की वैश्विक प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

गुजरात पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर

कहा- ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एवं गुजरात से राज्यसभा सांसद डॉ. एस. जयशंकर मंगलवार को अपने दो दिवसीय दौरे के तहत गुजरात के नर्मदा जिले में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कुछ परियोजनाओं का उद्घाटन किया और क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई प्रमुख विकास पहलों की आधारशिला भी रखी। गुजरात से राज्यसभा सांसद और

आकांक्षी जिले के लिए केंद्र सरकार के नामित प्रतिनिधि के रूप में, डॉ. जयशंकर की यात्रा बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्थानीय सेवाओं में सुधार पर केंद्रित थी।

डॉ. जयशंकर ने जमीनी स्तर पर विकास के महत्व पर प्रकाश डाला और लक्षित परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र के उत्थान के लिए चल रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने लाछरास एक नए स्मार्ट आंगनवाड़ी केंद्र और एक स्मार्ट कक्षा का उद्घाटन किया। जो ग्रामीण क्षेत्रों में प्रारंभिक बचपन की शिक्षा और डिजिटल शिक्षा में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लाछरास में वापस आकर अच्छा लगा। वहां

पुंछ जिले के लसाना में सेना की टुकड़ी पर गोलाबारी

आतंकवादियों से मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान तेज, अतिरिक्त सुरक्षा बल रवाना

एजेंसी ▸▸ पुंछ

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के लसाना क्षेत्र में बीती रात संदिग्ध आतंकियों ने सेना की एक टुकड़ी पर गोलीबारी की। यह हमला उस समय हुआ जब सेना की एक गश्ती पार्टी इलाके में अपनी नियमित निगरानी कर रही थी। गोलीबारी की इस घटना के बाद सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी और पुंछ जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर बड़े

पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि 'ऑपरेशन लसाना' के तहत सुरनकोट के लसाना इलाके में पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान चलाया गया।

मुठभेड़ में कोई हताहत नहीं

प्राप्त जानकारी के अनुसार, देर रात लसान क्षेत्र में सेना की एक टोह (गश्ती) पार्टी अपनी ड्यूटी पर थी। इसी दौरान कुछ संदिग्ध आतंकियों ने अंधेरे का फायदा उठाते हुए गोलीबारी शुरू की। सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद संदिग्ध आतंकी जंगल की ओर भाग गए।

Terms and conditions apply. #The Instant Cashback offer of ₹5100 is available on purchase of Shine100. #The offer may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. #The scheme is offered by Authorized Main Dealers and Associate Dealers and can be availed on purchase of Shine100 from Authorized Main Dealers and Associate Dealers. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, down payment, and tenure options are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. Nil Extra charges (0/- processing fee, 0/- Documentation Charge & 0/- Advance EMI) are applicable on Shine 100 model only. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. Additional Cashback offer is available on selected Honda2wheelers models for EMI transactions made using IDFC FIRST Bank credit cards and HDFC bank credit cards through Pine Labs machines only. Customers can avail 5% cashback, up to a maximum of ₹5000/-. Valid on one transaction per card/order during the offer period. The scheme is available at selected outlets only. The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. All offers are valid until 30th April 2025. The features shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122050, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: DELHI: SOUTH DELHI: Malwa Honda (Lajpat Nagar) - 011-29840621/22, 9266802219; (Adchini) - 011-43073681, 8527996772/73; (Khanpur) - 011-40446391, 011-40446392, 9266802221; (Saheen Bagh Jamia) - 011-26950016/17, 9266802220; (Dakshinpuri) - 9266802215; (Sangam Vihar) - 9311227401, 9311227402; Pragnya Honda (Okhla) - 011-40581600, 9818856993; (Pul Pehladpur Badarpur) - 011-26366952, 9650028777; (Jaitpur) - 9818556993; Absolute Honda (Mahipalpur, NH-8) - 07947216270, 011-40470000, 9871600730, 9811625338, 9152462887; (RK Puram Sector 1) - 9871600734, 9871500735, 9069145268; (Chattarpur) - 9821814222, 9821813222; Uday Honda (Adchini) - 9212355514, 9212355515; (Aya Nagar) - 9266135550; **WEST DELHI:** Excel Honda (Raja Garden) - 9811096676, 01145528400 / 8500; (West Patel Nagar) - 9667530598; Shuban Sai Honda (Najafgarh) - 011-69651212, 9212385581/82; (Vikaspuri) - 8447527677, 8506999938/39, 8130988396; (Kakrola Mod) - 9212385537, 9212389007, 8506999936/37; (Vikas Nagar) - 9818826775; (Ranhola) - 9212385592; Dhingra Honda - (Peeragarhi) - 011-41400000, 9871200045, 9717455880; (Uttam Nagar) - 9717455884/85, 9717394588; (Nangloi) - 9871400045, 9717455883; (Kirari) - 9870200152; Excel Honda (Moti Nagar) - 011-47025801/02, 9999903295; (Mayapuri) - 011-49093930, 9811025879; (Raja Garden) - 011- 45528400/500, 9811096676; (West Patel Nagar) - 9667530598; (Amanpuri) - 9289739970; V.D. Honda (Mahavir Enclave) - 9650415522, 7042294777, 7042294776, 9212670292, 7291998261; (Dabri) - 9212670291; (Bijwasan) - 9599442118, 7290068240; (Rajapuri) 9212670215, 9910364903, 7290068239; (Kapashera) 7290068238, 9910014183; **CENTRAL DELHI:** J.B. Honda (Jhande Walan) - 01143724442, 9555007307; (Shastri Nagar) - 8882719494, 9999786767; (Naraina) - 9310059001; (Tri Nagar) - 9355719494; **EAST DELHI:** Rajindra Honda (Shahdara) - 9310457400, 9310008240; (Dilshad Garden) - 011-22131205/06, 9818372386; (Bhajanpura) - 7042024650; (Karawal Nagar) - 9810839361; (Ill Pusta) - 9560734814; Johripur (Shiv Vihar Metro Station) - 7840080191; Swarup Honda (Vikas Marg) - 011-41015710/11/12, 9810806600, 9810268204; (Mayur Vihar Ph-III) - 9717099729; (Kondli) - 9717099726; (Pandav Nagar) - 9717099723; Celebrate Honda (Jagatpuri) - 011-45644444, 9821398522; (Jheel) - 9821398526, 8448131114; (Khichripur) - 9871481114; **NORTH DELHI:** Globus Honda (Azadpur) - 011-45561871, 8826993152, 8826993150; (Rani Bagh) - 8130093649, 8826993157; (Pitampura) - 8130093651, 8826993162; (Zakira) - 8130093650; (Burari) - 8130093648, 8826993156; (Jahangirpuri) - 8130093655; ; (Libaspur) - 8130093656; Rohini Honda (Sector 3) - 8882201000; (Rithala) - 8527479000; (Budh Vihar) - 8527724000; Santoshi Honda (Narela) - 8467085731/2/7, 8882493100/2; **BALLABGARH:** Kabir Honda - 9312655454; **GAUNCHI BALLABGARH:** Kabir Honda - 9599396896; **FARIDABAD:** Pick Up Honda - 9873875500; Regent Honda - 0129-4006142, 9899913146; Faridabad Honda - 9953547023, 8130515558; **GREATER FARIDABAD:** Pick up Honda - 9873820000; **GURUGRAM:** Big Swing Honda - 9212168811, 9355990083, 9773548811; Ganpati Honda - 0124-4630500, 9910894235; Yume Honda - 0124-4577444, 9818250011, 9560380444; Malwa Gurugram Honda - 8595521151, 9311980996; **KHANDSA ROAD GURUGRAM:** Malwa Gurugram Honda - 9289223507, 9289223502; **BADSHAHPUR GURUGRAM:** 9773548811; **PALAM VIHAR GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9910894234; **GURUGRAM RAILWAY ROAD:** Ganpati Honda - 0124-4423500, 9910894233; Yume Honda - 0124-4566999, 9650186777; **SEC- 52 GURUGRAM:** Yume Honda - 8130364222, 9266668820; **MANESAR:** Ganpati Honda - 9910894239; **SEC - 82 GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9220309621, 9220309622; **PATAUDI:** Yume Honda - 8222840011; **HAYATPUR:** JSS Honda - 9992539657; **NUH:** Sri Madhav Honda - 9050276139; **HODAL:** Mukund Honda - 8814003484, 8053339555; **PALWAL:** Parashar Honda - 7056573100, 7056574100; **SOHNA:** Sohna Honda - 9812872333, 9813156539; **GAUTAM BUDDHA NAGAR:** Parkash Honda - 0120-4796600, 9999806883; Pioneer One Honda - 4313333, 8130788666; Pioneer One Honda (Sec-58) - 8130968666; Pioneer One Honda (Noida City Center) - 0120-2480666, 8178506905; Parkash Honda (Bhangel) - 9971713314; P.S. Honda (Dadri) - 9811669969; Bhagat Honda (Jewar) - 9711716890; National Honda (Chapraula) - 9899828711; The Rainbow Honda (Shyam Nagar Mandi) - 8178274694; **GHAZIABAD:** JKM Leela Honda - 9999767614, 9311322400; Hindon Honda - 9910110017, 9910030484; Sangam Honda (Sahibabad) - 9311051166, 9911591166; Om Honda (Loni) - 9312254126; Hindon Honda (Modinagar) - 08449790925; Chauhan Honda (Muradnagar) - 9897088340; Sangam Honda (Khoda Colony) - 9540651166; **GREATER NOIDA:** Parkash Honda - 9971992604; Shanti Honda (Kulesra) - 8510000845; Khanna Honda (Surajpur) - 9810203519, 9717207234; **BULANDSHAHR:** Shri Masha Honda - 09568519999; Sri Ganga Honda (Anoopshahr) - 9719524751, 8433276224; KLA Honda (Khurja) - 7078677972, 9720088882; Agarwal Honda (Dibai) - 9412563721, 8273083331; Veer Honda (Shikarpur) - 9758097121; Shri Bhagirathi Honda (Jahagirabad) - 9927544326; Al Uzair Honda (Gulaothi) - 9997729105; **BAHADURGARH:** Shri Balaji Honda - 9896297567, 7404533495; **JHAJJAR:** Shree Shyam Honda - 9466511837, 8607200651; **ROHTAK:** Lohchab Honda - 8684888803, 8684888804; Shri Krishna Honda - 8930303243, 9896655630; **SAMPLA:** Rama Honda - 8684840808, 8684840505; **GOHANA:** Shirin Honda - 8222999406, 8222999408; **SONEPAT:** Triumph Honda - 0130-2237002, 9254015907; **CHOTU RAM CHOWK(SONEPAT):** Triumph Honda - 9254015901; **GANNAUR:** Triumph Honda - 9254015908; **KHARKHODA:** Ashirwad Honda - 9017190979; **KUNDLI:** Triumph Honda - 9254015904; **BAHALGARH:** Triumph Honda - 9034015921.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in